

13 FEB 1979



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 27, 1979 (माघ 7, 1900)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 27, 1979 (MAGHA 7, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अस्तग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और भालुलेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० ए० 32014(1)78-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) और सम्प्रति ग्रेड ग स्टेनो-ग्राफर के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री एस० पी० महरा को 2-12-78 से 28-2-79 तक या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः प्रत्यक्षितम्, अस्थायी और तदर्थं आथरु पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड छ) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा कृष्णा ध्यान रखें कि वरिष्ठ सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड छ) के रूप में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थं आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० से० के ग्रेड छ में विनायन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का हक् प्राप्त नहीं होगा।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ए० 19014/8/78 प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री डी० लाहिड़ी को 18 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 दिसम्बर 1978

सं० ए० 38013/1/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० रामानाथन को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31-12-1978 के अपराह्न से वार्द्धक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृति की भव्य अनुमति प्रदान की गई है।

सं० ए० 38013/2/77-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० एल० कौशल को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31-12-1978 के अपराह्न से वार्द्धक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृति की सही अनुमति प्रदान की गई है।

एम० बालचन्द्रन
अवृत्त सचिव
प्रशासन प्रभ० री
संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक I जनवरी 1979

सं० पी० 1878-प्रशा० I—रक्षा शारीर-क्रिया विज्ञान तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान में स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II तथा इस समय संघ-लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर कार्यभर डा० के० श्रीवास्तव की सेवाएँ 1-1-79 के पूर्वाह्न से महानिदेशक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास को पुनः सौंपी जाती हैं।

एस० बालचन्द्रन

अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ए०-19021/3/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० ज्ञा, भारतीय पुलिस सेवा (1961: आसाम/मेघालय) को दिनांक 22 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्थ पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी
उप-निदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मन्त्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए०-19036/10/77-प्रशा०-5—दिनांक 1-12-78 के पूर्वाह्न में विमल लाल जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, सर्वश्री आर० एस० नरवेकर और जी० एम० अम्बाडकर, पुलिस उप-अधीक्षकों को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की बम्बई शाखा में पद-स्थापित किया जाता है।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी, 1979

सं० पी० एफ०/एस०-236/78-प्रशासन-1—58 वर्ष की आयु में निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, परिचम बंगाल पुलिस से प्रतिनियुक्त श्री एस० के० वसु पुलिस निरीक्षक को दिनांक 30-6-1978 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनेल सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० श्री० -दो०-36/75-स्थापना—श्री आई० के० सहगाल ने, अपने मूल विभाग, डाक एवं तार महानिदेशालय में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप-निवेशक (लेखा) के पद का कार्यभार दिनांक 16-12-78 के पूर्वाह्न से त्याग दिया है।

सं० एफ० 8/23/78-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति ले० कर्नल लायक राम (सेवा निवृत्त) थल सेना अधिकारी जो कि केन्द्रीय पुलिस बल में कमांडेंट के पद पर पुनर्नियुक्ति पर था, का त्याग पत्र दिनांक 8/12/78 के अपराह्न से स्वोकार करते हैं।

सं० एफ० 11/48/77-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री के० एव० कर्मचन्द्रानी, उत्तर प्रदेश राज्य के जेष्ठ अभियोजन अधिकारी जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति पर थे, को सहायक निवेशक (विधि) के घोड़ में दिनांक 11/9/78 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० एफ०-2/51/78-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सुविदारों को, जो कि आई० टी० बी० पी० संचार निदेशालय (वित्त मन्त्रालय) में प्रतिनियुक्ति पर थे, प्रपत्र पदोन्तरि उप पुलिस अधीक्षक के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनके नाम के समक्ष लिखी हुई तिथियों से देते हैं।

| क्रमांक | नाम | जित विभाग म प्रतिनियुक्ति पर रहे थे | प्रपत्र पदो- नियुक्ति की तिथि |
|---------|-------------------------------------|---|-------------------------------------|
| 1. | श्री एस० पी० श्रीवास्तव | मंचार निदेशालय (वित्त मन्त्रालय) | 13-4-77 |
| 2. | श्री मदन सिंह डौगरा आई० टी० बी० पी० | | 23-4-77 |

दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० श्री० दो० 1091/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर सुरेहरी नाल निवेश को अस्थाई रूप से आगामी अदैश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० ही० श्री० ग्रेड-2 (डी० एस० पी० /कम्पनी कमान्डर) के पद पर 22 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय
सहायक निवेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० 1500/ए—दिनांक 13-10-1978 के क्रम में
श्री बी० एस० मोरे की उप नियन्त्रक अधिकारी के रूप में सदर्थ
नियुक्ति दिनांक 30-12-1978 से भारत प्रतिभूति मुद्रणालय
में नियमित मानी जाएगी।

जी० सी० मुख्यर्जी
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक जनवरी 1979

सं० क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की सम-
संलयक अधिकृताना दिनांक 10-5-78 के अनुक्रम में श्री एन०
एन० अग्रवाल, सहायक अभियन्ता (वातानुकूलन) की नियुक्ति
की अवधि दिनांक 23-12-78 से 30-4-1978 तक, मानक
प्रति नियुक्ति शर्तों के आधार पर और बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ई० बी० I /8-312/78-79/7474—महालेखाकार
आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी
सदस्य श्री वि० वेणुगोपाला चारी को महालेखाकार आंध्र प्रदेश
हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-
1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद
पर 12-10-78 के पूर्वाल्कु से जब तक आगे आदेश दिय जाएं
नियुक्ति किया जाता है। यह पदोन्तति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के
दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

बी० सी० एल० नारायण
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० प्रशासन-I/का०आ०/5-5/पदोन्तति/77-79/2084—
इस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी श्री प्रकाश सिंह ने
अधिकारिकी की आयु प्राप्त करने के कारण सरकारी नौकरी
से 31 दिसम्बर, 1978 से अवकाश ग्रहण कर लिया है।

उनकी जन्मतिथि 7-12-1920 है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० प्रशा०-17-14/77/20719—ग्रधीनस्थ रेलवे लेखा
परीक्षा सेवा के सदस्य सर्वश्री श्रीम प्रकाश त्यागी और रोमेश
चन्द्रा तुलसी को आगामी आदेश तक क्रमांक: 1-12-78 और
2-12-78 अपराह्न से स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा
अधिकारी रु० 840-40-1000-ई० आ०-40-1200 के
वेतनमान में इस कार्यालय में नियुक्त किया जाता है।

मोहम्मद अब्दुल्ला कादिरी
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा भवा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० 71019 (10)/78-प्रशा०-—राष्ट्रपति, सन् 1977
में, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई सम्मिलित प्रति-
योगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर, निम्नलिखित
व्यक्तियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन के
रूप में, उनके नाम के सामने लिखी हुई तारीख से, सहर्ष
नियुक्त करते हैं:—

| क्रम सं० | नाम | नियुक्ति की तारीख |
|----------|----------------------------|----------------------------|
| 1. | श्री अरुणव दस | 12-7-1978 (पूर्वाल्कु) |
| 2. | कुमारी वन्दना श्रीवास्तव | 12-7-1978 (पूर्वाल्कु) |
| 3. | श्री जैकब डेविड | 8-11-1978 (पूर्वाल्कु) |
| 4. | श्री मोहन दास पलियथ | 15-11-1978 (पूर्वाल्कु) |
| 5. | श्रीमती विन्दु अग्निहोत्री | 15-11-1978 (पूर्वाल्कु) |
| 6. | श्री रविदत्त अहीर | 20-11-1978 (पूर्वाल्कु) |

दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-—राष्ट्रपति, अन्तर्रिम
उपाय के रूप में, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित
कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड अधिकारियों (उनके सामने अंकित
पदों पर, प्रतिनियुक्ति पर) को उक्त सेवा के कनिष्ठ
प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 2000-125/2-2250) के प्रबरण
ग्रेड में, स्थानापन्न के स्पष्ट में कार्य करने के लिए, दिनांक
20 दिसम्बर, 1978, पूर्वाल्कु से, आगामी आदेश पर्यन्त,

'अनुक्रम नियम' के अधीन, तदर्थे आधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

| क्रम सं० | नाम | वर्तमान नियत कार्य |
|------------------------------|--|--------------------|
| 1. श्री बी० एन० रल्लन | हिन्दुस्तान इन्सेक्टिसाइड लिमि- टेड, नई दिल्ली के बोर्ड में निदेशक (वित्त)। | |
| 2. श्री के० पूर्ण चन्द्र राव | विशेषाधिकारी (वित्त), राजस्व तथा कम्युनिकेशन बोर्ड, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली। | |
| 3. श्री आर० कृष्णमूर्य | संयुक्त सचिव तथा आई० एफ० ए०, राजस्व तथा बैंकिंग (राजस्व खण्ड), वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली। | |

श्रार० एल० बख्ती
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक
(प्रशासन)

बाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1979
आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

सं० 6/597/60-प्रशासन (राज०)/277 —सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात वस्त्रई के कार्यालय में, श्री आर० एस० राजे, स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-निर्यात ने दिनांक 30 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का वे० शेषाद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(अधिकारिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 12(750)/72-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के श्री ए० राम राव, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) को दिनांक 26 मितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री ए० राम राव ने दिनांक 16 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) पद का कार्यभार छोड़

दिया तथा दिनांक 26 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में उप निदेशक (धातुकर्म) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 8 दिसम्बर, 1978

सं० 12/663/70-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति शाखा संस्थान, भिवानी के श्री एम० एन० शर्मा, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यात्रिक) को दिनांक 15 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (यात्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री शर्मा ने दिनांक 15 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से शाखा संस्थान, भिवानी के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यात्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 15 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से ही शाखा संस्थान, भिवानी में उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 19 दिसम्बर 1978

सं० ए-19018/144/74-प्रशासन (राजपत्रित) —भारतीय निवेश केंद्र, इलाहाबाद में तकनीकी सलाहकार के रूप में नियुक्ति होने पर श्री ए० के० सरकार ने दिनांक 5 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. श्री ए० के० सरकार की सेवाएं दिनांक 5 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से भारतीय निवेश केंद्र, इलाहाबाद को सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19018 (368)/78-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति, विश्वम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवेंद्रम की प्रोग्रामर श्रीमति श्रीदेवी रवींद्रन को दिनांक 29-11-1978 (पूर्वाह्न) से छः महीनों की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर लघु उद्योग विकास संगठन में प्रोग्रामर के रूप में तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. तदर्थे आधार पर नियुक्ति होने पर श्रीमति श्रीदेवी रवींद्रन ने दिनांक 29 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में प्रोग्रामर पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० 12 (17)/61-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री ओ० पी० जैन, निदेशक, ग्रेड-I (निर्यात संबंधित) को दिनांक 30 नवम्बर, 1978 (अपराह्न) से निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

महेंद्र गुप्त
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक: तथा

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं. ए०-17011/148/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्षणालय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री बी० एन० देशपांडे को दिनांक 4 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

पी० ढी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

हृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं. एफ० 11/2-1/75 ए-1—श्री बी० एल० राजदान, सहायक रसायन (ग्रेड I) को बिल्कुल तदर्थं आधार पर 21-12-1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (वर्ग 2 राजपत्रित) नियुक्त किया गया है। यह तदर्थं नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिए किसी प्रकार के दाये का अधिकारी प्रदान नहीं करेगी और न अन्य उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु पात्रता और वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिए नहीं गिनी जाएगी।

भीम सैन कालडा,

हृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं. 10/7/78-एस-3—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पिनाकी रंजन महापात्र को दिनांक 24-10-78 से अगले आदेशों तक उच्च शक्ति प्रेपित्र, आकाशवाणी, चिन्सुरा में अस्थायी आधार पर सहायक अभियन्ता के पर नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह

प्रशासन उप निदेशक

हृते महानिदेशक

मूर्खता और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 1 जनवरी 1979

सं. 5/20/69-सिष्ट्रन्दी I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग नई दिल्ली के स्थानापन्न छायाग्राहक श्री ए० आर० शरीफ को दिनांक 18-12-1978 के पूर्वाह्न में

अगले आदेश तक फिल्म प्रभाग भोपाल में न्यूजरील आफिसर के पद पर नियुक्त किया।

नरेंद्र नाथ शर्मा
महायक प्रशासकीय अधिकारी
हृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं. 6-20/78-आर० नि०—राष्ट्रपति ने केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के सहायक फार्माकालोजिकल कैमिस्ट, डा० ए० सी० दास गुप्ता को 21 अक्टूबर, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में बायोकैमिस्ट के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

डा० ए० सी० दास गुप्ता ने उसी दिन से सहायक फार्माकालोजिकल कैमिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० के० कथर्क
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं. ए० 31013/6/77 (जे० आई० पी०)/प्रशासन I—राष्ट्रपति ने श्री बी० एस० जपरांकरपा को 10 जुलाई, 1972 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पार्णिवेरी में शिष्य मनोविज्ञानी के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 6 जनवरी 1979

सं. 9-52/85-के० सं. स्वा० यो०-I—केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना के होम्योपैथिक फिजीशन डा० एल० के० प्रधान ने अपना त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने के परिणामस्वरूप 11 नवम्बर, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 8 जनवरी 1979

सं. ए० 19019/1/77-के० स्वा० से० यो० -I—केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बम्बई से अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप होम्योपैथिक फिजीशन डा० (कुमारी) बलजीत कानसी ने 16 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से केंद्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एस० भाटिया
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० ए० 19025/67/78-प्रशा० III—संधौलोक सेवा आयोग की सम्मुतियों के अनुसार श्री डौ० पी० सिंह जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं को दिनांक 31-8-78 (पूर्वाल्प) से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० ए० 19024/9/78 प्र० त०—मुख्य रसायनज्ञ के पद पर श्री ए० ए० ए० ए० प्रकासराव की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 31-3-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक, प्रशासन
कृषि विषयन सलाहकार

नागपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० फा० 2/8/76-वि० II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित और सं० 125, 126, 127 दिनांक 15-9-62, सं० 1131, 1132 दिनांक 7-8-1965, सं० 2907 दिनांक 5-3-71, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दिनांक 1-10-1971 सं० 3102 दिनांक 3-11-1973 सं० 12 विनांक 9-6-1945 सं० 1 केर्प दिनांक 5-1-1946 है० 6 दिनांक 5-2-1949 सं० 64 दिनांक 17-6-1961 भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त विभाग (केंद्रीय राजस्व) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) की अधिसूचनाओं के लिए मैं एतद्वारा श्री एच० एन० राय, सहायक विषयन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी, धनिया, सौफ, मेथी, सेलारी बीज, जीरा, और तम्बाकू, जिसका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन सूतीकृत और सम्बद्ध पद्धों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उपल,
कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डौ०/24(4)/75-प्रशा०—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में कार्यरत एक अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० डौ० श्री बी० गोपालस्वामी को 1 फरवरी, 1974 से विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के केन्द्रीय पूल के वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० श्रीनिवासन
निदेशक

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

सं० ए० ए० डौ०/2/2348/75-प्रशा०—परमाणु खनिज प्रभाग के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० (यांत्रिक) श्री एस० बी० व्यास का चयन भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० सी० के पद पर नियुक्ति के लिये हो जाने पर, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक व्यारा उनका त्याग पत्र 19 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०/1/14/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा, श्री बी० एस० अनिल कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 29 नवम्बर, 1978 (पूर्वाल्प) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अधियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० प० ख० प्र०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री देवराज तुली को 1 नवम्बर, 1978 से श्री एस० के० मल्होत्रा, प्रशासन अधिकारी II उत्तरितापय प्रशासन अधिकारी III की जगह पर पूर्णांतर्य अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक प्रशासन अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

एस० वाय० गोखले,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखाधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008 दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 05052/78/इ/45—भारी पानी परियोजना के विशेषकार्य अधिकारी, श्री सूर्यकान्त यम्बक काले, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के स्थायी ट्रॉफस मैन 'बी' तथा भारी पानी

परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' को उसी कार्यालय में एक प्रगति, 1978 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (प्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर
थाना, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० टी० ए० पी० एल०/१/२० (१)/७६-आर—परमाणु उज्ज्वा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री ए० पी० पाटिल को 4-12-1978 (अपराह्न) से 6-1-1979 तक रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-760 के वेतनमान में तदर्थं आधार पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री डी० डी० बनर्जी सुरक्षा अधिकारी, जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर की गई है।

डी० वी० माझें,
हृते मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिपोर्टर अनुसंधान कन्व
कल्पाक्षम, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० 32023/१/७७/आर०-२२९४५—श्री एम० कृष्णामूर्ति ने, जिन्हें इस केंद्र की तारीख 12 अक्टूबर, 1978 की अधिभूतना सं० आर० आर० सी०-II-I(20)/७२-१८५९६ द्वारा 4 सितम्बर, 1978 से स्थानापन्न रूप से तदर्थं आधार पर पदोन्नत किया गया था, 31 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ए० सेतुमाधवन,
प्रशासनिक अधिकारी
हृते परियोजना निदेशक

परियोजना निदेशक (मनेक्स) का कार्यालय

नई दिल्ली-३, दिनांक नवम्बर 1978

सं० मनेक्स-००५०८—श्री टी० एन० चतुर्वेदी को केंद्री जन लेखा सेवा ग्रुप बी (केंद्रीय जन सेवा, ग्रुप बी, राजपत्रित) में 1 मार्च 1977 पूर्वाह्न से तदर्थं रूप में लेखा अधिकारी के पद पर आगले आदेशों तक के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री चतुर्वेदी परियोजना निदेशक (मनेक्स) नई दिल्ली के मुख्यालय में ही तैनात रहेंगे।

ओम प्रकाश,
मौसम विज्ञानी
हृते परियोजना निदेशक (मनेक्स)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

सं० ए० ३५०१८/२/७८-ई०—I—श्री टी० वी० राजेश्वर, आई० पी० एस०, (आ० प्र० १९४९) ने ६ नवम्बर, १९७८ अपराह्न से नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा तथा पदेन अपर महानिदेशक के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०-३५०१८/२/७८-ई० I—राष्ट्रपति, श्री भवानी मल, आई० पी० एस० (राज० १९५०) को २७ नवम्बर, १९७८ से पहली किस्त में एक वर्ष की अवधि के लिए, २५००-१२५-२-२७५० रु० के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा, नियुक्त करते हैं।

एस० एल० खाण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालिय

इलाहाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

सं० ३४/१९७८—केंद्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में तैनात श्री एन० पी० श्रीवास्तव अधीक्षक वर्ग 'ख' ने ३१ जुलाई, १९७८ को दोपहर के बाद अपना कार्यभार छोड़ दिया और वे अधिवर्षता (सुपरएनुएशन) को उम्र प्राप्त करते के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गये।

धर्मपाल आर्यं,
समाहृता

कानपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

सं० ५४/७८—श्री एम० डी० शुल्ला निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केंद्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक, केंद्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२००, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन पद सं० ११/२२-स्था०/७८२९६३६ दिनांक १७-६-७८ के प्रत्यर्गत तिर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० १/ए०/१६२/७८ दिनांक १६-६-७८ तथा ११-२२-स्था०/७८३१३३० दिनांक २४-६-७८ के प्रत्यर्गत तिर्गत स्थापना आदेश सं० १/ए०/१७३/७८ दिनांक २२-६-७८ अधीक्षक केंद्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग 'ख' कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक २९-६-७८ (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

सं० ५३/७८—श्री एम० एस० लाहरी, कार्यालय अधीक्षक केंद्रीय उत्पाद शुल्क ने, प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लिखा परीक्षक, वेतनमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस

कायालिय के पृष्ठांकन पत्र सं० 11-145- स्था०/75/40410 दिनांक 19-8-78 के अन्तर्गत निर्गत स्थापना आदेश सं० 1/ए/245/78 दिनांक 19-8-78 तथा पृष्ठांकन पत्र सं० 11-145-स्था०/75/57942 दिनांक 28-11-78 के अन्तर्गत निर्गत स्थापना आदेश सं० 1/ए/381/78 दिनांक 28-11-78 सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का भार दिनांक 1-12-78 (पूर्वाह्न) को मुख्यालय, कानपुर में ग्रहण कर लिया ।

कृ० ल० रेखी,
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 जनवरी 1979
(वाणिज्य नौवहन)

सं० 23-टी० आर० (1)/75—लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल एवं इंजीनियरिंग कालेज, बम्बई, के गणित और भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक श्री एस० पी० गोवले ने उनके स्थागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप अपने पद का पदभार तारीख 1-8-1978 (पूर्वाह्न) से छोड़ दिया है ।

कै० एस० सिधु
नौवहन उप महानिदेशक

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई विल्सी-110022, दिनांक 1 जनवरी 1979

सं० 6/5/78-प्र०-२—अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री आर० सी० गुप्ता, तकनीकी सहायक को केंद्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग 'ब') के अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 1-11-78 से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 6/5/78-प्र० 2—अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केंद्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-ब) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक अभियंता के फ्रेड में, उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं :—

| | |
|----------------------------------|----------|
| 1. श्री बी० प्रकाश, तकनीकी सहायक | 29-11-78 |
| 2. श्री अमित घोष, पर्यवेक्षक | 27-11-78 |
| 3. श्री एस० एस० घोष, पर्यवेक्षक | 29-11-78 |

संतोष विश्वास, प्रबंध सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कायालिय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स सु० ज्युस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 15959/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सु० ज्युस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया था रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स जनरल एनामल प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 13174/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स जनरल एनामल प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया था रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स इंडीपेंडेंट फारेन फिल्म इम्पोर्ट्स एसोसिएशन लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 16847/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स इंडीपेंडेंट फारेन फिल्म इम्पोर्ट्स एसोसिएशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स वागज सेविंग्स एंड चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० 14777/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मेसर्स वागज सेविंग्स एंड चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया

गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एम० गुप्ता
कम्पनियों का अधिनियम रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और के इन्डियन केमीकल एंड पेपर इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० एस० ए० 633/3607 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इन्डियन केमीकल एंड पेपर इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के कोटपाड प्रगना ट्रैडिंग कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० एस० ए० 189/3608 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है के कोटपाड प्रगना ट्रैडिंग कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टेंडर्ड बिजनेस मेंडिकेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 12608/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि स्टेंडर्ड बिजनेस सेंडिकेट का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जली केमी प्लास्टिक्स का नाम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 27877/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जली केमी प्लास्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

द्वारा सूचना दी जाती है कि जली केमी प्लास्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लकफास्ट केमिकल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 30077/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लकफास्ट केमिकल प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वासद्वारी ल्यान्ड डेवलपमेंट कं० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 26931/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि वासद्वारी ल्यान्ड डेवलपमेंट कं० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टमैन प्रिंटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 28965/60(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टमैन प्रिंटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मार्टिएजेसीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 25699/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मार्टिएजेसीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० सरकार
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
परिचय बंगाल

कार्यालय आयाय-कर अपील अधिकारण

बम्बई-400020 दिनांक जनवरी 1979

सं० एफ० ए० डी० (ए० ट्री०)/ 78 भाग II—
श्री के० ब्री० श्रीवास्तव, महाराज पंजीकार,

आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई अधिविता की आयु को प्राप्त हो जाने पर, दिनांक 1 जनवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष

कार्यालय, आयकर आयुक्त
नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1979
आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/78-79/36176—आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 42वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1)

द्वारा प्रकृत शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 1-1-79 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाया जाएगा :—

डि० 4 (1) अतिरिक्त, नई दिल्ली ।

के० शार० राधवन
आयकर आयुक्त

प्रकाश प्राइंट ट्री एन् एस् —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1979

निदैश सं० 336 ए०/मुजफ्फरनगर/78.79—अतः मुद्रा
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सबम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो म
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्ति-
यों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्र
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने म सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1)
निम्नलिखित अवित्यों के अधीन अर्थात् :—

1. मैर्सर्स रेनबों स्टील्स लिमिटेड मेरठ रोड मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)
2. मैर्सर्स अरविन्ट स्टील एन्ड एसाइज लिमिटेड, मेरठ
रोड मुजफ्फरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 वीधा 4 विस्वाल 12 विस्वांसी माथ म इमारत
तथा जी० ई० सी० इलैक्ट्रिक तथा मशीनरी इत्यादि जिसे रु०
46,00,000 में बेचा गया ।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 12-1-1979

ओहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोहतक

रोहतक दिनांक, 18 दिसम्बर 1978

निंदेश सं० के० एन० एल०/१/७८-७९—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 4 कनाल 13 मरला और जिस पर¹
बिल्डिंग बनी है तथा जो कुंजपुरा रोड, करनाल में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पार्था
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
काप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी भाव की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के रायित में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ध के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ध की
उपावदा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अस्ति।।।।

1. (1) श्री अवतार सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह
(2) श्रीमति सुरजीत और पत्नी श्री मोहन सिंह (3)
सर्वश्री केवल कृष्ण चावला, विजय मोहन चावला, तथा
पुष्पिन्द्र चावला, पुन्नान श्री भाग मल चावला निवासी
करनाल (अन्तरक)

2. मैं सुपर सोलज (इन्डिया) मासने आई० टी०
आई०, कुंजपुरा रोड करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

मनुष्यों

भूमि रकबा 4 कनाल 13 मरला (लगभग 2800
वर्गमील) तथा बिल्डिंग जोकि आई० टी० आई० के मासने
कुंजपुरा रोड पर स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 287 तिथि 18-4-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

मारीज़ . 18-12-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निवेश सं० सौ० थी० 72/17 द० 68/78-79/ —

अतः मुझे पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

और जिसकी सं० कांफी जमीन मादव 34AC44, है, तथा जो मकेरी गांव, पड़िकरी तालूक, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, यर्करा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 5-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की (1) अधीन निम्नलिखित

1. श्री वि० सीनापा S/O सुम्बद्धा, रेस कोर्स रोड, नया यस्कटनशन मड़िकरी, कूर्ग जिला (अन्तरक)
2. एम० एन० चि० पा, S/O तंजपा, यैथाडी गांव, विराजपेट तालूक, कूर्ग मिलटा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 23/78-79 ता० 5-4-1978

No Ac

| | |
|-------|-------|
| 131/1 | 30-64 |
| 132/2 | 1-45 |
| 132 | 2-35 |

योग 34-44

कांफी जमीन, मकेटी गांव,

दडिकरी सालूक, कूर्ग

Sy नं० 131/1 का चकबंदी

पू० : गांव का चकबंदी,

पृ० : SyNo. 128, 129 और 136;

उ० : SyNo. 129 और 130इ,

द० : SyNo. 132 और गांव का चकबंदी,

SyNo. 132/2 का चकबंदी

पू० SyNo. 131/1, प०० : SyNo 131/1

उ० : SyNo 131/1, द०० : गांव का चकबंदी और 135

SyNo 132 का चकबंदी

पू० : गांव का चकबंदी,

प०० : SyNo. 133 और 134

उ० : SyNo 131/1 और

द०० : SyNo 133 और गांव का चकबंदी

पि० रंगनाथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-12-1978

मोहर :

प्रकल्प प्राई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 2 कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनांक 22 नवम्बर 1978

निवेश सं० ए० सी०-२२/आर०-II /कल०/७८-७९—ग्रतः;
मुझे, एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है,
और जिसकी सं० ४-बी है तथा जो अलीपुर रोड पर कलकत्ता स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ
एस्पोरेन्सेम कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के ग्रन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवितर्वों, अधिक:—

1. मैसर्सं आकाश एण्ड अम्बर ट्रस्ट (ग्रन्तरक)

2. श्री सोम प्रकाश गुप्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितर्वों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्वों में से
किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में उल्लिखित है,
वही ग्रन्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8- बी०, अलिपुर रोड, कलकत्ता, अवस्थित पंचम तला
में एक फ्लैट है 1981 स्कै० फिट।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीवाहमद किल्वर्ह रोड
अर्जन रज, कलकत्ता

तारीख : 22-11-1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - , कलकत्ता-16

कलकत्ता,- 16 दिनांक 22 नवम्बर 1978

निदेश मं० ए० सी० 23/आर०II /कल०/78-79—
प्रतः; मुझे, एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 8-बी० है तथा जो श्राविपुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ एसुरेन्सेस;
कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1905 का 16)
के अधीन तारीख 8-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भून्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. मसामं आकाश एंड प्रम्बर ट्रस्ट (अन्तरक)

2. श्री किशोन लाल लोहिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरध्वनि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8 बी० आलिपुर रोड, कलकत्ता अस्थित पंचम तला मे०
2195 स्को० फीट का एक फ्लैट है।

एम० सी० यादव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II कलकत्ता-16

दिनांक : 22-11-1978

मोहर :

प्रकल्प श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी०-24/आर-II/कल०/7-8-79— अतः
मुझे, एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-वी० है तथा जो अलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एश्योरेसेस,
कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के प्रधीन, तारीख 8-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुझे किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा का विवरण या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
माया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवृत्त :—

1. मसजैं श्राकाण एण्ड अम्बर ट्रस्ट 15, पार्क स्ट्रीट,
कलकत्ता।
2. श्री रघुनाथ दास सोमानी 8 वी०, अलिपुर, रोड, कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के मन्तव्य में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा मरेंगे।

लिखितरण ।——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा, और उस प्रध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट—फोरथ फ्लोर नं० 8 वी०, अलिपुर रोड, कलकत्ता—
जमीन का परिमाण—2145 स्को० फीट।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, एफीअहमद किशवर्ह रोड,
अर्जन रेंज- कलकत्ता-16

तारीख : 22-11-1978

मोहर :

प्राप्ति प्राइंट ट्रॉ एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 22 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० 25/आर०II /कन/78-79—
अतः मुझे, एस० सि० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8-ए है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता
स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ
शोरोनेस, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16)) के अधीन, तारीख 26-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य अधिकारी
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

3-436 GI/78

1. श्री प्रान नाथ काश्यक (अन्तरक)

2. श्री मिनोज कुमार अगरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8-ए९ अलिपुर रोड कलकत्ता अवधित 8 कटा 26 स्टा०
फीट जमीन का पर 2 कमरा और नकार का कमरा एक फ्लैट
है।

एस० सि० यादव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज, कलकत्ता

तारीख 22-11-1978

मोहर :

प्रख्युप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा(1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती सविता सिंह

(अन्तरक)

2. शेख अब्दुल खलोक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निर्देश मं० एस० सी० 26/आर-II/कल/78-79—अतः
मुझे, एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 13 मि० है तथा जो बायटगंज स्ट्रीट
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार औफ एस्युरेन्स कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1978
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्म प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निष्पत्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद
किसी अस्त्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

त्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिक्षण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

मकान नं० 13 सी०, बयावगंज स्ट्रीट, कलकत्ता-23,
जमीन का परिमाण 8 कट्टा 35 स्कॉ० फीट है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 23-11-1978

मोहर :

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा भी उपधारा(1) के
अधीन, निष्पत्तिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

1. मैसेसं उत्तम सिंदुगल एन्ड को० प्रा० लि० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प(1) के प्रश्नोत्तर सूचना

2. डा० सेवा सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि०-४५/अर्जन०रे-IV/कल०/७८-७९—
अतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 252 है तथा जो सतियान
412/1 तथा 412/2, मौजा मिलिगुड़ि में स्थित है (और
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिलिगुड़ि, म, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर सरें मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रधान नगर, प्लाट सं० 252 के अंश
सतियान सं० 812/1 तथा 821/1, मौजा, मिलिगुड़ि, जिला-
दार्जिलिङ में स्थित 26.438 कट्टा जमीन के सब कुछ जमे के दलिल सं० 2711 दि० 12-4-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

दिनांक: 21-11-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 18 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 820/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पार्वता० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० पि 3 है तथा जो मदन चट्ठर्जी लेन,
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपब्रह्म अनुसूची में और
पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरूर्ति अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है परीक्षा मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुमूल्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री बेनीप्रसाद तेकरीबाला द्रास्ट्री सत्य नारायण टेमपल
22/1, मदन चट्ठर्जी लन, कलकत्ता-7 (अन्तरक)

2. श्री केदारनाथ शाह 16 राजन्द्र नाथ मल्लिक
स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
भास्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

करीब 846.5 स्कॉ० फुट कमाऊर स्पेस ग्राउन्ड फ्लौर
पर जो पि-3, मदन चट्ठर्जी लेन, कलकत्ता पर अवस्थित
है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-III कलकत्ता-16

दिनांक : 18-11-1978

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लक्कन्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 421/एकुरे III/78-79/कल०—आयुक्त मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सन्नप्राप्तिकारों को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27/1ई है तथा जो नयन चांद दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अनुरक्त (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुनसीलाल आप्रबाल, 160 महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-7। (अन्तरक)

2. श्री कान्तीलाल जगजीमन साराइया, एच० य० एफ०, 134/1, महात्मा गांधी रोड कलकत्ता-7। (अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिओद्धस्ताकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुवीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कंरीब 6 कट्टा 12 छटाक 32 स्को० फूट जमीन साथ उसपर बनाया चारतल्ला स्ट्रॉकचारस जो 27/1 ई, नयन चांद दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 18-11-1978।

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निवेदण सं० 423/एक्यू०रेजII/78-79/कल०—ग्रातः, मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 275 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर मदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पष्टारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अशित बरन दास चौधुरी और इयामाचरन दास चौधुरी— 128 ए, साउदार्न एवेन्यु, कलकत्ता-29 (अन्तरक)

2. श्री अशीम कुमार चट्टर्जी, 294, दमदम पाक, कलकत्ता-55 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 6 छटाक 20 स्को० फु० जमीन जो 275, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 का अंशविशेष है, और रेजिस्ट्रार अलिपुर सदर द्वारा रजिस्ट्रीफ्ल दलील सं० 1683/1978 के अनुसार है।

बास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54 रफीअहमद किदवई रोड
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 23-11-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III 54 रफीअहमद

किंवद्वारा रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 424/एकुरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी सं० 275 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड,
कलकत्ता-47 स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलि
सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

भौर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपादारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती तिला सोम 253/1, पुर्व मिठि रोड, कलकत्ता-
30

2. श्री श्यामाचरन वास्त्रौधुरी 128ए, साउदार्न एविन्यु
कलकत्ता-29
(अन्तरक)

1. श्री दीपक रायचौधुरी 5एच, उल्टाडांगा मेन रोड, कल-4

2. श्रीमती माया बनार्जी 272/2 श्याम नगर रोड, कलकत्ता-
55
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 5 छटाक 20 स्को० फुट० जमीन जो 275
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 का प्रांशविशेष है,
और रजिस्ट्रार, आलिपुर सदर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दस्तिल सं०
1765/1678 का अनुसार है।

भास्कर सेन,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54 रफीअहमद
किंवद्वारा रोड, कलकत्ता-16
तारीख 23-11-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 425/एकुरे:III/78-79/कलकत्ता—अतः मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० 275 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

- (1) अग्रिमवरन दास जीधुरी और श्यामाचरन दासजीधुरी 128 ए, साउदार्न एवेन्यु, कलकत्ता-29। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री असीम कुमार चटार्जी 294, दमदम पार्क, कलकत्ता-55
2. श्रीमती श्रावना बनार्जी 272/2, श्यामनगर रोड, कलकत्ता-55 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 6 छटाक 20 स्को० फु० जमीन जो 275 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47 का अंशविशेष है और रजिस्ट्रार, आलिपुर सदर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1691/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III 14 रफीअहमद
किल्वर्ह रोड कलकत्ता-16
तारीख 24-11-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घरा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 426/एक्युरे III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घरा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 275 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोग रोड, कलकत्ता-47 में स्थित है (आगे इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर बदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय प्राप्त कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घरा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती मन्जु पाल 66, बलनम भाई पटेल रोड टिटागर, 24 परगना।

(2) श्री श्यामाचरन दास चौधुरी 128ए, माउदार्न एमिन्यु कलकत्ता-29। (अन्तरक)

2. श्री कार्तिक बैद्य। (अन्तरिकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधान्य 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 6 छट्टा 20 स्को० फुट जमीन जो 275 नेताजी सुभाष चन्द्र बोग रोड, कलकत्ता 47 का अंगक्षिप्त है, और रेजिस्ट्रार, आलिपुर बदर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2712/1978 का अनुसार है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16
तारीख 23-11-1978
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54 रफी अहमद किदवर्ह रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 नवम्बर 1978

निदण सं० 427/एक्युरो० III/78-79/कल०—ग्रन्त: मुझे,
भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संख्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 179 बि० है तथा जो रमेश दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इसके उपावाह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्राह्मकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति।—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी. (अन्तरक)
2. श्रीमती आशदेभि मिटल स्वामी रमेश चन्द्र मिटल 5 बाबुलाल लेन, कलकत्ता (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सिये कायंवाहियां करता हूँ।
- उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदातारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रभुसूची

दोनल्ला मकान माथ 4 कठू 14 छटाक जमीन जो 179 बि०, रमेश दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन,

संख्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

54 रफी अहमद किदवर्ह रोड,
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 24-11-1978
मोहर :

प्रश्नप्राप्ति आई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 7 दिसंबर 1978

निदेश सं० 429/एसीक्य० आर०-III /78-79/कलकत्ता—
अतः मुझे, भास्कर सेन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० 7 है तथा जो हर चन्द्रा मलिक, स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्यामा पद चौधरी द्रस्टी (2) देवेन्द्र नाथ चौधुरी एस्टेट, 157, बी० के० पॉल एवेन्यु, कलकत्ता (अन्तरक)
2. सिंद्वा चक्रवर्ती, 12 हर चन्द्रा मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जारी नियंत्रणाविहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोगः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित में हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 और 2 बनजारा होल्म रास्ता नं० 1 हैदराबाद में बस्ती नं० 710 वर्ग यार्ड दस्तावेज नं० 1564/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

7 नं० हर चन्द्रा मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा, 2 छटाक 3 1/2 वर्ग फीट, जमीन पर मकान जो 1978 के डीड़ नं० 1793 के अनुमार रजिस्ट्री हुआ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
54, रफी एहमद किदवर्दी रोड,
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 7 दिसंबर 1978

निवेश सं० 430/एकू० रेंज-III/78-79—अतः मुझे,
भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 7 है तथा जो हर चंद्रमलिक स्ट्रेट, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-4-1978 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सुनील चन्द्र भौमिक, 6/10, काली चरण घोय,
रोड, कलकत्ता-50
(2) सुशील चन्द्र भौमिक, 38, लेक टेम्पल रोड, कलकत्ता-
29 (अन्तरक)

2. श्री सिंद्वा चक्रवर्ती, 12, हर चन्द्र मलिक स्ट्रीट
कलकत्ता-5 (अन्तरिती)

3. चरण दाम टेकमटाइल, माहा टैकटाइल, श्री धीरेन्द्र^१
लाल पोद्दार, श्री राम कृष्ण निटिंग मिल्स, मेसर्स पाईलट
होटली मिल्स एन्ड न्यू इन्डिया टेकमटाइल (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

7, हर चन्द्र मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 3 कट्टा 7
छटांक 35 वर्ग फिट जमीन पर मकान जो 1978 साल का
डीड नं० 2081 के अनुसार रजिस्ट्री दुश्मा ।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवर्झ रोड,
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 431/प्रकृते० III/78-79/कल—ग्रतः मुझे,
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिनकी सं० 20 हैं तथा जो मुरेन टेगोर रोड, कलकत्ता
स्थित हैं (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आंग्रेजी रूप से वर्णित
हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिगुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

18-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(पन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अत्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त पन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थीतः—

1. श्रीमती अन्पुर्ना चटार्जी भारकत मदन मोहन मुखर्जी
100/1 ए, सारपेनटाइन लेन, कलकत्ता-14 (अन्तरक)।

2. श्रीमती दिनी गुप्त पि० 508 केयातला रोड, कलकत्ता-
26 (अन्तरिति)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 7 छटाक 7 स्को०फुट जमीन साथ उसपर^र
बनाया आंशिक दो तल्ला और आंशिक तिनतल्ला मकान का
अविभक्त अधीश जो 20, मुरेन टेगोर रोड, कलकत्ता पर अवस्थित
है।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, III
54, रफी एहमद किदवर्दी रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 12-12-1978

दिनांक :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसंबर 1978

निर्देश मं० 432/एक्युरो० III / 78-79/कलकत्ता--अतः
मुझे, भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीष्म जिमकी मं० 20 है तथा जो मुरेन टेगोर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (ग्रीष्ममें उपावढ अनूमती में आरामदान से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनियुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-4-1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
वस्तु के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है ग्रीष्म अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या धन्य आरितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अछीत निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्रीमती अष्टपुर्णा चटर्जी C/o. मदन मोहन मुखार्जी
100/1ए, सारपेनटाइन लेन, कलकत्ता-14 (अन्तरक)
2. श्री पंकज चौधुरी बोर्ड कनाल रोड, पाटना, बिहार
(अंतरिती)

हो १३ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निविदा में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कटू 1 7 छटाक 7 स्कोयरफुट जमीन साथ उसपर¹
बनाया आंशिक दोतल्ला और आंशिक तिनतल्ला भकान का
अविभक्त अधिकांश जो 20 मुरेन टेगोर रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफी अहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 12-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त
269ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कामकाता, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० मि० 49 अर्जन रेंज IV/कल० 78-79—यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग 1-2-3-8 5, 6, 3/9803 तथा 20 है तथा
जो मौजा-हरिसादि, थाना-मालापुर, बर्धमान स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्राप्तिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपाधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री जोनेन्द्र नाथ चटर्जी, शीर्षोष्ठनचटर्जी श्री तरुण
कुमार चटर्जी तथा श्री निर्मल चन्द्र बट्टाचार्जी, मब के मब मेमर्स
एमोसियेटेड टिम्बार इन्डस्ट्रीज के पार्टनर्स (अन्तरक)

2. मेमर्स भारतिके मिकलम इन्डस्ट्रिज प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तण :—इसमें प्रथुन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 1, 2, 3, 4, 5 6, 3/1402 तथा 20, मौजा हरिसादि,
थाना मालापुर, जिना बर्धमान में स्थित 13 विधा 10 कटा
6 छटाक जमीन के सब कुछ तथा उम्पर तिर्मित मकानें और
श्रकचर्म, जैसे के दलिल सं० 2976 दि० 26-4-1978 में और
पुर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख 6-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० मी० एच० डी० 7/35/78-79—अतः मुझे
नत्यू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जायेदाद (मकान) नं० 6 सैकटर 21-ए, है तथा
जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख प्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के
प्रनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपलब्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री गुरुदीप गिहव श्री चरणजीत गिहपुत्र डा० जोध सिंह,
वासी 194 सैकटर 21-ए, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती मत्या देवी पन्नी श्री परमानन्द द्वारा श्री
परशीना गम, मधेश्वर अटारनी, 367, मोहल्ला सन्तोष पुरा,
जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

3. मैसर्ज अविनाश ट्रेनिंग कम्पनी 6, मैक्टर 21-ए,
चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिसूचना में सम्पत्ति है)

मैसर्ज अरेवियन गुलफ ट्रेइंग 6, मैक्टर 21-ए, चन्डीगढ़।
श्री दया कृष्ण महगल 6, मैक्टर 21-ए, चन्डीगढ़। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में राऊ भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 6 सैकटर 21-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख मंड्या 66/1 प्रप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज लुधियाना
तारीख : 14 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० (सी० एच० डी०/149/78-79—ग्रतः मुझे
नत्यू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 137, सैकटर 28-ए, है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख भई 1978

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हीरे किसी आय की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहतः:—

5—436G/178

1. मेजर जनरल लक्ष्मन मिह लेहल पुत्र श्री अमरसिंह
लेहल वासी बंगलो नं० 5, लोदी स्टेट, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री गुरदेव मिह गिल पुत्र दिल्लाग मिह पगिल व श्री,
संजीव गिल पुत्र श्री गुरदेव सिह गिल द्वारा श्री उमराओ सिह
अटारनी, वासी मकान नं० 111, सैकटर, 15-ए, चन्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

माकन नं० 137, सैकटर 28-ए, चन्डीगढ़

(जयेदाह जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय
के विलोक्य संख्या 185, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 14: दिसम्बर 1978

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० पंच टी०/139/78-79—अतः मुझे
नत्यू गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 33, मैक्टर 18-ए, है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 गा 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिहें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुशीलार्मित्र पत्नी श्री लक्ष्मी नारायण रिखी
वामी 18 लैहता मिह मारकिट, भिलकरगंज शिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमति तारा वत्ती पत्नी दाता राम कौणिर वामी मकान
नं० 33, मैक्टर 18-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परभावित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माकन नं० 33 मैक्टर 18-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेक्स मंजुरा 92/1 अप्रैल, 1978 म दर्ज हैं)

नत्यू राम

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नुधियाना

तारीख: 15 दिसम्बर 1978

मोहर:

प्रस्तुप्राई० ठी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज आयकर भवन

लुधियाना, दिसंबर 15 दिसंबर 1978

निर्देश सं० सी० आर० ठी० 127/78-79—ग्रन्त: मुझे
नत्यू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान ब० सी० ओ० नं० 118, सैकटर 28-डी०
है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (आँग इसमें उपबाह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय पर्याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई फिरी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

1. श्री लक्ष्मी कुमार पुत्र स्व० डा० मोहन लाल मिहंवारी
235, सैकटर 19-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. मर्वंश्री परिमल मिहंव देव राज पुत्र श्री गुन्दर मिहं
वारी 3260-सैकटर 27-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. मेसर्ज मोयल मिल स्टोर, बुध कम आफिस नं० 118,
सैकटर 28-डी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

मैमंज मारदा जनना माडन मुकुल, बुध कम आफिस नं०
118, सैकटर, 28-डी, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के प्रतीक्षित सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मवान बुध-कम आफिस नं० 118, सैकटर 28-डी, चन्डीगढ़।
(जायेवाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेव संख्या 29, अप्रैल, 1978 में दर्ज हैं)

नत्यू राम
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना
मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसंबर 1978

निदेश स० सी० एच० डी०/124/78-79—अतः मुझे
नथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जायेदाद (मकान) सं० 551, सैकटर 8 बी,
पलाट जिसका क्षेत्रफल 650 वर्ग गज है तथा जो
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पुर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री डी० सी० भारद्वाज लेवर अडवाईजर, 17, निसान
हटम, फरीदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री गम० के० अग्रवाल वकील व श्रीमति पृष्ठा गुप्ता
वासी मकान नं० 1159, सैकटर 8-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. 1. श्री विंग, 551, सैकटर 8-बी, चन्डीगढ़ 1

2. श्री करतार मिह, 551, सैकटर 8 बी, चन्डीगढ़ ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुमुक्षु

जायेदाद (मकान) सं० 551, सैकटर, 8-बी चन्डीगढ़ ।
(जायेदाद नैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय
के विनेक संख्या 10, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नथू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 दिसंबर 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निदेश सं० एन०बी०ए० 4/78-79—अतः मुझे नत्यु राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 विधा 18 विधाख
तथा जो गांव दुनड़ी, तहसील नाभा में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नामा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र श्री बली राम, वासी घोजिया स्ट्रीट,
नाभा, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. 1 व (2) सर्वश्री लाल चन्द व वेद प्रकाश पुत्र श्री दबारका
दाम, मारकत मैसज गोयल कलाथ हूँडम, मज्जी, मण्डी, नाभा,
3 व (4) सर्वश्री नौराता राम व नगपत राय पुत्र श्री हरि राम,
मारकत मैसज द्वारा का दाम हरि राम, भासबरियां बाजार,
नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 विधा 18 विधावा और जो गांव
दुनड़ी, तहहील नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या 117, अप्रैल 1978 में दर्ज है)

नत्यु राम
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना
तारीख 15 दिसम्बर 1978
मोहर:

प्रस्तुति प्राइंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन

तुंडियाना, दिसंबर 9 दिसंबर 1978

निदेश सं० पी० टी० ए०/४/७८-७९—अन्तः मुझे नत्यु राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल है तथा जो गांव गलहोरी तहसील पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथ पाया गया गति प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिवे।

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए के अनुमति में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ए की उपाधान (1) के अधीन निम्नलिखित वर्णनों, अर्थात् 1--

1. महारानी दलीप कीर विधवा महाराजा भुपिन्दर सिंह, वासीं कोठी लालबाग, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव गिह गरेवाल एण्ड कम्पनी, 23-ओ, माड़ल दाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)

1. गज्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,

2. हरदेव सिंह,

3. गुरबन्नम सिंह,

4. सुखबन्नम सिंह, व

5. चिनबन्न सिंह दामी गांव गलहोरी तहसील पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर पूछना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षेत्राक्षरी के पास लिखित में किये जा गए;

ल्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल है और जो गांव गलहोरी तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विनेक संख्या 231, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नत्यु राम
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, तुंडियाना

तारीख 9 दिसंबर 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1978

निवेदण मं० पी० टी० ए०/५/७८-७९—अतः मुझे नथु
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० भूमि जिसका खेतफल 31 गनाल 18 मरले
है तथा जो गांव गलहोरी, तहसील पटियाला में स्थित है (और
इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महारानी दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह,
वासी कोठी नाल बाग, पटियाला (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल एड कम्पनी, 23-बी, माड़ल
टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)

3. 1. गजजा सिंह पुत्र हरदित सिंह,

2. हरबन्स सिंह,

3. गुरबन्स सिंह,

4. सुखयन्स सिंह व

5. चितवन्त सिंह वासी गांव गलहोरी, तहसील पटियाला
(वह अधिकारी, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तहसील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका खेतफल 31 कनाल, 18 मरले हैं और जो
गांव गलहोरी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(अप्रेवास जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 301, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नथु राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 9 दिसम्बर 1978

मोदूर :

प्रलेप आई० टो० एन०एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, 13 दिसम्बर 1978

निवेदण सं० आर० ए० जे० /3/78-79—प्रतः मुझे नव्यूराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जायेदाद जिसका क्षेत्रफल 1329 वर्ग गज जिसका
नं० 34 व 40 है तथा जो इडस्ट्रीशल एरिया राजपुरा, जिला
पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णा
स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा
में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
शास्त्रिक रूप में सूचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व्य की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, धर्षति।—

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री वासदेव वासी 2951, टाउन
गिर राजपुर, जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. मैसर्ज इडस्ट्रीज क्वेलज (इंडिया) लि०, इडस्ट्रीशल
एरिया, राजपुरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के तीन पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित
में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्र
भायित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद जिसका क्षेत्रफल 1329 की गज है श्रीर जिसका
नं० 34 व 40 है जो इडस्ट्रीशल एरिया, राजपुरा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के
कार्यालय के विलेख संलग्न, 160, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नव्यूराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 13 दिसम्बर 1978
मोहूर :

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 13 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आर० ए० जे० /२/७८-७९—प्रतः मुझे
नन्धू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिख बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायेदाद जिसके पलाट का क्षेत्रफल 1288
वर्ग गज, नं० 34, है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा,
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने म
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व (1) की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-436GL/78

1. श्री राधे जाम पुत्र श्री बारु राम, 2836, टाऊनशिप,
राजपुरा जिला पटियाला (अन्तर्गत)
2. मैसर्जं इडस्ट्रीयल केवलम (इंडिया) लि० इन्डस्ट्रीयल
एरिया, राजपुरा जिला पटियाला। (अन्तर्गती)
3. 1. दी सीनियर सुपरिंजेट, पोस्ट ऑफिस, पटियाला
डिविजन, पटियाला।
2. मैसर्जं रामा बैकिंग व बाईर इन्डस्ट्रीज (प्र०) लि०
34 इंडस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. दी सब-पोस्ट मास्टर, 34-इंडस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोलिस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बांद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोद्दत्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।

सच्चाकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायेदाद नं० 34, इंडस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा जिसके पलाट
का क्षेत्रफल 1288 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के
कार्यालय के बिलेक्स संख्या 159 अप्रैल, 1978 में दर्ज है)

नन्धू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 13 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रायकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निवेश सं० एन० ढी० एच०/345/78-79—ग्रतः मुझे नव्यू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिलिंग 2-सी, टैक्सटाइल कलौनी, है तथा जो लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ्रॅक्चर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री विमल चन्द, दर्शन लाल, मोहिन्दर लाल, यश पाल, सुभाष चन्द पुत्र श्री सादी लाल जैन, वासी श्री०-5-1172 वेट गंज, लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैंसर्ज राजीव मैटल इन्डस्ट्रीज, 3-सी, टैक्सटाइल कलौनी, द्वारा श्री गोहिन्दर लाल सयान, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिलिंग 2-सी जिसका क्षेत्रफल 1059 वर्ग गज है और जो टैक्सटाइल कलौनी लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेव संख्या 342, अप्रैल, 1978 में दर्ज है)।

नव्यू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 दिसम्बर 1978।

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निदेश सं० एल० एन० एन० 25/78-79— प्रतः मुझे,
नन्हूं राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 7 मरले हैं तथा
जो खन्ना कलां, तहसील समराला में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बरिन्दर कुमार, भूपिन्दर लाल पुत्र श्री भगवान दास
वासी खन्ना कलां, तहसील समराला। (अन्तरक)

2. श्रीमती रक्षा वती पुत्री राम भज मारफत मैसजं राकेश
कुमार राजेश कुमार, कलाथ मैटेस, मुभाप बाजार खन्ना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1नाल 7 मरले हैं और जो खन्ना कलां
तहसील समराला में स्थित है।

(जायेदाव जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के कार्यालय
के विलेख संख्या 74, अप्रैल 1978 में दर्ज है)

नन्हूं राम,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 दिसम्बर 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निवेश सं० के० एन० एन० /26/78-79—अतः मुझे
नत्यू राम,
आयकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रतीन सम्बन्धी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 6 मरले हैं तथा
जो खन्ना कलां, तहसील समराला में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा॒ अधिकारी
के कार्यालय खन्ना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम द्वारा अधीन कर देने के अन्तरक के
नायित्व में कमी करो या उससे बचने में सुविधा
की लिए; पौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलवन्त राय, मोहर लाल पुत्र श्री भगवान दास,
खन्ना कलां, तहसील समराला। (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र रामजी दास व श्री राजेश कुमार
पुत्र मोहन लाल मारकत मैमर्ज राकेश कुमार, राजेश कुमार,
कलाय मरचैटम, सुमाप बाजार खन्ना, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए रायबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

उपषोक्तरणः—इसे प्रयुक्त यद्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में अरिभापित
हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 6 मरले हैं और जो खन्ना
कलां, तहसील समराला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीर्टा॒ अधिकारी, खन्ना के कार्यालय
के विलेख संलग्न 75, अप्रैल, 1978 म दर्ज है)

नत्यू राम,
सम्बन्धी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 दिसम्बर 1978।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एम०--
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रामकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निदश सं० एस०ओ०एल०/9/78-79—अतः मुझे, नन्दु राम,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० तीन मंजिल मकान जो ('किशोर भवन') के नाम
से जान जाता है तथा जो गांव सफरन, तहसील व जिला सोलन
में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(न) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रामकर अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
प्रश्नोन्न निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री नन्द किशोर, कृष्ण किशोर, चन्द्र किशोर अ
ललीत किशोर पुत्र श्रीदुर्गा नन्द वासी गांव (सपरुन) घाटी
तहसील व जिला सोलन द्वारा श्री दुर्गनन्द पुत्र धनी राम
वासी गांव घाटी, तहसील व जिला सोलन। (अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र नायर पुत्र श्री दिवान गोपाल दाम
नायर, जोश्वर इंस्ट्रक्टर एनिमल हैमोन्डरी, हिमाचल प्रदेश
(रिटायर) शिमला। (अस्तरिती)

1. श्री राकेश गुप्ता, कलर्क, स्टेट बैंक आफ पटियाला,
2. श्री चरनजी लाल मकनीह, जावा मोटर बंकेशप
चम्बाघाट।
3. श्री कौशिक गर्जा, कलर्क, अड्डाइजल आफिस, सोलन,
4. श्री अर्णोक कुमार गर्जा, कलर्क, बी० ई० डी० टरेनिंग
कालेज, सोलन,
5. जिला मर्मांग आफिसर डी० सी० आफिस सोलन,
6. श्री जे० किशन, मुन्ही, मौद्रिगिल, बकील,
7. श्री बलबीर शर्मा इन्स्टैक्टर, आई० टी० आई०,
8. श्री एस० एस० सैनी, डिप्टी, इंजिनियर, पर्याकलचर
कालेज, सोलन,
9. श्री नारायण दत्त शर्मा, कलर्क, एस० पी० अफिस,
सोलन,
10. श्री दिक्षीत, ड्राफ्टमैन, आई० टी० आई० सोलन
वासी, 'किशोर भवन' गांव सपरुन, तहसील व जिला सोलन
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूची जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति न ग्राहीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिल मकान जो 'किशोर भवन' के नाम से जाना
जाता है और जो गांव सपरुन, तहसील व जिला सोलन में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख संख्या 135, जून, 1978 में दर्ज है)

नन्दु राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, नुदियाना

नुदियाना, दिनांक 15 दिसंबर 1978

निवेश सं० एम०एम०एल०/61/78-79—अतः मुझे नथ्यू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है
और जिसकी सं० जायेदाद जो नयू लैण्डज, सर्कूलर रोड़, है तथा
जो छोटा शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के शायदिय में कभी
करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपस्थाना
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

1. श्री राजिन्दर सिंह पूत्र श्री गमसीर सिंह, नयू लैण्डज,
छोटा शिमला अब वासी औकलैण्ड बिल्लय-2, दारजिंग (प०
बंगाल) (अन्तरक)

2. श्रीमती पूष्पा परिरचा पत्नी मनमोहन परिरचा वासी
नयू लैण्ड इस्टेट, सर्कूलर रोड़, छोटा शिमला। (अन्तरिती)

3. श्रीमती मनमोहन परिरचा वासी नयू लैण्डज इस्टेट,
सर्कूलर रोड़, शिमला। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किमी व्यक्ति द्वारा ;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायेदाद जो नयू लैण्डज इस्टेट, सर्कूलर रोड़ शिमला में
स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के
कार्यालय के विलेख संख्या 429, जून 1978 में दर्ज है)

नथ्यू राम
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नुदियाना

तारीख : 15 प्रक्तुबर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रायकर भवन

लुधियाना, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निदेश सं० एन० बी० ए०, /16/78-79—अतः मुझे
नत्यू राम,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभापत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये ने अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 15 मरले
है तथा जो रणजीत नगर, सर्कूलर रोड, नाभा में स्थित है (और
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपासे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित वर्णनियों, प्रवार्ता:—

1. श्री हरबन्स मिह पुत्र श्री शाम सिंह, बासी नाभा।
(अन्तरक)

2. मैसर्ज हिमलोक राईम व जनरल मिलज, रनजीत नगर,
सर्कूलर रोड, नाभा, 2. श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री बलदेव कुण्ठ,
3. श्री विनोद कुमार पुत्र श्री मुन्ना, लाल, 4. श्रीमति सवित्रि
देवी पत्नी श्री बलदेव कुण्ठ, 5. श्रीमती मूरती देवी, पत्नी श्री
मुन्ना लाल, सारे पार्टनर मैसर्ज हिमलोक राईम व जनरल मिलज,
नाभा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संति के मूर्जन के बंबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

३. नुस्खा

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 15 मरले हैं और जो रणजीत
नगर, सर्कूलर रोड, नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या 221, मई, 1978 में दर्ज है।)

नत्यू राम
सक्षम अधिकारी
सदायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22 दिसम्बर 1978

मोहर:

प्रस्तुप ग्राह्य दौ० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 22 दिसंबर 1978

निवेश सं० एम० बी० प०/19/78-79—अतः मुझे
नत्यू राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 18 मरले
है तथा जो रणजीत नगर सर्कूलर रोड, नाभा में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है, और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण में
लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरेन्द्र सिंह पुत्र शाम सिंह श्रीमति बलवन्त कौर
श्रीमति जयमेन कौर, श्रीमति मुरजीत कौर पुत्रीयां श्रीमति
लक्ष्मन कौर पत्नी श्री शाम सिंह बामी नाभा। (अन्तरक)

2. मैमर्ज हिमलोक राईस व जनरल मिलज, रणजीत नगर,
सर्कूलर रोड, नाभा, श्री ओम प्रकाश पुत्र बलदेव कृष्ण, श्री
विनोद कुमार पुत्र श्री मुन्ना लाल, श्रीमति मविति देवी पत्नी बलदेव
कृष्ण, श्रीमति मुरली देवी पत्नी श्री मुन्ना लाल गरे पाठनर
मैमर्ज हिमलोक राईस व जनरल मिलज, नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 18 मरले हैं और जो रणजीत
नगर सर्कूलर रोड, नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या 267, मई, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22 दिसंबर 1978।

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रज्ञन रेंज, श्रायकर भवन, लृधियाना
लृधियाना, विनांक 22 दिसम्बर 1978

निदेश मं० एन० बी० ए०/20/78-79—अतः मुझे, नत्यू
राम,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 कनाल 15 मरले हैं
तथा जो रणजीत नगर, सकूलर रोड, नाभा में स्थित है (और
इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासितयों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरबन्स सिंह पुन्न श्री शाम सिंह बासी नाभा।

(अन्तरक)

2. 1. मैसर्ज हिमलोक राईस व जनश्ल मिलज, रणजीत
नगर, सकूलर रोड, नाभा (2) श्री ओम
प्रकाश पुन्न श्री बलदेव कुण्ठ, 3. श्री विनोद कुमार पूत्र श्री मुमना
लाल, 4. श्रीमति सवित्रि देवी पत्नी श्री बलदेव कुण्ठ, 5
श्रीमति मुरती देवी पत्नी श्री मुमना लाल सारे पाठ्नर मैसर्ज
हिमलोक गाईम व जनश्ल मिलज, नाभा, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के मात्रान्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 15 मरले हैं और जो
रणजीत नगर सकूलर रोड नाभा में स्थित है।

(जोयदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के
कार्यालय के विलेख संख्या 268 मई, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम,
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेंज लुधियाना

तारीख 22 दिसम्बर 1978
मोक्ष

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 दिसंबर 1978

निवेश सं० एम० एन० जी०/७५/७८-७९—अस्त: मुझे
नत्थू राम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 विश्वा 6 विश्वा
17 विश्वासी है तथा जो गांव अकोई, तहसील संग्रह में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संग्रह
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, धा.
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के
अनुसरण में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की
इप्रधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविवार्यों, अर्थात् ।—

1. राम दाम पुत्र श्री झुन्हन लाल बासी अम्बाला शहर द्वारा
के लिए श्रीमति दर्शन कौर पत्नी सतिल्दर सिंह बासी अकोई साहिब,
तहसील संग्रहर (अन्तरक)

2. गुरुबक्ष मिह, लाभ मिह, जरनैल मिह, शेर मिह, कौर
मिह, नच्छतर मिह पुत्र रघुबीर मिह, मोहन मिह देव मिह, लाभ
मिह, कौर मिह, पुत्र श्री भाग मिह, भाग सिह, दलवारा मिह,
पुत्र तेजा सिह, कौर सिह, नरमजन मिह पुत्र गुरुबक्षन मिह, सारे
बासी बन्धावाली, कमला देवी पत्नी कौर मिह, केशरी देवी
पत्नी शाम लाल. संग्रहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी अविक्षियों पर
दूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षि
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधोहस्ताभारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 विश्वा 6 विश्वा 17 विश्वासी
है और जो गांव अकोई साहिब, त० संग्रहर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संग्रहर के
कार्यालय के विलेख संख्या 1005, जून, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 दिसंबर 1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी० एन० एस०—
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निवेश सं० एलडीएच/84/78-79—ग्राम्य ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि द्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 विधा 2 विश्वास 19 शिवास है तथा जो गांव अकोई साहित्य-तहसील संगठर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगठर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की जपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधिकृत :—

1. राम दाम पुत्र श्री नुस्तन लाल वासी अम्बाला याहर दारा के निः श्रीमती दर्गन कौरपत्नी मतिन्द्र मिहगांव ग्राम्यकर (प्रत्यक्षित तहसील संगठर)

2. गुरबहान मिह, लाम मिह, जारीन मिह, गोरनिह, कौर मिह, नवउत्तर मिह पुत्र श्री रघुरीर मिह, सोइर मिह, देव मिह, लाम मिह, कौर मिह पुत्र भाग मिह, भाग मिह, दनवारा मिह, पुत्र तेज मिह, कौर मिह, नवउत्तर मिह पुत्र गुरबहान मिह मारे वासी बागावली सुरिन्दर कुवार पुत्र कौर में श्रमूत लाल रुव शाम लाल, संगठर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करने पूर्वी सम्भाल के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करना है।

उक्त सम्भाल के प्रबंधन के संबंध में काई भी माने :—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसंबंधी अधिकारी पर सूचना की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भोत्र दूर्जन्त अधिकारी में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त समाझर सम्भाल में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा प्रश्नोद्दत्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित हैं, वही अवृंदाग, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

प्रमुख

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 विधा 2 विश्वासी है और जो जो गांव अकोई, तहसील संगठर में स्थित है।

(जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगठर के कार्यालय के विनेश्व संख्या 873, जून, 1978 में दर्ज है)।

नव्यु राम,
संकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 22 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एम०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० चन्डी० /152/78-79—ग्रन्ति: मुझे नत्यू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिमकी सं० मकान नं० 3194, पलाट नं० 8-बी०, सैकटर 21-डी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आँग मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बताने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कमी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रन्ति: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति माया वत्ती पत्नी स्व० वावा गन्डा सिंह भलता, वासी मकान नं० 3194 सैकटर 21-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमति मरस्वती देवी पत्नी श्री रत्न लाल, वासी मकान नं० 3300 सैकटर 21, डी०, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

1. 1. श्री शिवराज सिंह, 2. श्री एस० डी० पेशावर, वासी मकान नं० 3194 सैकटर 21-डी० चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर संचन। की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्री के पास निविल में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

मकान नं० 3194 सैकटर 21-डी० चन्डीगढ़

(जायदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्सी, अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के खिलेख मंड्या 205, मई 1978 में वर्ज है)

नत्यू राम

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 22 दिसम्बर 1978।
मोहर।

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश मं०एलडीएच 4/68/78-79--अतः मुझे नरथु राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मात्रा मात्रानं० 54-डी० मरामा नगर लुधियाना है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इसमें उगावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरु प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया। यह प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से कुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी धारा किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्चातः:—

1. श्रीमती हरमिन्दर कौर संघेड़ा पत्नी श्री गुरनाम सिंह, 2 भारतीय गरोव अलरटन बराड़कोड बैस्ट यारकसारियार (यू० के०) द्वारा श्री धर्म सिंह दयाल पुत्र श्री वसन्त सिंह वासी 25-बी करतार सिंह मरामा नगर, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री भूमिन्दर सिंह धिन्ड पुत्र शिवदित सिंह धिन्ड 617 एल० माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अत्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मात्रा न० 54 डी०, मरामा नगर लुधियाना

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलोक्त संख्या 1990 अगस्त 1978 में वर्ज है)

नरथु राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 22 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 22 दिसंबर 1978

निदेश सं० Ldh/U 85/78-79—ग्रतः मुझे नव्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और जिसकी सं० 27-आर० इन्डस्ट्रीयल एरीया वी है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास नहीं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देसे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
मोर्या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) अन्तोन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री अमरीक मिह पुत्र श्री करम चन्द 18, नयू माडल टाउन
लुधियाना
(अन्तरक)

2. स: हरजीत सिंह मार्फत हरजीत एन्ड कं०, गिल रोड,
लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनूसूची

बिलडिनग नं० 27-आर, इन्डस्ट्रीयल एरीया वी, लुधियाना (जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी (अधीन, लुधियाना के विलेख नं० 505 मई 1978 में दर्ज है)।

नव्य राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 22 दिसंबर 1978

मोहर :

प्रलेप प्राई. टी. एम. एस.—

अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंशायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

लुधियाना, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निदण मं० /55/77-78—ग्रतः मुझे, नथू राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको कैसलिनी एस्टेट कहते हैं तथा जो तारीखेवी में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तुमूच्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरिक की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्षत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिकी (अस्तरिकियों) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्जूतः—

1. श्रीमती सैमलिया गरटरड मैरी हाल चैपसली, शिमला। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती प्रमिन्द्र कौर पत्नी स० नरिन्द्र सिंह
(2) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र श्री जी एम० अटवाल कैसलिनी एस्टेट, तारादेवी (शिमला)। (अन्तरिती)

3. 1. श्रीमती परमिन्द्र सिंह 2. श्री नरिन्द्र सिंह कैसलिनी एस्टेट, तारादेवी (शिमला)। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसे कैसलिनी एस्टेट तारादेवी के नाम से जाना जाता है।

(जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम शिमला के विलेख नं० 245, अप्रैल 1978 में दर्ज है)।

नथू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22 दिसम्बर 1978
मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1979

मं० ए० पी० 1860—यतः, मुझे बी० एम० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है। तथा जो माडल टाउन
जालन्धर में स्थित है (और इस से उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

1. श्री साधू सिंह पुत्र चेदा सिंह,
गांव परमगंगापुर, तहिसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवती प्रशांत आई० ए० एम०
पुत्र पाखर राम
मकान नं० ई० एस० 605, प्रदादपुरा,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के माध्यम 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट 2 कनाल 1 मरला जो माडल टाउन जालन्धर के
नजदीक है जैसा कि विलेख नं० 575, मई 1978 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 9-1-1979

मोहूँ :

प्रकृत प्राई. टी.एस. एस.—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1979

निदेश सं. ए० पी० 1861—ग्राम, मुमे, बी० ए० म०
दहिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269म
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोता
सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुमे भद्र विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावजूद, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी धाय वा किसी धन या अन्य प्राप्तियों की,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269म की उपभारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8-436GI/78

1. श्री शेर जंग बहादुर उहरी पुत्र गुरचरन दास
एस-एस. जी० पटियाला
खुद वह मुख्तार आम सत्यावती उहरी
पत्नी गुरचरन दास, परवीन उहरी
पुत्री गुरचरन दास
सशी पत्नी जे० एस० जलका
और सूरत बोहरी पत्नी सुभाश बोहरी
मुख्तार आम किदार नाथ, हेम राज, केवल कुण्ठ,
दर्शन राम संदेश कुमार पुत्र शर्न दास
कलाशवती और अमृत प्यारी पुत्री सरन दास
(अन्तरक)

2. श्रीमती मनजीत कीर पत्नी शिव चरण सिंह,
418/प्राम, माडल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरिक्षी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिकार
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को पृष्ठ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रक्रिया या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रक्रिया, जो भी प्रक्रिया भाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास निखिल
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है जैसा कि
विलेख नं० 858 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 9-1-1979

भोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ए० पी० 1863—यतः, मुझे, बी० एम० वद्याहा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269च के
अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोना मिहू
नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिपात
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में सूई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौढ़ा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
बारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की ओरा 269च के अनुसरण में,
म, उक्त अधिनियम की ओरा 269च की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शेर जंगबहादुर ओहरी पुत्र गुरुचरन दास
एम० एस० पी०, पटियाला । (अन्तरक)
2. श्री शिव चरन सिंह छिलों पुत्र बलवन्त सिंह
418-आर, माडल टाऊन,
जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोनुस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाइ
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोनुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्लाट नं० 749 जो मोटा सिंह नगर जालन्धर
में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 860 मई, 1978 को रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

ए० एम० इहिया
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-1-1979।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1979

मं० ए० पी० नं० 1862—यतः मुझे बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता मिहू
नगर जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शेर जंगबहादुर ओहरी पुत्र गुरचरन दाम
गंगा० पी० पी०, पटियाला आदि।

(अन्तरक)

2. श्री शिवचंद्र मिहू दिलों पुत्र बलवंत मिहू,
418-आर०, माडल टाउन, जलन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

1/2 प्लाट जो मोता मिहू नगर में स्थित है जैसा कि विलेख
नं० 859 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में
लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 9-1-1979।

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जनवरी, 1978

सं० ए० पी० नं० 1864—यतः, मुझे बी० ए० म० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव खुरद
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वेश्वी अमर चन्द्र पुत्र चरंजी लाल पुत्र रघूपतराय,
अमरो रानी पत्नी, दरशनां रानी,
कृष्ण रानी पुत्रियां चरंजी लाल
ककड़; पिंड, तहसील जलन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री शिगारा सिंह पुत्र रतन सिंह
कोट खुरद।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव खुरद में स्थित है। जैसा कि विलेख
नं० 599 मई 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में
लिखा है।

बी० ए० म० दहिया,
सधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख: 9-1-1979।

मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जनवरी, 1979

सं० ए० पी० न० 1865—यतः, मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो ढोली के सुन्दर
पुर जलन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विभिन्न में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री उजागर सिंह पुत्र जीवा मिह,

गांव ढोलीके, सुन्दर पुर

तहसील जलन्धर :

(अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल मिह व पाल मिह,

पुत्रान उजागर मिह

गांव ढोलीके, सुन्दर पुर।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैमा कि नं० 2 में है।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहती
रहता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लाईकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव ढोलीके, सुन्दर पुर में स्थित है जैमा कि
बिलेख नं० 1137 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जलन्धर में लिखा है।

ह/-

बी० एम० दहिया
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख : 9-1-1979

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, प्रायकर आयकर अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1979

मं० ए० पी० नं० 1866—यतः मुझे बी० एम० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन प्रकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है नथा जो जमीन
ललियां खुगद में स्थित हैं (और इसमें उपावड अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित हैं). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, नारीख मई, 1978। को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कणित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं
अन्तरीक्ष धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, इषपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के ममूसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वति—।—

1. श्री शमर मिह पुत्र द्वजरा मिह
गांव ललियां खुरद नहरीन जलन्धर।

(प्रत्यक्ष)

2. मर्वश्री जगजीन मिह, मुक्तार मिह व ममा मिह,
पुत्रांन मिलावा मिह पुत्र वीर
ललियां खुरद, नहरीन जलन्धर।

(प्रत्यक्षिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिसोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भा ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी शक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

दबावीकरणः——इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 31 कनाल, 7 मरले जो गांव ललियां खुरद में है
जैसा कि विलेख मं० 746 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जलन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया
सकाम प्रधिकारी,
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जलन्धर।

नारीख : 9-1-79
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 फ्रिसम्वर 1978

सं० ए०ए०डम०आर० 78-79/89—यतः मुझे, एन० पी०
साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 (हस्मा मकान नं० 4864 है तथा जो
जी० टी० रोड, पृतलीघर, अमृतसर में स्थित है (ओर इसमें
उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नामीव अप्रैल, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का प्रन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवत्ति:—

1. श्री अमरजीन मिह पुन्र हरदयाल सिंह
जी० टी० रोड, आवादी अमर कोट,
अमृतसर।
(अन्तरक)
2. मैसर्ज वुड लैडर्ज वर्क्स,
पृतलीघर, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि अपर नं० 2 में और कोई किसायेदाय होतो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति संपत्ति में रचन रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जातता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 4864 जी० टी० रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर, रजिस्ट्री नं०
380/अप्रैल, 1978 में दर्ज है।

एन० पी० साहनी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 12-12-78

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 दिसम्बर 1978

सं० ए०एस०आर०/78-79/90—यतः मुझे, एन० पी०
साहनी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० 4864 है तथा जी० टी०
रोड अमृतसर है तथा जो जी० टी० रोड, पुतलीघर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरजीत सिंह पुत हरवयाल सिंह,
जी० टी० रोड, आनन्दी अमर कोट,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्ज वुड लैडर्ज वर्क्स
पुतलीघर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में वाचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अषोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाव या समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
फिरो अन्य व्यक्ति द्वारा अषोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें ।

स्वाक्षोक्तण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० 4864 जी० टी० रोड, अमृतसर,
जैसा कि रजिस्ट्री गर्ता अधिकारी, अमृतसर शहर के रजिस्ट्री
नं० 404 आफ मई, 1978 में दर्ज है ।

एन० पी० साहनी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 12-12-1978

मोहर:

प्रश्नप्राईं ८० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 दिसंबर 1978

सं० ए०एस०आर०/७८-७९/१—यतः, मुझे एन० पी०

साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दो सेड नं० 102/2 मिन राम तीर्थ रोड है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; भौद्र/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्हात्:—

9—436GI/78

1. मेसर्जं स्वर्ण बीविंग फैक्टरी
राम तीर्थ रोड, और
मद्रन जीत, चांद प्रकाश पुत्रगन
श्री मुन्शी राम हिस्सेदार अमृतसर।

(अन्तरक)

2. सर्वथी पश्चालाल कृष्णगोपाल द्वारा
श्री भोला नाथ हिस्सेदार,
बाजार काठिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (यदि कोई किरायदार हो तो)
वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस समाजिति में द्वचि रव्रता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अशोद्दस्तान्तरो
जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्दस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग दो सेड नं० 102/2 मिन राम तीर्थ रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीक्रित नं० 383, अप्रैल, 1978 आदि रजिस्ट्री
प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

रु/-

एन० पी० साहनी
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख :

मोहर : 12-12-78

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृत सर, दिनांक 3 जनवरी, 1979

मं. प्र० प्र० प्र० ०/८०/८०/८०/८०/१०६/—यतः, मुझे एम०
एल० महाजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो जमीन का टुकड़ा जो कि तुंग बाला
अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अप्रियतयों अर्थात् :—

1. श्री नवीन कुमार पुत्र गम प्रकाश
कोठी नं० 7, दुनी चन्द रोड, अमृतसर।
(अन्तरिक)
2. श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी श्री रनबीर सिंह
श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी जसबीर सिंह,
मजीठा रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख सम्बोधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 1242 गज जो कि तुंग बाला मजीठ
रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डील नं० 559 मई, 1978
आफ रजिस्ट्री अथारिटी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।
तारीख : 3-1-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए०ए०आर० १९७८-७९/१०९—यतः, मुझे एम०एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० प्लाट गुरुत्वानक है जो बाड़ा नियर खालसा कालेज अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातंशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रातंशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्लेम, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुचरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्रीमती राज रानी पत्नी श्री शोम देव रंनू निहंगा
पुली घर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैं जनता कोआपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड
गुरु नानक बाड़ा, नियर खालसा कालेज,
अमृतसर,

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायादार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 561 इस्केयर मीटर, गुरु नानक बाड़ा, और खालसा कालेज के पीछे जैसा कि रजिस्ट्रीक्युलेशन नं० 418 मई, 1978 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 8-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जनवरी 1978

सं० ए०ए०आ०ग्रा०/78-79/110—यतः, मुझे एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट आफ लैण्ड है, जो गुरु नानक बाड़ा पुतलीघर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी लेख सिंह बरखा निहंगा, प्रो० खालसा कालेज, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मै० जनता कोप्रेटिव सोसायटी लिमिटेड, गुरु नानक बाड़ा, नियर खालसा कालेज, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है। यदि कोई व्यक्ति किराये दार हो तो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 561 इक्केपर मीटर गुरु नानक बाड़ा, पिछो पासे खालसा कालेज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 501 मई, 1978 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर म है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 8-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१९२/गो/७८-७९/२४६०-६१—अतः मुझे एस०

मजुमदार

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 214, पत्ता सं० 19, मौजा बेलटोला गौहाटी, कामरूप जिला है तथा जो रुकमिनी गांव में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आर पूणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अग्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

1. श्री दुर्गेश्वार दास, आलुकबाड़ी, गौहाटी
(अन्तरक)

2. मैं० ईस्टरन टिं० ओकर्स (पी०) लिमिटेड,
जिं० एन० बरदोलाई गोड़,
गौहाटी ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्मवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 2 (दुई) बिंधा, 1 (एक) काता 8 (आठ) लेचा जो कि रुकमिनी गांव, बेलटोला मौजा गौहाटी कामरूप जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

(एम० मजुमदार)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 6-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं० ए०-२००/००/७८-७९/६२८६-९१—अतः, मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग लं० 1171, और के० पी० पट्टा नं० 844 है तथा जो हेम बरुआ मार्ग बाँड़ नं० 19 डी० फैन्सी बाजार, गौहाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-४-१९७८

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शिव भगवान काखोलिया,
परिवार का कर्ता, 10 माईल कालिंगपंग,
प० कालिंगपंग, दार्जिलिंग, प० बंगाल।
(अन्तरक)

2. श्री राम गोपाला काखोलिया, गौरी शंकर काखोलिया,
10 माईल कालिंगपंग प० कालिंगपंग दार्जिलिंग,
प० बंगाल। (अन्तरिती)

3. श्री भूवनेश्वर काखोलिया, 10 माईल कालिंगपंग प० कालिंगपंग दार्जिलिंग प० बंगाल।

4. श्रीमती भावरी देवी काखोलिया पत्नी स्व० रंगलाल फैन्सी बाजार,

गौहाटी।
श्री नन्द किशोर लोहिया, श्री धमुनलाल लोहिया का पुत्र हैवर गांव, नवगाव।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबुद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2.8/9 लसा मकान के साथ जो हेम बरुआ मार्ग, फैन्सी बाजार, गौहाटी, कामरूप जिला असम में स्थित है।

(राजेन्द्र नाथ बरा)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 16-12-1978।

मोहर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 दिसंबर 1978

सं० ए०-२०१/गृ/७८-७९/६२९६-३०३—अतः मुझे राजेन्द्र

नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिभकी सं० दाग नं० 1171 और के० पी० पट्टा नं०
तथा जो हेम बल्ला मार्ग, वार्ष नं० 19 फैसी बाजार, गौहाटी
में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18
अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्वय प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा याग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अ। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के प्रन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपनारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री सीताराम काखोलिया, श्री धन राज काखोलिया
के पुत्र, परिवार का कर्ता।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री धनश्याम, सुधीर कुमार, सुशील कुमार
(अन्तरिती)

सर्वश्री सुशील कुमार और सुबोध कुमार काखोलिया,
20 भील, कालिमपोंग, प०० कालिमपोंग,
जिला दार्जिलिंग, प० बंगला।

4. श्रीमती भवरी देवी काखोलिया, स्व० रंगलाल
काखोलिया की पत्नी,
फैसी बाजार, गौहाटी।
श्री नन्द किशोर लोहिया, श्री युमना लाल लोहिया के
पुत्र, हैवर गांव नवगांग।

(यह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आङ्गेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2.8/9 लसा मकान के साथ जो हेम¹
बल्ला मार्ग, फैसी बाजार गौहाटी, कामरूप जिला असम में
स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 16-12-1978।

मोहर :

प्रसूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

सं. ए०-202/गु०/78-79/6308-6310—अतः मुझे,
राजेन्द्र नाथ बरा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं. दाग नं. 1171 और के० पी० नं. 455 है,
तथा जो हेम बरामा मार्ग, बाँड नं. 19, फैन्सी बाजार, गौहाटी
में स्थित है (और इससे उपांचढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18 अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अस्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269ब
की उपधारा (I) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

1. श्री धनराज काखोलिया, स्व० सूर्य मल काखोलिया
के पुत्र
कालिंग पांग, दार्जिलिंग, पं० बंगाल।
(अन्तरक)

2. श्रीमती भवरी देवी काखोलिया,
स्व० रंगलाल काखोलिया की पत्नी।
श्री नन्द किशोर लोहिया, हैदरगांव,
नवगांव।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अस्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वहीं पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जमीन का माप 2.8/9 लसा मकान के साथ जो
हेम बरामा मार्ग, फैन्सी बाजार, गौहाटी, कामरूप जिला आसाम
में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 16-1-1978।

मोहर :

प्रख्यात श्री ० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 1 जनवरी 1979

निदेश सं० ए० 203/गो०/78-79/6422—अतः, मुझे राजेन्द्र नाथ बरा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वाग सं० 311 और के० पी० पट्टा सं० 25 है तथा जो हातीं गांव, मौजा बेल तोला गौहाटी में स्थित है (अंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :—

10—436GI/78

1. श्री कहगा बरुआ, (2) जदू श्री कान्त बरुआ
- (3) श्री रजनी कान्त बरुआ, और
- (4) श्री चन्द्र कान्त बरुआ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधवी दास, श्री धर्मा नन्द दास की पत्नी।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजन्त के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संगति के अजन्त के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वदृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माय 3 (तीन) बीघा जो हातीं गांव, मौजा बेल तोला, गौहाटी, जिला कमरून, आसाम में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग
शिलांग, दिनांक 1 जनवरी 1979

सं० ए०-२०४/गो०/७८-७९/६४२७—प्रतः, मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दागा सं० 594, को० पी० पट्टा सं० 338 है, तथा जो न्यू टाउन उल्लूबारी मौजा उल्लू बारी, गोहाटी, कामरूप में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अप्रैल, 1978 को

पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा जो न्यू टाउन उल्लूबारी, मौजा उल्लू बारी, गोहाटी, जिला कामरूप, आसाम में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्या :—

| | |
|---|------------|
| 1. डा० सरेत चन्द्र मोरल | (प्रत्सरक) |
| 2. श्रीमती सुचारीता पाल, श्री सुरेश चन्द्र पाल की पत्नी। | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 1-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निवेश सं० 111-289/अर्जन/78-79:—आतः मुझे एम० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1522 खाता नं० 631 है, तथा जो तौजी नंबर 5505, थाना नं० 2 पं० एस० (दीवा) पुराना, स्थान मैनपुरा दीवा (पुराना) वन्नभान पाटली पुत्रा कालीनी, पटना, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की घावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

1. (1) श्री धनराज प्रसाद सुपुत्र श्री रामेश्वर लाल
- (2) श्रीमती आनन्दी देवी, पति श्री रामेश्वर लाल निवासी बाकरगंज, बलदली रोड, थाना कदमकुंडा जिला पटना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शिव प्रकाश वंसल, पिता सुरेश कुमार और प्रीति अनिल कुमार वंसल (नाबालिक)
- (2) श्रीमती शशि वंसल पति श्री मदन लाल वंसल
- (3) श्रीमती नीना वंसल पति श्री बासुदेव वंसल
- (4) श्रीमती शकुन्तला देवी वंसल पति श्री बलदेव कृष्ण वंसल, लक्ष्मी भवन, पाटली पुत्र, कालोनी, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरारी जमीन जिस का रकवा 15 डीज़मल जिसका प्लाट नंबर 1522, खाता नंबर 631, तौजी नंबर, 5505 थाना नंबर 2 दीवा (पुराना) जो मैनपुरा दीवा (पुराना) वर्तमान पाटलीपुत्रा कालीनी, तथा म्युनिसिपल कार्पोरेशन पटना के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2137 दिनांक 11-4-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिश्वत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 23-11-78

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निवेश सं० 111-290/अर्जन/78-79—अतः मुझे, एम०
एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, मह विष्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी पं० प्लाट न० 1522, खाता न० 631 है तथा जो तौजी नम्बर, 5505 धाना नम्बर, 2 फी० एम० दीधा (पुराना) स्थान में पुरा दीधा (पुराना) वर्तमान पाटली पुक्ता कालोनी, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-4-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रविन्द्र प्रसाद सुपुत्र श्री जवाहर लाल
(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री जवाहरलाल
निवासी बाकरगंज, दलदली रोड, धाना कदमकुंआ
जिला पटना।
(अन्तरक)

2. (1) श्री शिव प्रकाश बंशल, पिता सुरेश कुमार और
अनिल कुमार बंशल (नाबालिंग)
(2) श्रीमती शशि बंशल पत्नि श्री मदन लाल बंशल
(3) श्रीमती नीना बंशल पत्नि श्री बासुदेव बंशल
(4) श्रीमती शकुन्तला देवी बंशल पत्नि श्री बलदेव
छण बंशल,
'सक्षमी भवन', पाटलीपुत्रा कालोनी, पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिवारी जमीन का रकवा 15 डीसमल जिस का प्लाट नंबर 1522 खाता नम्बर 631, तौजी नम्बर, 5505 धाना नम्बर 2 दीधा (पुराना) जो भैनपुरा दीधा (पुराना) वर्तमान पाटलीपुत्रा कालोनी, तथा पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2138, दिनांक 11-4-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

तारीख : 23-11-78
मोहर:

प्रस्तुत प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निम्नेश सं०-[[[292/अर्जन/78-79—ग्रन्त, मुझे, ज० नाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

आर जिसकी सं० तीजी नं० 5506 थान नं० 2 खाता नं० 654 सर्वे प्लाट नं० 1583, पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन के अधीन है तथा जो मौजा मैनपुरा वर्तमान पाटलीपुत्रा कालोनी में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरन्ट प्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रकृति: भ्रष्ट, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-व के अनु० संरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जता:—

1 श्री चन्द्रेका सिंह सुपुत्र स्वर्गीय देव नारायण सिंह, निवासी मैनपुरा, थाना दीधा, (वर्तमान पाटलीपुत्रा, कालोनी) पटना।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुणीला सिंह पत्नी श्री बलराम सिंह निवासी इनाई (पुरब) पो० आ० इनई, थाना रिवीलगंज, जिला सारण।

(2) श्रीमनी पश्चावती सिंह पत्नी श्री यदुनाथ सिंह निवासी (पी० आ०) मुड़ीयारी, थाना मनियार, जिला बलिया (य० पी०)।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित करने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरारी जमीन का रक्का 7 कट्टा 4 धूर, जिसका तीजी नम्बर 5506, प्लाट नं० 1583, खाता पं० 654, सलि नम्बर 246, थाना नम्बर-2, जो मौजा मैनपुरा, पटना तथा पटना म्युनिसिपल कारपोरेशन पटना के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज नम्बर, 2272, दिनांक 15-4-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निवन्धन पदाधिकारी, पटना द्वारा पंजिकृत है।

जय नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना।

तारीख: 7-12-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निदेश मा० 111-293/अर्जन/78-79—अत, मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 32, सकिल नं० 3 एवं वार्ड मं०
2/12 है, तथा जो मुहल्ला मुड़ीचक, जिला भागलपुर में स्थित है
(और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रत्याहरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
शत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के पन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :—

1 श्री सुनील कास्त चौधरी, वल्द स्व० चारूचन्द्र चौधरी,
साकिन मुड़ीचक, याना कोतवाली, जिला भागलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री केलाश प्रसाद पचेरीवाला, वल्द श्री रघुवर दयाल
पचेरीवाला, साकिन—मुड़ीचक, याना कोतवाली,
जिला भागलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में में किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान रक्का 2976 वर्गफीट है जो मुहल्ला
मुड़ीचक, याना कोतवाली, जिला भागलपुर में स्थित है,
जिसका होल्डिंग नं० 32, सकिल नं० 3, एवं वार्ड नं० 2/12
है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 3636, दिनांक 27-4-78
में पूर्णतया वर्णित है, जो जिला अवर निबन्धक, भागलपुर में
निर्वाचित है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 26-12-78

मोहर :

प्रंगुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 111/294/अर्जन/78-79—अतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3, वार्ड नं० 2/12, है तथा जो मुहल्ला मुन्डीचक, जिला भागलपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आव या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

1. श्री हिमानी कान्त चौधरी, वल्ल (स्व०) चारू चन्द्र चौधरी, साकिन मुन्डीचक, थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर (अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पवेरीवाला वल्ल श्री श्याम सुन्दर पवेरीवाला, साकिन मुन्डीचक, थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर, (अन्तरिती)

मेरी इस सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा रहे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अंग्रेजी, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 2667 वर्गफीट भय मकान, जो मुहल्ला, मुन्डीचक, थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर में स्थित है जिसका होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3, वार्ड नं० 2/12 है, जिसका विवरण दस्तावेज संख्या 3638 दिनांक 28-4-78 में पूर्णतया वर्णित है तथा यह जिला अमर निव्वत्क, भागलपुर में निर्बंधित है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 26-12-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत नगरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 26 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० 111/295/अर्जन/78-79—प्रतः मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3, वार्ड नं०
2/12 है, तथा जो मुहल्ला, मुन्डीचक, जिला भागलपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-4-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उससे बरमे में सुविधा
के लिए; प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवृत्त :—

1. श्री अमनी कान्त चौधरी, बल्द स्व० चारू चन्द्र चौधरी
साकिन मुन्डीचक, धाना-कोतवाली, जिला भागलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री पुष्पोत्तम कुमार पवेरीवाला बल्द श्री श्याम
कुमार पवेरीवाला,
साकिन मुन्डीचक, धाना-कोतवाली, जिला भागलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्त्यकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रक्का 2908 बर्फीट है,
जिसका होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3, एवं वार्ड नं० 2/12 है,
जो मुहल्ला मुन्डीचक, धाना-कोतवाली, जिला भागलपुर में
स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज [सं० 3637, दिनांक
28-4-78 में पूर्णतया वर्णित है, जो जिला अपर निव्वक,
भागलपुर में निर्बंधित है।

ज्योतिन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 26-12-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्रमा, बिहार
पटना, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

नं० 111-296/अर्जन/78-79—यतः मुझे ज्योतिन्द्र नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से प्रधिक है

और जिसकी होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3 एवं वार्ड नं० 2/12
है, जो मुहूला मंडीचक, जिला भागलपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भागलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-4-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये उक्त अधिकारी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति अस्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवधियों, प्रयोग्त् :—

11-436GI/78

(1) श्री समीर कान्त चौधरी, बल्द स्वर्गीय चारूचन्द्र
चौधरी, सा० मुन्डीचक, थाना-कोतवाली जिला—
भागलपुर

(अन्तरक)

(2) अज किशोर पचोरीबाला बल्द श्री रघुवर दयाल
पचोरीबाला सा० मुन्डीचक, थाना-कोतवाली,
जिला-भागलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अवधि द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

उपलब्धेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन अर्थ मकान जिसका रकबा 3500 वर्गफीट है।
जिसका होल्डिंग नं० 32, सर्किल नं० 3 एवं वार्ड नं० 2/12
है, जो मुहूला मंडीचक, थाना कोतवाली, जिला भागलपुर में
स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 3635 दिनांक
28-4-78 में पूर्णतया वर्णित है जो जिला अवर निबंधक,
भागलपुर में निवेदित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सधीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 26-12-78

मोहर:

प्रेरूप श्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 दिसंबर 1978

निर्देश सं० मी० ए०५/हवेली-II/जुटै-७८/३८३—यतः मुझे,
श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 3, सर्वे क्र० 37/2 है, तथा जो
एरंडवणा, पूना में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
हवेली-II में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतः—

1. श्री रमेश महादेव कचरे,
39/22, कर्वे रोड, पूना-4

(अन्तरक)

2. श्री विद्याधर श्रीपाद बोडेकर,
64/10, कर्वे रोड, पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में बमात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, सब प्लाट क्र० 3, सर्वे क्र० 37/2,
एरंडवणा, पूना-4।

क्षेत्रफल : 5654 वर्ग फुट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1175, दिनांक
20-7-78 की सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-12-78
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 परंडवाणा, कर्वे रोड, अर्जन रेज पूना

अर्जन रेज, पूना

पूना, 411004 दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश मं० सी०ग०-५/हवेनी-II/जुनै०-78/384--प्रतः मुझे श्रीमती पी० लनवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 2, सर्वे क्र० 37/2 है, तथा जो परंडवाणा, पूना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना प्राधिकारी के कार्यालय हवेनी-II में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेश महादेव कचरे,
39/22, कर्वे रोड, पूना-4

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर गंगाधर संखे,
मु० प०० भासवण, ला० पालगढ़, डिगना।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के भन्तेन के लिए कायंवाहियां करता है।

उक्त संरक्षि के भन्तेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, सब प्लाट क्र० 2, सर्वे क्र० 37/2, परंडवाणा, पूना-4

क्षेत्रफल :— 6060 वर्ग फुट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलोख क्र० 1176, दिनांक 20-7-78 की सब रजिस्ट्रार हवेनी-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० लनवानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना।

तारीख 19-12-1976

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री। एन। एस।—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

60/61 एरंवना, कर्वे रोड़, अर्जन रेंज पूना

पूना, 411004, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी०ए०-५/हैवेली-II/मितम्बर-78/385—यतः
मुझे श्रीमती पी० ललवानी,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे क्र० 569 $\frac{1+3}{2}$ के हैं तथा जो विणवेवाडी पूना
में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवेली-II में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 18-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विभास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उससे अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से छुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रहा, घर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी विश्वास राव पानमे

डा० राधाकृष्णन नगर पुणे-9

(अन्तरक)

2. चेपरमेन, राजमाता महाकारी गृह रचना संस्था मर्यादिल
280, कम्बा पेठ पुणे-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : सर्वे क्र० 569/1-3के/2 विणवेवाडी
पुणे-9

क्षेत्रफल : 725 वर्ग मीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1517 दिनांक 18-9-78
को सब रजिस्ट्रार हैवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना।

तारीख 22-12-78

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना 411004, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निर्देश मं० सी०ग०-५/हवेली-II/मितम्बर 78/386—
यतः मुझे, श्रीमति पी० ललवानी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 569 1+3 के हैं, तथा जो विवेवाडी, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हवेली-ना मेर रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया थया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवासी—

1. श्री पानसे ए० बी०,
डॉ राधाकृष्णन नगर,
पूना-9।

(अन्तरक)
2. चेयरमैन, राजमाता लो-इन्कम हाउसिंग सोसायटी,
280, कमबा पेठ, पूना-11।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : सर्वे क्र० 569 1+3-के/2
विवेवाडी, पूना।

क्षेत्रफल : 725 वर्ग मीटर।

(जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1518, दिनांक 18-9-78 को सब रजिस्ट्रार, हवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमति पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-12-78

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरंडना, कर्वे रोड, पुना-41100422
पुना 411004, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निर्देश मं० सी०ग०-५/हवेली- /मित्तम्बर-७८//३८७--
यतः मुझे, श्रीमती, पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे श्र० ५६९ $\frac{1+3}{2}$ के हैं, तथा जो विवेवाडी
पुना में स्थित है (और इसमें उपान्द्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हवेली-II
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-९-७८ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—

1. श्री पानमं डी० वी०,

डा० गाधाकृष्णन नगर, पुना-9।

(अन्तरक)

2. चेयरमैन, राजमाता लो-इन्कम हाउसिंग सोमायटी,
280, कमवा पेठ, पुना-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकां दर्वे श्र० ५६९ $\frac{1+3}{2}$ के विवेवाडी,
पुना।

क्षेत्रफल: 725 वर्ग मीटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कि श्र० 1519, दिनांक
18-९-७८ को सब रजिस्ट्रार, हवेली-II के दफतर में लिखा है।)

श्रीमति पी० ललवानी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 22-12-78

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पटना, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निर्देश मं० सी०ग०-५/हवेली-II/जुल-78/388—यतः मुझे
श्रीमती पं० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभ्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो सदाशिंगों पेठ पूना में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन 20-7-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उस
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनुग्रहा अरविन्द मालवणकर,
2210, महात्मा गांधी रोड, रत्नगिरि।
(अन्तरिक)
2. मथुरा को-प्रापरेटिव हार्डिंग सोसायटी लि。
203, 3मा, 499, रास्ता पेठ, पूना-11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्देश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : घार्ट आफ प्लाट 5-बी, सी० टी० एस०
क्र० 173-सी, सदाशिव पेठ, पूना-2
क्षेत्रफल —: 297 वर्ग मीटर।
(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1173, दिनांक 20-7-78
को सब रजिस्ट्रार में हवेली-II के दफतर में लिखा है।)

श्रीमती० ललवानी
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 19-12-78

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० सी०ए०-५/हवेली-II/जुलै-७८/३८९—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट क्र० 5ए०सी० सर्वे क्र० 173ए तथा जो सदाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-९-७८

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की नावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी दरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य स्थानियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बम्ब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री मोहन शंकर छमाम।

1127, शुक्रवार पेठ, पूना-२

(अन्तरक)

2. श्री मधुरा को-आपमेरेटिव हाउसिंग सोमायटी

203, उमा, 499 रास्ता पेठ, पूना-११

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : प्लाट क्र० ५-ए०सी० टी० एम० क्र०-१७३ए

सदाशिव पेठ, पूना-३०

धोने फल : ५१२० वर्ग फुट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख क्र० 1172, दिनांक 18-९-७८ की सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 19-12-78

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए०-५/हवेली-II/जुलाई-७८/३९०—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पार्ट ऑफ प्लाट 5-वी सी० टी० वर्वे 173-वी है तथा जो सादाशिव पेठ, पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-7-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण से हुई किस आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतिरक्त कार्यत्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21— 436GI/7

1. श्रीमती वर्षा विश्वनाथ दाबके
प्लाट क्र० 6, शिवा को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी
गम मालनी रोड, ठाना।
(अन्तरक)

2. मधुरा को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि०
203, उमा, 499, गस्ता पेठ, पूना-11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भव्यनि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भा आभ्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृतवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ पर्यंत होगा, जो उम प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा : पार्ट आफ प्लाट 5-वी, सी० टी० एम० 173/वी, सदाशिव पेठ, पूना-30

क्षेत्रफल : 297 वर्ग मीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1174, दिनांक 20-7-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-12-78

मोहर :

L...

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
60/61 एरंडवना कर्वे रोड, अर्जन रेंज, पूना
पूना, 41,100 4, दिनांक 1 जनवरी 1979
निर्देश सं० सी०ए०-५/बाम्बे/जून-७८/३९३—यतः मुझे,
श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट और जमीन क्र० 283 है, तथा जो विरार
ता० वसई में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विरार ता० वसई जि० ठाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-6-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तारित कर गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार
मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत् :—

1. (i) श्री नारायण खंडेराव जोशी,
(ii) श्रीमती चम्पावती खंडेराव जोशी,
26, भाई जीवनजी लेन, मानेक बिल्डिंग
बम्बई-2। (अन्तरक)

2. जीवदानी देवी, को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०
आगाशी रोड, विरार (वेस्ट) डिस्ट्रिक्ट ठाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्रामपाल में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त क्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिमापित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नाम एग्रीकल्चरल प्लांट और जमीन 2 एण्ड 3,
धेनफल : 1088 स्क्वायर यार्ड, विरार, ता० वसई¹
जिला ठाना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेव क्र० 261, दिनांक 23-6-78
को सब-रजिस्ट्रार बाब्दे के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 1-1-79
मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 1 जनवरी 1979

निर्वेश सं० सी०ए०-५/हवेली-II/अक्टूबर-78/394—यतः
मुझे श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० पी० रकीम क्र० 1, फाय० नं० प्लाट
क्र० 472-ई, है तथा जो हवेली-II, पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और भ्रष्टरक (प्रक्षरकों) और भ्रष्टरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ~

1. (1) श्री वामन केरबा ढोले
- (2) श्री रामचन्द्र वामन ढोले
- (3) श्री सूर्यकान्त वामन ढोले
- (4) श्री मती सोनावाई वामन ढोले
- (5) श्री अशोक वामन ढोले
- (6) श्री प्रकाश वामन ढोले

59, भूलटेकशी, पूना-411009

(अन्तरक)

2. मार्कण्डेय, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
1287, भवानी, पेठ, पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा भ्रष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डिवीजन पूना, सब डिवीजन ता० हवेली, पूना सिटी
टी० पी० स्कीम क्र० 3, फायनल प्लाट क्र० 472-ई ।

क्षेत्रफल : 2535-75 वर्ग मीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2003, दिनांक
10-10-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा
है ।)

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 1-1-79

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 272/78-79—यतः मुझे वी० पशुपति आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर 3-6-276/277 है, जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी ग्राम या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितयों, प्रत्युतः—

(1) श्रीमती नुस्तिनी बेगम एलियस बद्रुन्निस्सा बेगम पति एस० वै० नवाब, 28-4 आर० टी० बर्क-तपुरा, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री मती निवेनी भंड पति हरिदास 3-3-838 कुतवि गूढा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग-ए घर नं० 3-6-276 और 277 विस्तीर्ण 630 वर्ग गज हिमायत नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1159/78 उप रजिस्ट्रीय कार्यालय हैदराबाद।

वी० पशुपति,
सकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 273/78-78—यह: मुझे वी० पशुपति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 4-1-435 द्रूप बाजार, हैदराबाद है, जो
द्रूप बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ने
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल

1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यहाँ अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

- (1) श्री मुदिगोडा अश्रुपूर्णमा, 3-6-497 हरदीकर
बाग, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री विशालान्द्र विज्ञान मिति, चन्द्रम बिलिंग,
विजयवाडा-4। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
नमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अन्य
दोणा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तीर्ण 545 वर्ग गज घर सं० 4-1-435,
द्रूप बाजार, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 1477/78,
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

वी० पशुपति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-12-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 274/78-79—यतः मुझे बी० पशुपति,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ज
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

ग्रीर जिल्ही सं० भाग नं० 3-6-276/277 है, जो हिमायत
नगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णस्थ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथायुर्वेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वापिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपाधा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नूरभिस्सा बेगम (इलयास) बदुशिसा
बेगम, पति एस० बै० नवाब, घर सं० 28-4-
आर० टी० बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)
(2) श्री य० शेगारी रेही, पिता जो सी रेही,
3-5-899 हिमायत नगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामपें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

भाग बी० घर सं० 3-6-276 और 277 में हिमायत
नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 1402/78 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

बी० पशुपति,
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 दिसंबर, 1978

सं० 275/78-79—यतः मुझे पी० पशुपति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
लपट से अधिक है।

और जिसकी सं० भाग बी० 3-76/277, है, जो हिमायत
नगर में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और यह अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाजत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता:—

(1) श्रीमती नृश्मिसा बेगम (डलायेम) बड़ुशिम्मा
बेगम, पति पाम० बी० नवाब, घर नं० 28-4
आर० टी० बर्कतुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री म० अगोमी रेड्डी, पिता जाजी रेड्डी, 3-6-
276 और 277, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अवधार 20-ए में परिमाणित
हैं, वर्णीय होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भाग बी०, घर नं० 3-6-276 और 277, हिमायत
नगर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1508/78, उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

बी० पशुपति
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-12-78

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 16 दिसंबर, 1978

निर्देश सं० 276/78-79—यतः मुझे वी० पशुपति
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय 135 है, जो एस० डी० रास्ता
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

- (1) स्वस्तिक कन्ट्रूक्शन कम्पनी, 111-सरोजीनि देवी
रास्ता, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० विद्यासागर, (2) एम० वी० प्रम-
कुमार, (3) एम० वी० ध्याराम, घर नं०
10-2-96 मारेडपल्ली, मिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 135 पहली सवा पर, चन्द्रलोक घर पर
111 सरोजीनि देवी रास्ता, रजिस्ट्री दस्तावेज 1026/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

वी० पशुपति
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-12-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 विसम्बर 1978

निर्देश सं० 277/78-79—यतः मुझे वी० पशुपति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 1-11-252/1, बेंगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) एसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्सैं जब्बान रियल एस्टेट, घर नं० 1-11-252/1, बेंगमपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)
(2) श्री वी० जी० एम० प्रसाद, पिता रमेश चन्द्र चौहानी, 8-3-898/16-2, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाषेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

घर सं० 1-11-252/12 बेंगमपेट, हैदराबाद-16, प्लाट नं० 12, दूसरी भंजिल पर, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 969/78-उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

वी० पशुपति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-12-78

मोझर :

पतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम द्वी धारा 269-ग की उपधारा (1) के द्वाय निम्नलिखित अवक्तियों पर्यात :—

प्रक्ष प्राई० डी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 278/78-79—यतः मुझे वी० पशुपति
(इन्वाइज़)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-180 है, जो तबाक बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूजी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री (1) आर० राधाकृष्ण, (2) आर० कैलाश पति, (3) आर० चन्द्रनाथ, केविल वर्त० पीटर रास्ता, बांग्ले। (अन्तरक)

(2) श्री मोफिसे सरल, 263-वेरीयम पालेम, सिकन्द-राबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के तथा परिभा-पित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना घर नं० 3-4-180, तम्बाकू बाजार सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 977/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

वी० पशुपति,
स्थाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-12-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 279/78-79—यतः मुझे, वी० पश्चपति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सम्मान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं०-१ घर नं० 1-11-251/5 है,
जो बेगम पेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीमती/कुमारी (अन्तरक)
2. श्री विजय उल्लू० शहानी, सैफाबाद, हैदराबाद।
(अन्तरिती)
(3) श्री जुलाका एम० अम्बुल्ला, गौसिया रुफ,
11-4-169/7, बजारघाट, हैदराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1, जमीन का सत्ता घर नं० 1-11-251/5,
बेगम बजार, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1043/78,
उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद।

वी० पश्चपति
सम्म अधिकारी
(इच्छाज) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-12-1978

मोहर :

प्रख्यूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 विसम्बर 1978

निर्वेश सं० जे० 280/78-79—यतः मुझे, वी० पशुपति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० काली जमीन एस० नं० 91, 92, 95/1, है, जो गुडीमल्कापुर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णांच से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापित, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अश्वे वेंकटेशम, अब्दे नरसिंहा राव, ए० सुब्रह्मन्यम, दुमिराल, तेनालि तालुक, गुंदूर जिला। (अन्तरक)

(2) लाइफ इन्स्योरेंस कारपोरेशन एम्प्लाईज कोर्पोरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी, जीवनप्रकाश, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तीर्ण 15.880 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 92, 93, 95/1, गुडीमल्कापुर, हैदराबाद में रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 915/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

वी० पशुपति

सक्षम अधिकारी

(इंसार्ज) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/488—यतः मुझे,
हरी पांकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 13-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
प्रौर्धा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपस्थान (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज कामरा धर्मपत्नि श्री चन्द्रमोहन
कामरा, निवासी श्री गंगानगर वर्तमान निवासी
दबावली मंडी तहसील खास जिला सरसा।
(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वरी रामेश्वर लाल एवं रामनरायण पुत्र श्री
मनकूल सिंह, जाट, निवासी श्री गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

हाउस (नोहरा) नं० 12 का भाग, जो विवेकानन्द
रोड के पास पार्क के निकट स्थित है और उप पंजियक,
श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 563 दिनांक 13-4-78 पर पंजि-
बद्ध वित्त पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :
मोहर :

हरी पांकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

प्रकाश शाई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 विसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/484—ग्रन्तः मुझे,
हरी शंकर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-अ
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्य में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-अ के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-अ की उपबारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अविस्तरों, अवार्ता :—

(1) श्रीमती सरोज कुमारी कामरा पत्नि श्री चन्द्रमोहन
कामरा, निवासी श्री गंगानगर बर्तमान निवासी
दबावली मंडी, तहसील खास, जिला सरसा।
(अन्तरक)

(2) श्री जयमल राम पुत्र श्री दत्ताराम एवं श्री भागी-
रथराम पुत्र श्री जयमलराम जाट, गोविन्दपुरा,
18-जी०, जी०, श्री गंगानगर।]
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अविस्तरों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव वे
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तरों में से किसी
अविस्तर द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रथम अविस्तर द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

हाउस (नोहरा) नं० 12 का भाग जो विदेकानन्द रोड
के पार्क के पास स्थित है और उप पंजियक, श्री गंगानगर
बारा क्रम सं० 565 दिनांक 25-4-78 को पंजियक विक्रय
पत्र क्रमांक 565 दिनांक 25-4-78 में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

प्राप्त प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तिनांक 2 दिसंबर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/486—यतः मुझे, हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें' इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरोज कुमारी कामरा पत्नि श्री चन्द्र मोहन कामरा, निवासी श्री गंगानगर वर्तमान निवासी दबावली मंडी, तहसील छास, जिला सरसा।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री दयाराम सहायबराम रामस्वरूप पुत्रान श्री अमरराम जाठ, गोविन्दपुरा, 18 जी०, जी० गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान (नोहरा) नं० 12 का भाग जो विवेकानन्द रोड, पार्क के पास स्थित है और उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 523 दिनांक 29-4-78 में पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 विसंबर 1978

निदश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/484—यतः मुझे
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 30 ई है तथा जो उदयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की
उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री विजय सिंह सिंधवी
द्वारा सिंधवी एण्ड सन्स, बेरा बाजार, उदयपुर
(अन्तरक)

(2) श्री भीम सिंह सिंधवी पुत्र सुन्दरलाल द्वारा
मैसर्स सुन्दरलाल सिंधवी एण्ड सन्स, बड़ा बाजार,
उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लाट जिसकी संख्या 30-ई० जो न्यू फेहुतुरा
स्कीम, मुखाड़िया सर्किल, उदयपुर में स्थित है और उप-
पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 1022 दिनांक 20-5-78 पर
पंजिबद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/482—यतः मुझे,
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 एवं 9 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

—436GI/78

(1) मैमर्स यूनाइटेड मोटर्स आफ राजस्थान (ज्ञान्च
आफिय आफ मैमर्स वेस्टर्न इंडिया स्टेट मोटर्स
लिमिटेड, जयपुर) (अन्तरक)

(2) श्री ओंकार सिंह, आई० ए० एम० कर्ता आफ
ओंकार सिंह, एच० य० एफ०, ए-385, मिविल
लाइन, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक. न की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 ए० 9, गोपालबाड़ी, जयपुर जो उप
पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1488 दिनांक 26-6-78
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

हरी शंकर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 2-12-1978

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एम० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/483—यतः मुझे,
हरी शंकर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 30 (2) है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 22-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अभ्यरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्त ग्रामितियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, निपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रामितियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री अनिल कुमार मिथवी पुत्र श्री विजय मिथवी
द्वारा मिथवी एण्ड सन्स, बेग बाजार, उदयपुर
(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्लोक कुमार पुत्र सन्दर लाल मिथवी द्वारा
सुन्दरलाल मिथवी एण्ड सन्स, बेग बाजार,
उदयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वा व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, ग्रामोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसकी संख्या 30ई (2) है और जो फतेहपूरा
स्कीम (न्यू), मुखाड़िया सर्किल उदयपुर के पास स्थित
और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 1023 दिनांक
22-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से
विवरणित है।

हरी शंकर

मक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, उदयपुर

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री कन्हैया लाल बागड़ी, बीकानेर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/489—यतः मुझे,
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो बीकानेर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बीकानेर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(2) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री पारसमल गोलिया द्वारा
मेमरमेंट्स कारपोरेशन, गिराज बिल्डिंग्स, 3री
मंजिल, टोकरसी, जीवराज रोड, सेवड़ी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

मोहल्ला बगड़िया, बीकानेर में स्थित मकान जो उप
पंजियक, बीकानेर द्वारा क्रमांक 664 दिनांक 17-6-78 को
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, निवांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/485—यतः मुझे, हरी
शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० वार्ड नं० 20 है तथा जो सरदारशहर में
स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरदार-
शहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

गत : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों परापतः:—

(1) श्री सुरेश कुमार पुत्र दुलीचन्द एवं श्री शिवशंकर
पुत्र मुख्तलाल जैमाननरिया, सरदारशहर, जिला
चुह।
(अन्तरक)

(2) मैसर्म नौलाराम दुलीचन्द दाल मिल्स, सरदार-
शहर, जिला चुह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई श्री शक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन लेण्ड 11256 दर गज जो वार्ड नं० 20 सरदार-
शहर में स्थित है और उप पंजियक, सरदारशहर द्वारा बुक
नम्बर 1 में दिनांक 28-7-78 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1978

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/490—यतः मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो सिवाना में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-5-1978 को

पर्योक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
दाखिलक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक र दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्त: प्रबल, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

(1) श्री पूनमचन्द्र पुत्र नथमल एवं श्रीमती प्यारी
वाई विधवा वरदीचन्द्र ओसवाल, सिवाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजय कुमार पुत्र धीमूलाल नाबालिंग द्वारा
स्वाभाविक श्री धीमूलाल ओसवाल रान्का,
सिवाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लाट जो ओसवाल भवत सिवाना के सामने
स्थित है और उप पंजियक, सिवाना द्वारा क्रमांक 148
दिनांक 16-5-78 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप
से विवरणित है।

हरी शंकर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप धार्ड० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निदश सं० गज०/महा०शा०अर्जन/491—यतः मुझे हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मिवाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे भह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी नियोग या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत। अब, उक्त अधिनियम की धारा 26० ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 26९ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त—

(1) श्री घेवर चन्द्र पुत्र मूल चन्द्र भन्साली मिवाना, जिला बाढ़मेर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र धीमूलाल रांका, मिवाना (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोंचियों का बास, मिवाना में ओसवाल भवन के सामने जमीन का दुकड़ा जो उप पंजियक मिवाना द्वारा क्रमांक 151 दिनांक 17-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० ई० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/492—यतः मुझे,
हरी शंकर,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मिवाना में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिवाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री घेवरचन्द्र पुत्र मूल चन्द्र भंसानी निवासी
मिवाना, जिना बाढ़मेर, राजस्थान।

(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द कुमार पुत्र मोहन लाल रांका,
मिवाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घोंचियों के बास, मिवाना में ओसवाल भवन के सामने
स्थित जमीन का टुकड़ा जो उप पंजियक, मिवाना द्वारा
ऋग्मांक 153 दिनांक 17-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 2-12-78

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी. एन.एस.—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं. राज०/मह० आ० अर्जन/493—यतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ब के अधीन सभी सम्पत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो सिवाना में स्थित है (और इसे उपाख्य अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया था है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी जिसी आय या किसी घन या प्रथम आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मैं, उक्त प्रधिनियम, की ओरा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ब की उप-ओरा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति—

(1) श्री घेवर चन्द्र पुत्र श्री मूलचन्द्र, भन्साली निवासी सिवाना जिला बाड़मेर, राजस्थान।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीलादेवी पत्नी श्री मोहनलालजी रांका, सिवाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि; जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरण के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घोंचियों का बास, सिवाना में ओसवाल भवन के सामने स्थित जमीन का टुकड़ा जो उप पंजियक, सिवाना बारा क्रमांक 152 दिनांक 17-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 2-12-78

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 दिसंबर 1978

निर्देश स० राज०/महा० आ० अर्जन/494—ग्रतः मुझे,
हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी स० है तथा जो मिवाना में स्थित है
(और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मिवाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेवरकन्द पुत्र मूलचन्द भंसाली निवासी मिवाना जिला बाढ़मेर (राजस्थान)
(अन्तरक)
(2) श्री मुरेश कुमार पुत्र श्री धीमूलाल रांका निवासी मिवाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस आध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वांचियों का वास, ग्रोमवाल भवन के सामने, मिवाना में स्थित घटाट जो उप पञ्चायक, मिवाना द्वारा क्रमांक 154 दिनांक 17-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 2-12-1978

मोहर :

प्रस्तुति भाई• टी• एन• एस•—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश नं. राज०/सहा० आ० अर्जन/495—यतः मुझे,
चुन्नी लाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० चक 3 ए छोटी है तथा जो श्रीगंगानगर
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को उपलाभ (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अचान्तः।—

(1) श्री खुशीराम पुन श्री छाजूराम ब्रात्पण निवासी
चक 3 ए छोटी श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी पत्नि श्री सान्तुराम अरोड़ा,
वाड नं. 23, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
माद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

चक 3 ए छोटी श्रीगंगानगर में स्थित 235 कुषि भूमि
जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 792 दिनांक
16-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-12-78

मोहर :

प्रस्तुति प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसंबर 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/496—यतः मुद्रे,
चुन्नी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्रीगंगानगर
में स्थित है (और इसमें उपादव अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपादव

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री कैलास राम पुत्र श्री छाजुराम आहुण
चक 3 ए छोटी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री सन्दूराम वार्ड नं०
23, पुरानी आवादी, श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्डाय 20-क में परि-
भावित हैं वही पर्याय होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

2.5 बीघा कृषि भूमि चक 3 ए छोटी, श्रीगंगानगर
जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 801 दिनांक
11-5-78 पर पंजिकद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 28-12-1978

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/497--यतः मुझे,
चुन्नी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चक 3 ए छोटी है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीर्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4.5.1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मानुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लाजवंती पत्नि श्री चूणीराम ब्राह्मण, निवासी चक 3 ए छोटी, तहसील श्रीगंगानगर (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश, राम कुमार पुत्र श्री मान्तुराम ब्राह्मण, निवासी 3 ए छोटी, श्रीगंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

चक 3 ए छोटी श्री गंगानगर में स्थित 2.5 बोघा कृषि भूमि जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 791 दिनांक 4-5-78 पर पंजियद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निदश सं० नग०/नहा० आ० अर्जन/498—यतः मुझे,
चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० चक 3 ए छोटी है तथा जो श्रीगंगानगर
में स्थित है (और इसपे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
शय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लाजवन्ती पत्नि श्री खुशी राम आहुण,
चक 3 ए छोटी, तहसील श्रीगंगानगर।
(अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्रमाद पुत्र श्री सन्तराम चक नं०
3 ए फस्ट, तहसील श्रीगंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिक--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूति

चक छोटी 3 ए में स्थित 2.5 ब्रीघा कृषि भूमि उप
पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 800 दिनांक
16-5-78 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 28-12-1978
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/499—यतः मुझे, चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है श्रीर प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अर्थात् ।—

(1) श्री त्रिलोक चन्द्र कोटेचा डायरेक्टर मैसर्स उमराव एण्ड कम्पनी प्रा० लि०, श्री गंगानगर (अन्तरक)

(2) श्री रघुबीर महाय पुव गणेशी लाल, (2) राम करण पुव द्वारका दास, (3) सतीश कुमार पुव नारा चन्द्र, (4) शिवकुमार पुव लक्ष्मण दास, श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि दाद में समाप्त होती हो, के तीर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

द्वितीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय परिभाषित है।

प्रनुसारी

1 बीचा कृषि भूमि चक 1 ए छोटी श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 425 दिनांक 15-4-78 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/500—यतः मुझे,
चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० चक नं० 1 ए छोटी है, तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीब 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रिलोक चन्द्र कोटेचा, डायरेक्टर उमराव एण्ड कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, श्री गंगानगर (अन्तरक)

(2) मर्वंथ्री (1) सोहन मिह, (2) मनकियत मिह, पुत्र मुक्तियार मिह, (3) दरमन मिह 'एवं
(4) प्रीतम मिह पुत्र श्री पोखर मिह, जटिमिख निवासी श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 बीवा कृषि भूमि जो चक 1 ए छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 401 दिनांक 4-4-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

चुन्नी लाल,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

नारीब : 30-12-1978

मौहर :

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/501-इतः मुझे,
चुन्ही लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुनूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत। धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलापा (1)
अबीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :--

(1) श्री त्रिलोक चन्द कटेचा, डायरेक्टर मैसर्स उमराव
मल एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड,
श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अजायब कौर पत्नी बलदेव सिंह जाट
मिश्र श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लघुस्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा बीघा कुपि भूमि जो चक नं० 1 ए छोटी, श्री
गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा
क्रम संख्या 461 दिनांक 10-4-78 पर पंजिबद्ध विश्वास पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्ही लाल,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 30-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978।

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/502—यतः मुझे,
चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक और जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित र (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है, रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगा-
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) १
अधीन निन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—436GI/78

(1) श्री विलोक चन्द कोटेवा, डायरेक्टर मैर्सर रमराव
एण्ड कॉम्पनी, प्रा० लि०, श्री गंगानगर।
(अन्तरक)

(2) श्री भगवति कुमार पुत्र वीरवत गुप्ता निवासी
श्री गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
निको अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

ग्रन्तुसूची

89'×55' कृषि भूमि जो आवादी भूमि में रूपान्तरित
हो गई है और चक 1 ए छोटी जिला गंगानगर में स्थित
है तथा उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 1123
दिनांक 5-6-78 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 28-12-78

मोद्र :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/503—पतः मुझे, चुन्नी लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० चक नं० 1 ए छोटी है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्री अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री तिनोक चन्द कोटेचा, डायरेक्टर आफ मैसर्स उमराव एण्ड कॉम्पनी (प्रा०) निमिटेल, श्री गंगानगर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स राजस्थान बोर्डिंग कॉम्पनी श्री गंगानगर द्वारा श्री प्रकाश चन्द पुत्र मथुरादास अग्रवाल, श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 विश्वा कृषि भूमि जो आवासीय भूमि में रूपान्तरित की गई है और चक नं० 1 ए छोटी में स्थित है तथा उप-पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 712 दिनांक 4-5-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 28-12-1978

मोहर:

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० प्रा० अर्जन/504—यतः मुझे
चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्री
गंगानगर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रद्वय
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहीतः:—

(1) श्री त्रिलोक चन्द्र कोटेचा, डायरेक्टर मैमर्स उमराव एण्ड कम्पनी प्रा० लि० श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरनाथ पुत्र श्री दीवान चन्द्र भाटिया, 2, पारस राम पुत्र श्री सन्तराम अंग्रेवाल निवासी श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्समंदी व्यक्तियों, पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्वि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

52.5'×280' वर्गफुट का आवासीय प्लाट जो चक 1 ए छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 1029 दिनांक 20-6-78 द्वारा पंजिबद्वि विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल
सर्कार अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० श्री० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसंबर, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/505—यतः मुझे चुन्नी लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' रुहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ति स्थावर नियमित गिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिभान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) या किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिवित अधिकारी, प्रार्थतः—

(1) श्री त्रिलोक चन्द कोटेचा, डायरेक्टर आफ मैसर्स उमराव एण्ड कंपनी (प्रा०) लिमिटेड, श्री गंगानगर।

(अन्तरक) (2) श्री महेश कुमार पुत्र बीरबल गुप्ता, श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

89'×55' आवासीय ब्लॉट चक 1 ए छोटी श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 1052 दिनांक 22-6-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/506—यतः मुझे
चुन्नी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० चक 1 ए छोटी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है (और इसमें उपाहृत अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगा-
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रति, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात् :—

(1) श्री विनोद चन्द कोट्चा डाप्रेक्टर आफ मैसर्स
उमगव एण्ड कं० प्रा० लिमिटेड, श्री गंगानगर
(अन्तरक)

(2) श्री रोगन लाल एवं श्री देव करण पुत्र श्री
लूना राम उपाहृत चक 11 क्यू, श्री गंगानगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करना पूर्खी सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

52.5×280 वर्गफुट कृषि भूमि जो आबादी में
रूपान्तरित है और उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक
1104 दिनांक 20-6-78 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में श्री
विस्तृत रूप से विवरणित है तथा चक 1 ए छोटी श्री
गंगानगर में स्थित है।

चुन्नी लाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० पृ०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/507—यतः मुझे
चुन्नी लाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० चक 1 ए. छोटी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भूम्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प
की उपधारा (I) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात्—

(1) श्री त्रिलोक चन्द्र कोठेजा, डायरेक्टर आफ मैमर्स
उमराब एण्ड क० प्रा० लिमिटेड, श्री गंगानगर
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री श्रीम प्रकाश, (2) दुर्गप्रिसाद, (3)
वक्ष्मीनारायण पुत्रान श्री राम कुमार, मियांवाली
तहसील एवं जिला श्री गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत रु सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहाताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

52.5×280.5 वर्ग गज 'आवासीय प्लाट चक नं०
1 ए. छोटी श्री गंगानगर जो उप पंजियक श्री गंगानगर
द्वारा क्रमांक 1046 दिनांक 26-6-78 द्वारा पंजियक विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-12-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1181—अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रानामती कन्स्ट्रक्शन्स एंड एन्टरप्राइजेस, प्रा०
लि० लारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हेमचन्द्र पुत्र
श्री त्रिम्बक पंडित निवासी 30, आदर्श नगर,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्ती लाल पुत्र श्री नाथू लाल जैन निवासी
6, गुलाब पार्क, महेश नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 52/5/ए०, माउथ नुकोगंज, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 17-11-1978

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० ए० ए० म०—

श्रावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1181—अतः मुझे, बी० एल० राव,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गनामनी कन्स्ट्रक्शन्स पंडि इन्टरप्राइमेज प्रा० लि०
द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हेमचन्द्र पंडित,
30, आदर्श नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मर्वश्री (1) विमल चन्द्र पुत्र माधव लाल सेठी,
(2) श्री मुरेश कुमार पुत्र विमल चन्द्र सेठी,
(3) नरेश चन्द्र पुत्र विमल चन्द्र सेठी, (4) प्रदीप कुमार पुत्र विमल चन्द्र सेठी, सभी निवासी
31, इन्वारीया बाजार, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 52/5 डी० बी० कंचन बाग रोड, साउथ
तुकोगंज, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
तिरीकी सहायक श्रायकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 17-11-1978
मोहर :

प्रखण्ड पाँडे० श्री० एन० इस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एब्वी/भोपाल/78-79/1182—
अतः, मुझे, श्री० एल० शाव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्याम करने का कारण
है कि स्थायर न्यूनति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 3-4-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्याम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य मासितियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
इन्होंना अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्यादा या किया जाना आदिए या, छिगाने में
मृत्यु के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपावारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णा० :—

17—436GI/78

1. श्री गोकुलदाम मुछाल पुत्र श्री कन्हैय्यालाल जी मुछाल
निवासी 274, जवाहर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरक)
2. श्री अब्बास भाई पुत्र कादार भाई बोहरा निवासी 61,
बोहरा बाजार, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त न्यूनति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई और आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 274 का पूर्वी भाग, ब्लाक नं० 91 में बना,
जवाहर मार्ग, इन्दौर।

द्वी० एल० शाव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-11-1978

मोहर :

प्र० प्र० श्री अर्जुन रेज, भोपाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रकृति/भोपाल 78-79/1183—

अतः, मुझे, बी० ए० ए० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन समाप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्हौर में स्थित है (और उससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी वे कार्यालय, इन्हौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 9-5-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) तेसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री कृष्ण राव गावडे निवासी 11/5, साउथ तुकांगंज, इन्हौर।
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती जमनामाई पत्नी श्री प्रेम शंकर पाण्डे
(2) श्री प्रेम शंकर पाण्डे पुत्र श्री शिव बालक पाण्डे दोनों निवासी 28, छोटा सरफा, इन्हौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 129 का पश्चिमी भाग, जवाहर मार्ग,
इन्हौर।

बी० ए० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 17-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत मंत्रकार

गोप्यलिपि, सदृशक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 78-79/
1184—अतः मुझे बी० ए८० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व न प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपग्रह अनुमूल्य में और पूर्ण के स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1978
लोपूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. डा० एन० के० गुप्ता पुत्र स्व० श्री हेमराज निवासी
शिमलारोड, भोपाल द्वारा जनरल पावर आफ एटर्नी
श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री हेमराज निवासी शिमला
रोड, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योति बाई पत्नी श्री पुरुषोत्तमदास निवासी
ईदगाहहिल्स, भोपाल (2) श्री रमेश चन्द्र पुत्र स्व०
श्री लेखराज निवासी ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाचियों करता हूँ।

इन सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई जो आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताभारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संघटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथे
होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 48/1 व 50/1 पर बना मकान नं० 170, स्थित
ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

बी० ए८० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-11-1978

भोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 नवम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्शनी/भोपाल 78-79/1185—
अतः, मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य तथा जो खालियर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-4-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/था

(घ) ऐसी किसी आय या किसी घन या पन्थ प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रभुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारीयोंमध्यांतः—

1. श्री ओमप्रकाश बंसल पुत्र थी गुलाब चन्द्रजी बंसल
निवासी आर्मी बजरिया कम्पू रोड, सिटी लश्कर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री घनश्याम दास जी वैश्य
निवासी रोणनी घर रोड, इन्दरगंज सिटी लश्कर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अस्तोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थूनिसिपल मकान नं० 753 वार्ड नं० 25 स्थित हाई
कोर्ट रोड, इन्दरगंज, लश्कर, खालियर।

बी० एल० राव
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 29-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 29 नवम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्टी/भोपाल-78-79/1186

—अतः मुझे, बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीष्म से
उपबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, प्रर्था:—

1. श्री मनीणचन्द्र पुत्र श्री धीगुलाल जी माबू निवासी
20/7, न्यू पतामिया, इन्दौर।
(अन्तरक)

2 श्री हेमन्त कुमार पुत्र श्री चान्द मन जी भंडारी निवासी
18/3, स्नेह लतागंज, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अक्षितियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाइकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 62/5 स्थित मनोरमा गंज, इन्दौर।

बी० एल० राव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1187—
अतः, मुझे, बी० ए० ए० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दग्धके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तारा बाई पत्नि सेठ जोरावरमल डागा निवासी सदर बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सामनदास पुत्र श्री डीतामल सिंधी निवासी कटोरा तालाब, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममात्प होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नजूल प्लाट, ब्लाक नं० 14 पुराना प्लाट नं० 6/1 व 7/1
(नया नं० 6/22 व 7/22) सिविल लाइन्स, रायपुर।

बी० ए० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 27-11-1978।

मोहर :

प्रस्तुप भार्ड० टी० एन० एग०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोगल, दिनांक 27 नवम्बर 1979

निरेण सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/78-79/1188:-
 अतः मुझे, बी० ए८० राव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्री. इमरे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(द) ऐसी किसी आय या विसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् ---

1. श्री अनिल कुमार डाजा (अव्यस्क), पुत्र सेठ जोरावर मल डागा निवासी सदर बाजार, रायपुर।

(प्रन्तरक)

2. (1) श्री अशोक कुमार (2) किशोर कुमार दोनों पुत्र।
 श्री सामनदास सिंधी निवासी कटोरा तालाब, रायपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नजूल प्लाट ब्लाक नं० 14, पुराना नं० 6/7, 7/1,
 (नया नं० 6/23 व 7/23) मिविल नाइन, रायपुर।

बी० ए८० राव,
 नक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-11-1978।

भोगल:

प्रूफ आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन देशन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1189—
अतः मूल्य, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री होला राम पुत्र श्री वासुमल निवासी 200 नवा पुरा
नं० 1, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम पुत्र श्री गिरधारी लाल निवासी 134,
स्लेह नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11, प्रोफेसर कालोनी, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1190:—
भरत, मेहरौ, बी० ए० ए० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 3-4-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

18-436GI/78

1. (1) श्रीमती कृष्णा आई (2) श्रीमति कमला आई
दोनों के पति श्री लाल चन्द जी निवासी इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्री महावीर सिंह जैन पिता श्री किरणमल जी निवासी,
4/4, छत्तीमुरा, इन्दौर।
(अन्तरिती)

3. किरायेवार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8/1, चन्द्रभागा जूनी, इन्दौर।

बी० ए० ए० राव,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 30 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1191—

अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चतुर्मुख पुत्र श्री किशनदास निवासी 169, पाल-
सीकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री खानकन्द पुत्र श्री साधूराम चिमतानी,
(2) श्रीमति जेटीबाई पत्नि श्री साधूराम चिमतानी
दोनों निवासी 169, पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मजिला मकान, मुनिसिपल नम्बर 169, स्थित पालसीकर
कालोनी, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 नवम्बर, 1978।
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 30 नवम्बर 1978

निवेश सं० प्राईंट ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/1172:-
ग्राम, मुझे, बी० एल० राव,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया थया है:—

(क) अन्तरण से हूँ फिसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी छरने या चससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धार्य या किसी बन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता:—

1. श्री मोहनलाल पिता श्री कन्हैया लाल निवासी माधव नगर कमला नेहरू मार्ग, उज्जैन।
(अन्तरक)

2. श्री कलाश सिंह पिता राम प्रसाद चौहान सेवारत बैंक आफ इंडिया खाचरोद, निवासी उज्जैन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्ता के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्ता के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल मकान नं० 6/370/2, नया नं० 17 स्थित कमला नेहरू मार्ग, माधव नगर, उज्जैन।

बी० एल० राव;
सक्षम प्राधिकारी,
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/78-79/1173—
श्रतः, मुझे, बी० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो मौजा इच्छापुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री गोपालदास बल्लभ दास सरकारी निवासी प्रतापपुर
नगर, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राम पुढ़ श्री आब कार चौधरी निवासी मौजा
इच्छापुर, तह० बुरहानपुर।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 5.36 एकड़ नया खसरा नं० 558 साथ एक
कुंआ व मोटर पम्प 5 हार्सेपावर मौजा इच्छापुर तह० बुरहानपुर।
पूर्णरूप से 37 जी कार्म में वर्णित है।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 230 नवम्बर, 1978

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1194—

अतः मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम शाहपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के, अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शान्ति लाल पुत्र श्री मोती लाल जैन निवासी राजपुरा, बुरहानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण पुत्र श्री विठ्ठल महाजन निवासी, बाधोवे बुजर्ग तह० रावेर (महाराष्ट्र)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इफ्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि माप 5.50 एकड़ नया खसरा नं० 29, ग्राम शाहपुर तह० बुरहानपुर पूर्ण रूप से 37 जी कार्म में वर्णित है।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 30 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निवेश सं० आई एसी/एक्वी/भोपाल/78-79/1195:—

प्रति: मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-घ
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो हृदौर में स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पुरु रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हृदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 28 अप्रैल, 1978
को पूर्वोक्त सम्बलि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत
अधिक है और प्रत्यक्ष (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष के लिखित वै वास्तविक
रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी दाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी झल या घास पास्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे
पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रति: यह, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-ग के भनुत्तरण
में मे, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ति :—

1. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री बाल चन्द्र जी जन लुहाड़िया,
निवासी 13 बी बीलडर्स कालोनी, इन्दौर।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री जमना लाल हुकुम चन्द्र एच० य० एफ० द्वारा
कर्ता श्री जमना लाल पुत्र श्री हुकुम चन्द्र जैन, निवासी-
32 भारत मार्ग, इन्दौर।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समांदी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

मूलिसिपल मकान नं० 21 ए नेमी नगर, जैन कालोनी,
इन्दौर।

बी० एल० राव,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1 दिसम्बर, 1978

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1196—

यतः मुझे, बी० एल० राव,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संबंधमें प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है प्रीर

जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो बड़ियाहाट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 29-4-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री राजाराम पुत्र श्री मुन्नालाल जी भांभी निवासी ग्राम/तह० व जिला इन्दौर / शिवनी।
(अन्तरक)

2. (1) श्री देवी सिंह (2) श्री शिवराम और (3) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र खुमान जी जाति खाती निवासी ग्राम जनकपुर तह० व जिला, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम बड़िया हाट तह० व जिला इन्दौर विधानसभा संघे नं० 292, 293, 294, 310 रक्का 10° 9 हैक्टेयरसंघा 27.35 एकड़ साथ पक्का कुआं व मोटरपम्प।

बी० एल० राव,
संभेद प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1 दिसम्बर, 1978।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए सी०/एम्की०/भोपाल/78-79/1197:—
अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि
भूमि है, तथा जो ग्राम शाहपुर में स्थित है (और
इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनानं प्रान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपायद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शान्तीलाल पुत्र श्री मोती लाल जैन, निवासी राजपुरा,
बुरहानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश पुत्र लक्ष्मण महाजन निवासी वाधोदे बुजरुग
तह० रावर (महाराष्ट्र)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 5 एकड़ नया खसरा नं० 29 की स्थित ग्राम
शाहपुर तह० बुरहानपुर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1 दिसम्बर 1978
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 1 दिसम्बर 1978

निवेश सं० आई ए सी /एक्वी/भोपाल/78-79/1198—
ग्रतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ओर
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरज के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किए
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

19—436GT/78

1. (1) श्री चन्द्र भान अयोद्यास निवासी राधानगर,
इन्दौर। (2) श्री गोविन्द दाम रत्न लाल निवासी
माधूनगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री शिव लाल टेकचन्द जी कंधारी निवासी 124, पालमी-
कर कालौनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 124 का पश्चिमी भाग, पलमी-
कर कालौनी, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1978
 निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1199:—

श्रतः, मुझे, बी० एल० राव,
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हीं में स्थित है (अग्रीर
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हीं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 घन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)

के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात्:—

1. श्री प्रस्तावालाल पुत्र श्री रामभारायण जी जाजू निवासी
 मकान नं० 82, गली नं० 2, मोती तबेला 1, इन्दौर।
 (अन्तरक)
2. श्री मधुरालाल पुत्र श्री मनी लाल जी जैन निवासी मकान
 नं० 14/1, नार्थ राज मोहला, इन्दौर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
 कार्यालयीय करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
 गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 82, स्थित गली नं० 2, मोती तबेला-1,
 इन्दौर।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, भोपाल

तारीख : 1 दिसम्बर, 1978।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर 1978]

निदेश मं० आई ए सी/एश्वी/भोपाल/78-79/1200:-
आतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
धन्धिक है

और जिसकी मं० मकान है, तथा जो इन्हीं में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुभूक्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट
प्राधिकारी के कार्यालय, इन्हीं में रजिस्ट्रिकर्ण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिति
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से कुई किसी प्राय की वावत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या धन्य प्राप्तियों को
जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, उपरान्में सुविधा के लिए।

अतः यद्युक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ख के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ख की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द किशोर पुत्र श्री बाल मुकुन्द जी नायक निवासी
साउथ टी० टी० नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

2. (1) श्री संतोष सिंह पुत्र गजमल (2) श्री दिलीप
सिंह पुत्र संतोष सिंह जी व (3) श्री परामर्श सिंह पुत्र
श्री संतोष सिंह जी, निवासी मकान नं० 55, जूना फील
रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि नाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 20 स्थित प्लाट नं० 31, गणेशनगर
कालोनी, इन्दौर।

बी० एल० राव,
मक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेल, भोपाल

भोपाल, विनांक 1 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए सी०/एक्सी०/भोपाल/78-79/1201—
अल०, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पालात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इवाँर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 27-4-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नानिवित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक काप से कषित नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधोन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीर/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानं
मन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के
अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, भवात्—

1. श्री जमना लाल पुत्र श्री हुकुमचन्द जैन, निवासी 32,
नलीया बाखल, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री बद्री लाल पुत्र श्री जालमचन्द जी पोरवाल निवासी,
3, शक्कर बाजार मेन रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीन के संबंध में कोई भी भ्रष्टेष;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताशरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

तीन मंजिला मकान म्युनिसिपल नियरिंग म्युनिसिपल मकान
नं० 32 स्थित नलीया बाखल (भरत मार्ग), इन्दौर।

बी० एल० राव,
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1 दिसम्बर, 1978।

मोहर:

प्रहृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई ए सी/एसी/भोपाल/78-79/1202:—अतः,
मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो इंदौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मनोहर लाल (2) श्री कमल नारायण दोनों पुत्र श्री काशीराम जी सोनी, मिवासी ग्राम हरसोल तह० मह०।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कैलाश पुल गोपाल दास जी (2) श्री गोपाल दास पुल राम नारायण जी महाजन निवासी 9, नरसिंग बाजार, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनोहर

मकान नं० 9 का पूर्वी भाग स्थित नरसिंह—बाजार, इंदौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 7 दिसम्बर, 1978।

मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० आई०ए०सी०ए०एसी०/भोपाल/78-79/1203—अतः मुद्दों,
बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन सम्बन्धमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
कारण सही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के
अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपलापा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकृत्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुखराज बाई मेहता निवासी, मनोरमा गंगा,
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री संतोष मिहू अमर सिंह अजमानी निवासी नेपानगर,
जिला-खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलापण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधाय
में विद्या गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट विक्टोरिया स्टेट रेसिडेंसी एस्ट्रिया, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-12-1978।
मोहर:

प्रकाप प्राई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिसंबर 1 दिसंबर, 1978

निर्देश सं० आई० ए सी/एक्वी/भोपाल/78-79/1204:—
अन०; मुझे, बी० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
स प्रधिक है।

और जिसकी मं० कृपि भूमि है, तथा जो ग्राम खेड़ी में स्थित है
(श्रीर द्वारा उपायकर अनुसूची में आर पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मनावर म, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति लक्ष्माई विश्वा परिन श्री छीतर जी कुलमी
निवासी मनावर तह० मनावर जिला धार।
(प्रस्तरक)
2. श्री बाबू व टीकम दोनों पुत्र श्री दामाजी मिखी जाति
निवासी ग्राम मनावर तह० मनावर जिला धार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाईकोर्ट:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित ग्राम खेड़ी तह० मनावर माप 6. 429
हैक्टेगर्स विर्यरिंग खसरा नं० 4/2, 7, 8/1, 6/4, 8/3, व 8/4।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 1 दिसंबर, 1978
मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रज्ञन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिसम्बर 2 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० श्राई० ए सी/एन्सी/भोपाल/78-79/1205—

अतः मुझे, वी० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हीं में स्थित है (आर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हीं, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-4-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों परापत् :—

1. श्रा० संतोष कुमार पुत्र श्री खेम चन्द जी निवासी 24/2, मनोरमा गंज, इन्हौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मोहम्मद नवाब पुत्र श्री फकीर मोहम्मद (2) श्रीमति खेरन्लीसा पति मोहम्मद नवाब (3) श्री मोह० शाकूर पिता फकीर मोहम्मद सभी निवासी 92, रानी पुरा मन रोड, इन्हौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिसिपल मकान नं० 2 स्थित (बना) प्लाट नं० 1, मनोरमा गंज, इन्हौर।

वी० एस० राव,
सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज, भोपाल

तारीख : 2 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1206—

आतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, माध्यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती तनुमा मुकर्जी विधवा परिन श्री एम० के० मुकर्जी निवासी भाँडी बाड़ा केन्द्र, जबलपुर।
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति बण्ठिरन बी० पल्लि श्री शेख इब्राहिम
(2) श्री मो० सलीम (3) श्री मो० कलीम (4) श्री
.....
3 व 4 अवयस्क फुत्र श्री शेख इब्राहिम) सभी निवासी
बड़ी ओमर्ती, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौद्धताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 827 से 827/3 ब्लॅक नं० 92 स्थित (बना) प्लाट नं० 69, बड़ी ओमर्ती, जबलपुर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

20-436GL/78

तारीख: 2 दिसम्बर, 1978

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार :

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं. आई.ए.सी.ए.एस./भोपाल 78-79—अतः
मुझे बी.ए.एल. राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
घारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो भोपाल में
स्थित है (और इससे उपाध्यकर अनुमती में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 17-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्राप्तकर्म रा पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्ट्य से का प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से करित
नहीं किया गया है:-

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-ए.ए.र अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व की
उधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री एम. एच. राव पुत्र श्री एम. नरसिंगराव
निवासी ई-4/36, अरेरा कालोनी, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री एस. के. खरे पुत्र श्री एच. सी. एल. खरे निवासी
34/6, साउथ टी.टी. नगर, भोपाल।
(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकारी
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. ई-4/36, केपीटल प्रोजेक्ट, अरेरा कालोनी,
भोपाल।

बी.ए.ए.ल. राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 8 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्रलेप ग्राही० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्यौ/भोपाल/78-79—ग्रतः,
मुझे, औ० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

ग्र.र जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्रामखिलेंरी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, बदनावर में रजिस्ट्रोकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
शीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्र.र अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री हीरा लाल कुलमी निवासी
ग्राम खिलेंरी तह० बदनावर।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री बालाराम कुलमी निवासी ग्राम
दसाई तह० बदनावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायक सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रक्वा 5.463 हेक्टर्स साथ एक कुंआ, मोटर
पम्प व एक मंजिला मकान स्थित ग्राम खिलेंरी तह० बदनावर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8 दिसम्बर, 1978।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्टी/भोपाल/78-79—अतः,
मुझे, वी० ए८० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुरार में स्थित है (और
इससे उत्तरबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकृत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा-
रा घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थति:—

1. श्री बाबू लाल जैन पुत्र श्री प्रेम राज जैन, निवासी
गंगा माई सन्तर नगर, मोरार।

(अन्तरक)

2. श्री राम विलास अग्रवाल पुत्र श्री राम लाल अग्रवाल
निवासी बारादरी गांधी रोड़, मुरार,
(ग्वालियर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
नियोग अवधि द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुसूची

मनुसिपल मकान नं० 1/1 (नया) बाँड नं० 10, स्थित
2 क्लासी लूप रोड, मुरार, ग्वालियर ।

बी० ए८० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 8 दिसम्बर, 1978 ।

मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79:—अतः,
मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मूल्य भूमि है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और
इससे उपावट अनुसूची में तथा पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को छिन्ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपावट (1) के
अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, प्रार्थतः:—

1. श्री कृष्णा बाई फालके विधवा पति स्व० श्री आनन्द

राव फालके निवासी कृष्णा मन्दिर, फालके का बाजार,
लश्कर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

2. ग्वालियर महीला मण्डल ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

खुली भूमि क्षेत्रफल 7120 वर्ग फुट साथ 5 कमरे खुला
बरान्डा स्थित फालके बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 8-12-1978।

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA
(Admn. Branch I)

New Delhi, the 3rd January 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri R. S. Suri, officiating Assistant Registrar, Supreme Court of India, as officiating Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India, with effect from the forenoon of 2 January, 1979, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to promote and appoint Shri C. Balasubrahmanian, Section Officer, as officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 3 January, 1979, until further orders.

The 4th January 1979

No. F.3/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to dismiss Shri Kunwar Singh II S/o Shri Bach Singh, Officiating Peon from the services of this Registry with effect from the forenoon of 16 August, 1978.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn. J.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th December 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad hoc* basis from 2-12-78 to 28-2-79 or until further orders whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

The 26th December 1978

No. A. 19014/8/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. Lahiri an officer of the Indian Defence Accounts Service, as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 18th December, 1978, until further orders.

The 30th December 1978

No. A.38013/1/77-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri N. Ramanathan, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st December 1978 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A.38013/2/77-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri M. L. Kaushal, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st December 1978 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 1st January 1979

No. P. 1878-Admn.I.—The services of Dr. K. K. Srivastava, a permanent SSO-II in the Defence Institute of Physiology and Allied Sciences and at present serving as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission are replaced at the disposal of the Director General Defence Research and Development w.e.f. the forenoon of 1-1-79.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th January 1979

No. A-19021/3/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Jha, IPS (1961 : Assam/Meghalaya) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 22nd December, 1978 and until further orders.

K. K. PURI,
Deputy Director (Admn.),
C.B.I.

New Delhi the 8th January 1979

No. A-19036/10/77-Ad.V.—Consequent on their repatriation from the Vimalalal Commission of Inquiry on the forenoon of 1-12-78, S/Shri R. S. Narvekar and G. M. Ambadkar, Dy. Supdts. of Police, are posted to Bombay Branch of C.B.I.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 5th January 1979

No. PF/S-236/73-AD.I.—On attaining the age of superannuation at the age of 58 years Shri S. K. Basu, Inspector of Police, on deputation from West Bengal Police, has been relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta with effect from the afternoon of 30-6-1978.

JARNAIL SINGH,
Administrative Officer(E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 2nd January 1979

No. O.II-36/75-Estt.—Consequent on his repatriation to parent Department i.e. Directorate General, P&T, Shri I. K. Sehgal relinquished charge of the post of Deputy Director (Accounts), Pay and Accounts Office CRPF, New Delhi on the forenoon of 16-12-78.

No. 8/23/78-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation of Lt. Col. Laiq Ram, a retired Army Officer, re-employed as Commandant with effect from the afternoon of 8-12-78.

No. F. 11/48/77-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint Late Shri K. H. Karamchandani, a senior public prosecutor of UP Government on deputation to CRPF, substantively in the grade of Asstt. Director (Legal), CRPF with effect from 11-9-78.

The 3rd January 1979

No. F. 2/51/78-Estt. (CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion to the following Subedars of CRPF who were on deputation to ITBP/Directorate of Communications (Ministry of Finance) to the rank of Deputy Superintendent of Police in the CRPF with effect from the date as mentioned against each:

| Sl. No. | Name | Dept. in which officer was serving on deputation | Date of proforma promotion |
|---------|------------------------|--|----------------------------|
| 1. | Shri S. P. Srivastava | Directorate of Communications (Min. of Fin.) | 13-4-77 |
| 2. | Shri Madan Singh Dogra | ITBP | 23-4-77 |

The 5th January 1979

No. O-II-1091/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sunahari Lal Nimesh as GDO; Gd-II (Dy. S.P./Cov. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22nd Sept. 1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

**MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS**

Nasik Road, the 4th Jan 1979

No. 1500/A.—In continuation of Notification No. 1113/A dated 13-10-1978, the *ad hoc* appointment of Shri B. S. More as Dy. Control Officer, India Security Press, Nasik Road will be treated as regular with effect from 30th December.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th January 1979

No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 10-5-78, the appointment of Shri N. N. Aggrawal as Assistant Engineer (Air-conditioning) in Bank Note Press, Dewas on standard deputation terms is extended for a further period with effect from 23-12-78 to 30-4-1979.

P. S. SHIVARAM
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH**

Hyderabad, the 4th January 1979

No. EBI/8-312/78-79/747.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri V. Venugopalachary a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-FB—40—1200/- with effect from 12-10-1978 (FN) until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

B. C. L. NARAYANA
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES**

New Delhi, the 6th January 1979

No. Admn. I/O.O.-468/5-5/Promotion/77-79/2084.—On attaining the age of Superannuation, Shri Parkash Singh, a permanent Accounts Officer of this Office, has retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st Dec., 1978.

His date of birth is 7-12-1920.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR NORTHERN
RAILWAY**

New Delhi, the 9th January 1979

No. Admn./17-14/77/20719.—S/ Shri Om Prakash Jaggi and Romesh Chandra Tulsi, Section Officers (Audit) members of Subordinate Railway Audit Service are appointed to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 in this office w.e.f. 1-12-78 and 2-12-78 A.N. respectively until further orders.

M. A. QADIRI
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT

**OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 28th December 1978

No. 71019(10)/78-AN-II.—On the basis of the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1977 the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them :

| Sl. No. | Name | Date of appointment |
|---------|---------------------------|----------------------|
| 1. | Shri Arunava Dutt | 12-7-1978 (Forenoon) |
| 2. | Kumari Vandana Srivastava | 12-7-1978 Do. |
| 3. | Shri Jacob David | 8-11-1978 Do. |
| 4. | Shri Mohan Das Paljath | 15-11-1978 Do. |
| 5. | Smt. Bindu Agnihotri | 15-11-1978 Do. |
| 6. | Shri Ravi Dutt Ahir | 20-11-1978 Do. |

The 3rd January 1979

No. 68018(2)/71-AN-JI.—The President is pleased, as an interim measure to appoint *ad hoc* the following Junior Administrative Grade officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against them) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that Service with effect from the forenoon of the 20th December, 1978, until further orders under the 'Next Below Rule' :

| Sl. No. | Name | Present assignment |
|---------|-------------------------|--|
| 1. | Shri B. N. Rajan | Director (Finance) on the Board of Hindustan Insecticides Limited, New Delhi. |
| 2. | Shri K. Purナchandra Rao | Officer on Special Duty (Finance), Radar & Communication Board, Ministry of Defence, New Delhi. |
| 3. | Shri R. Krishnamurthi | Joint Secretary & JFA, Department of Revenue & Banking (Revenue Wing), Ministry of Finance, New Delhi. |

R. L. BAKSHI
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION**

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

**OFFICE OF THE CONTROLLER OF IMPORTS AND
EXPORTS**

New Delhi, the 9th January 1979

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/597/60-Adm. (G).—On attaining the age of superannuation, Shri R. S. Raje, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay relinquished the charge of the post on the afternoon of 30th November, 1978.

K. V. SESHA DARI
Chief Controller of Imports and Exports

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER,
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi, the 23th November 1978

No. 12(750)/72-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri A. Rama Rao, Assistant Director (Gr. I) Metallurgy Small Industries Service Institute, Hyderabad, as Deputy Director (Met.) in S.I.D.O. with effect from the forenoon of 26th September, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri A. Rama Rao relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Met.) in SISI, Hyderabad on the afternoon of 16th September, 1978 and assumed charge of the post of Deputy Director (Met.) in SISI, Cuttack on the forenoon of 26th September, 1978.

The 8th December 1978

No. 12/663/70-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical), Branch Institute, Bhiwani to officiate as Deputy Director (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 15th November, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri Sharma relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mech.) in the Branch Institute, Bhiwani on the forenoon of 15th November 1978 and assumed charge as Deputy Director (Mechanical) in the Branch Institute, Bhiwani on the forenoon of 15th November, 1978.

The 19th December 1978

No. A-19018/144/74-Admn. (G).—Consequent upon his appointment as Technical Adviser in the Indian Investment Centre, Allahabad, Shri A. K. Sarkar relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute Allahabad, with effect from the afternoon of the 5th November, 1978.

2. The services of Shri A. K. Sarkar are placed at the disposal of the Indian Investment Centre with effect from the 5th November 1978, (Afternoon).

No. A-19018(368)/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shrimati Sreedevi Ravindran, Programmer in the Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum, to officiate as Programmer in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 29-11-1978 on ad-hoc basis for a period of six months, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier, on the usual deputation terms and conditions.

2. Consequent upon her appointment on ad-hoc basis Shrimati Sreedevi Ravindran assumed charge as Programmer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. the forenoon of 29th November, 1978.

The 21st December 1978

No. 12(17)/61-Admn. (G).—The President is pleased to permit Shri O. P. Jain, Director (Gr. I) (Export Promotion) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi to retire from Government Service on the afternoon of 30th November, 1978 after attaining the age of superannuation.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

**DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION 6)**

New Delhi, the 3rd January 1979

No. A-17011/148/78-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri V. N. Deshpande, Examiner of Stores (Met.) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.) in the Jamshedpur

Inspectorate under this Dte. General w.e.f. the forenoon of 4th December, 1978 and until further orders.

P. D. SETH
Dy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 29th December 1978

No. F. 11/2-1/75-A.—Shri B. L. Razdan, Asstt. Chemist (Gr. I) is appointed to officiate as Scientific Officer (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis w.e.f. 21-12-78 (F.N.) and until further orders. This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to the next higher grade.

Sd./ ILLEGIBLE
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the January 1979

No. 10/7/78 SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pinaki Ranjan Mahapatra as Assistant Engineer at HPT, All India Radio, Chinsurah in a temporary capacity with effect from the 24-10-78 until further orders.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(FILMS DIVISION)**

Bombay-26, the 1st January 1979

No. 5/20/69-Est. I(Pt).—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri A. R. Sharief, Officiating Camerman, Films Division, New Delhi, to officiate as Newsreel Officer at Bhopal with effect from 18-12-1978 (FN) until further orders.

N. N. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd January 1979

No. 6-20/78-DC.—The President is pleased to appoint Dr. A. C. Das Gupta, Associate Pharmaceutical Chemist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Bio-Chemist, in the same laboratory, with effect from the forenoon 21-10-78, on an ad-hoc basis and until further orders.

Dr. A. C. Das Gupta relinquished charge of the post of Associate Pharmaceutical Chemist on the same day.

S. K. KARTHAK
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 2nd January 1979

No. A. 31013/6/77(JIP)Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Javashankarappa to the post of Child Psychologist, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, in a substantive capacity with effect from the 10th July, 1972.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th January 1979

No. 9-52/75 CGHS I.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. L. K. Pradhan relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Government of Health Scheme, Patna on the afternoon of 11th November, 1978.

The 8th January 1979

No. A 19019/1/77-CGHS.I.—On transfer from the Central Government Health Scheme, Bombay, Dr. (Miss) Baljit Kalsi, Homoeopathic Physician assumed charge of her post in the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 16th October, 1978.

N. S. BHATIA,
Dy. Dir. Admn.
CGHS

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 2nd January 1979

No. A.19025/67/78-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri D. P. Singh, officiating as Assistant Marketing Officer on short term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 31-8-78 (F.N.) until further orders.

The 6th January 1979

No. A.19024/9/78-A.III.—The short-term appointment of Shri A.A.S. Prakasa Rao to the post of Chief Chemist has been extended upto 31-3-1979 or till the post is filled on a regular basis which ever is earlier.

B. L. MANIWAR.
Dir. of Admin.
for Agriculture Marketing Adviser
to the Govt. of India

Nagpur, the 8th November 1978

No. F.2/8/76-D.II.—For the purpose of the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Finance Department (Central Revenue) Ministry of Finance (Revenue Division) notifications No. 125, 126, 127 dated 15-9-62, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, No. 2907 dated 5-3-1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C dated 1-10-1971, No. 3102 dated 3-11-1973, No. 12 dated 9-1945, No. 1 Camp dated 5-1-1946, No. 6 dated 5-2-1949, No. 64 dated 17-6-1961 and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri H. N. Rai, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Agmark Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel seed, Fennugreek seed, Celery seed, Cumin Seed and Tobacco which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marketing Rules of the respective Commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937 (I of 1937).

J. S. UPPAL,
Agri. Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 12th December 1978

No. PPED/24(4)/75-Adm.—Shri B. Gopalaswamy, a temporary Scientific Officer/Engineer-Grade SD serving in the Madras Atomic Power Project is appointed in a substantive capacity against the permanent post of Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Central Pool of the Power Projects Engineering Division with effect from February 1, 1974.

to the Govt. of India
M. R. SRINIVASAN.
Director

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 15th December 1978

No. AMD-2/2348/75-Adm.—Consequent on his selection for appointment as Scientific Officer/SC in Bhabha Atomic Research Centre the resignation tendered by Shri S. B. Vyas, 21-436GI/78

temporary Scientific Officer/SB (Mechanical) of the Atomic Minerals Division has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 19-12-1978 (Afternoon).

The 31st December 1978

No. AMD/1/14/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. S. Anil Kumar, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1978 until further orders.

The 2nd January 1979

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. R. Tuli, Permanent Assistant Administrative Officer in the Atomic Minerals Division as Administrative Officer-II in the same Division purely on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1-11-1978 vice Shri S. K. Malhotra, Administrative Officer-II appointed as Administrative Officer III until further orders.

S. Y. GOKHALE, Sr. Adm.
& Accounts Officer.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 3rd January 1979

No. 05052/78/E/45.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Suryakant Trimbak Kale, a permanent Tradesman 'B' in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Scientific Assistant 'C' in Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same office, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN, Sr. Adm. Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 29th December 1978

No. TAPS/1/20(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri A.P. Patil, a permanent Assistant Security Officer, Tarapur Atomic Power Station as Security Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960, on ad-hoc basis with effect from 4-12-1978 (A/N) to 6-1-1979, vice Shri D. D. Banerjee, Security Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE,
for Chief Adm. Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 29th December 1978

A.32023/1/77/R-229845.—Shri M. Krishnamoorthy who was promoted to officiate on an adhoc basis from September 4, 1978, vide this Centre's Notification No. RRC-II-1(20)/72-18596 dated October 12, 1978 has relinquished charge of the said post with effect from the forenoon of October 31, 1978.

A. SETHUMADHAVAN, Adm. Officer
for Project Director

**OFFICE OF THE PROJECT DIRECTOR (MONEX)
(METEOROLOGICAL OFFICE)**

New Delhi-110003, the 25th November 1978

No. MONEX-00508.—Shri T. N Chaturvedi is hereby appointed as an Accounts Officer on an Ad-hoc basis, in the Central Civil Accounts Service Group B (Central Civil Service, Group B Gazetted) with effect from the forenoon of 1st March, 1977 and until further orders.

Shri Chaturvedi has been posted to the Headquarters office of the Project Director (Monex) New Delhi.

OM PARKASH, Meteorologist
for Project Director (Monex)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th December 1978

No. A.35018/2/78-EI.—Shri T. V. Rajeswar, IPS (AP: 1949) relinquished the charge of office of Director, Civil Aviation Security and ex-officio Additional Director General, Civil Aviation Department, New Delhi, on the forenoon of the 6th November, 1978.

No. A.35018/2/78-EI.—The President is pleased to appoint Shri Bhawani Mal, I.P.S. (Raj. 1950) as Director, Civil Aviation Security in the Civil Aviation Department in the pay scale of Rs. 2500-125/2-2750, with effect from the 27th November, 1978, for a period of one year in the first instance.

C. K. VATSA,
Asstt. Dir. Adm.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Allahabad, the 2nd December 1978

No. 34/1978.—Shri N. P. Srivastava, Superintendent Group 'B' posted at Central Excise I.D.O. Sitapur has relinquished the charge of his duties in the afternoon of 31st July, 1978 and retired from the Govt. Service on attaining the age of Superannuation.

D. P. ARYA,
Collector

Kanpur, the 5th January 1979

No. 54/1978.—Consequent upon his promotion to the grade of Supdt. Central Excise Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur, Estt. Order No. I/A/162/78 dated 16-6-78 issued under C. No. II-22-Estt/78/29636 dated 17-6-78 and I/A/73/78 dated 22-6-78 issued under C. N. II-22-Estt/78/31330 dated 24-6-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Shri M. D. Shukla took over/assumed charge of Supdt. Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office Kanpur in the forenoon 29-6-78.

No. 53/1978.—Consequent upon his promotion to the grade of Administrative Officer/ACAO/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/254/78 dated 19-8-78 issued under endt. C. No. II-145-Estt/75/40410 dated 28-11-78 issued under I/A/28-11-78 issued under C. No. II-145-Estt/75/57942 dated 28-11-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri S. S. Lahri, Office Supdt. Central Excise took over charge of Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Hdqrs. Office Kanpur in the forenoon of 1-12-78.

K. L. REKHI,
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 8th January 1979

No. 23-TR(1)/75.—Shri M. P. Gokhale, Lecturer-in-Mathematics & Physics in the I.B.S. Nautical and Engineering College, Bombay relinquished charge of his post with effect from 1-8-1978 (F.N.) consequent upon acceptance of his resignation.

K. S. SIDHU,
Dy. Dir. Genl.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 1st January 1979

No. 6/5/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri R. C. Gupta, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-11-78 until further orders.

No. 6/5/78-Adm.II.—The Chairman Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors/Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names until further orders:—

1. Shri V. Prakash, Technical Assistant, 29-11-78(FN)
2. Shri Amit Ghosh, Supervisor, 27-11-78(FN)
3. Shri S. S. Ghosh, Supervisor, 29-11-78(FN).

S. BISWAS.
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Su-Juice Private Limited*

Bombay, the 27th December 1978

No. 15959/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Su-Juice Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. General Enamel Products Pvt. Limited*

Bombay, the 27th December 1978

No. 13147/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. General Enamel Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Independent Foreign Film Importers Association*

Bombay, the 27th December 1978

No. 16847/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Independent Foreign Film Importers Association, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vagad Savings & Chit Fund Private Limited*

Bombay, the 29th December 1978

No. 14777/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vagad Savings & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Indian Chemical and Paper Industries Private Limited*

Cuttack, the 2nd January 1979

No. S.O./633/3607(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Indian Chemical and Paper Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Kotpad Pragana Trading Co. Private Limited*

Cuttack, the 2nd January 1979

No. S.O./159/3608(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Kotpad Pragana Trading Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Standard Business Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 3rd January 1979

No. 12608/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Standard Business Syndicate Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jolly Chemi Plastics Private Limited*

Calcutta, the 3rd January 1979

No. 27877/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Jolly Chemi Plastics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Lockfast Chemicals Private Limited*

Calcutta, the 31st January 1979

No. 30077/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Lockfast Chemicals Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bansdroni Land Development Co. Limited*

Calcutta, the 3rd January 1979

No. 26931/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Bansdroni Land Development Co. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastman Printers Private Limited*

Calcutta, the 3rd January 1979

No. 28965/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Eastman Printers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Maruti Agencies Private Limited*

Calcutta, the 3rd January 1979

No. 25699/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Maruti Agencies Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIRCAR
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE
TRIBUNAL

Bombay-400020, the 2nd January 1979

No. F.48-Ad(AT)/78.P.II.—On reaching the age of superannuation, Sri K. B. Srivastava, Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay retired from the Government service with effect from the forenoon of 1st January, 1979.

P. D. MATHUR
President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 1st January 1979

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/78-79/36176.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circles shall be created with effect from 1-1-1979.

Distt. IV(1) Addl. New Delhi.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi.

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD
ROHTAK**

Rohtak, the 18th December 1978

Ref. No. KNL/1/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 kanal 13 marla alongwith building thereon and situated at Kunjpura Road, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Avtar Singh s/o Shri Mohan Singh, 2. Smt. Surjit Kaur w/o Shri Mohan Singh, 3. S/Shri Kewal Krishan Chawla, Vijay Mohan Chawla, and Pushpinder Chawla, sons of Shri Bhagmal Chawla, R/o Karnal.

(Transferor)

(2) M/s. Super Soles (India), Opp. I.T.I., Kunjpura Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 13 marlas (Approx. 2800 sq. yds.) alongwith building situated opposite I.T.I., Kunjpura Road, Karnal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 287 dated 18-4-1978 with the Sub-Registrar, Karnal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. Seenappa, S/o Subbaiah, Race Course Road,
New Extension, Madikeri, Coorg Dist.
Transferor(s)

(2) Shri Mundachadira N. Chinnappa, S/o Nanjappa,
Mythadi Village, Virajpet Taluk, South Coorg.
Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December 1978

C.R. No. 62/17468/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 131/1 30A 64C
Sy. No. 132/2 1A 45C
Sy. No. 132 2A 35C

Total 34. 44 of Coffee land situated at Mekeri Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara, Document No. 23/78-79 on 5-4-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

| | |
|---|-------|
| [Registered Document No. 23/78-79 dated 5-4-78] | |
| Sy. No. | A.C. |
| 131/1 | 30.64 |
| 131/2 | 1.45 |
| 132 | 2.35 |
| <hr/> | |
| 34.44 | |

of Coffee land situated at Mekeri Village, Madikeri Taluk, Coorg Dist.

Boundries for Sy. No. 131/1

East=Village boundry

West=Sy. No. 128, 129 and 136

North=Sy. No. 129 and 130 and

South=Sy. No. 132 and village boundry.

Boundries for S. No. 132/2

East=Sy. No. 131/1

West=Sy. No. 131/1

North=Sy. No. 131/1 and

South=Village boundry and Sy. No. 135

Boundries for Sy. No. 132

East=Village boundry

West=Sy. No. 133 and 134

North=Sy. No. 131/1 and

South=Sy. No. 133 and Village boundry.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Akash & Ambar Trust,
15, Park Street Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd November 1978

Ref. No. Ac-22/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8-B, situated at Alipore Road, Calcutta share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 8-4-1978 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) Sri Som Prakash Gupta,
8-B, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat situate on the 5th floor of premises No. 8-B, Alipore Road, measuring about 1981-Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Akash & Ambar Trust,
15, Park Street Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd November 1978

Ref. No. Ac-23/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. Yadav, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 8-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kishanlal Lohia,
13, Noormal Lohia Lane,
Calcutta.
(Transferee)(3) Transferee
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that the flat situate on the 5th floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring about 2195-Sq. ft.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-11-1978
Seal :

FORM ITNS(1) M/s. Akash & Ambar Trust,
15, Park Street Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA**

Calcutta, the 22nd November 1978

Ref. No. Ac-24/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. Yadav, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 8-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Raghunath Dass Somany,
8-B, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULEAll that the flat on the 4th floor of premises No. 8-B, Alipore-Road, measuring about 214 $\frac{1}{2}$ -Sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 22-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prannath Kayship,
1A, Ballygunj Circular Road,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Agarwal,
126, Hazra Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 22nd November 1978

Ref. No. Ac-25/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. Yadav, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 29-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undivided proportionate interest in the piece and parcel of land measuring about 8-cottahs & 29-sq. ft.—a two bed room flat along with servant's room at 8-A, Alipore Road, Calcutta.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—436GI/78

Date : 22-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 23rd November 1978

Ref. No. Ac-26/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. Yadav, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13C, situated at Watgunj street, Calcutta-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sabita Singh
W/o Shri Keshaw Prosad Singh,
5/H/5, Shah Rajab Road,
Calcutta-22.

(Transferor)

(2) Shri Sk. Abdul Khalique,
P-20, C.I.T. Road, Calcutta-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8-cottahs and 35-sq. ft. together with single storeyed structure with asbestos shed at 13C, Watgunj Street, Calcutta-23.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Uttam Singh Dugal & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sewa Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 21st November 1978

Ref. No. AC-45/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 252, situated at Kh. No. 412/1 and 412/2, Mouza Siliguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 12-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 26.438 cottahs situated at Pradhan Nagar, Siliguri being part of Plot No. 252 Kh. No. 412/1 and 412/2 in Mauza Siliguri District Darjeeling more particularly as per deed no. 2711 dated 12-4-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA**

Calcutta, the 18th November 1978

Ref. No. 420/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-3 situated at Madan Chatterjee Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Beni Prasad Tekriwala, Trustee of the Estate of Satyanarayan Temple, 22/1 Madan Chatterjee Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Nath Shah, 16, Rajendra Nath Mullick Street, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the covered space admeasuring 849.5 sq. ft. on the ground floor of the premises No. P3, Madan Chatterjee Lane, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 18-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Munshilal Agarwal,
160, Mahatma Gandhi Road,
Calcutta-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-IV,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1978

Ref No. 421/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27/1E, situated at Nayan Chand Dutta Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kantilal Jagjiwan Saraiya, HUF
134/1, Mahatma Gandhi Road,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 12 chittacks and 32 sq ft. together with a four storied structure standing thereon at premises No. 27/1E, Nayan Chand Dutta Street, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III.
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 23rd November 1978

Ref. No. 423/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
 being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275 situated at Netaji Subhas Chander Bose Road, Calcutta-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 22-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashit Baran Das Chowdhury & Shyama Charan Das Chowdhury—both of 128A, Southern Avenue, Calcutta-29.
 (Transferor)

(2) Shri Ashim Kumar Chatterjee, 294, Dum Dum Park, Calcutta-55.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area 5 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. being portion of premises No. 275, Netaji Subhas Chander Bose Road, P.S. Jadavpur, Calcutta, more particularly as per deed No. 1683 of 1978 registered before the Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

VASKAR SEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Calcutta,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 23-11-1978
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 23rd November 1978

Ref. No. 424/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275 situated at Netaji Subhas Chander Bose Road, Calcutta-47 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alipore Sadar on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Tishya Shome,
253/1, Purba Sinthi Road,
Calcutta-30.
2. Sri Shyama Charan Das Choudhuri,
128A, Southern Avenue, Calcutta-29.
(Transferor)
- (2) 1. Sri Dipak Roychoudhury,
5H, Ultadanga Main Road,
Calcutta-4.
2. Sm. Maya Banerjee,
272/2, Shyamnagar Road,
Calcutta-55.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area 5 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. being portion of premises No. 275, Netaji Subhas Chander Bose Road, P.S. Jadavpur, Calcutta, more particularly as per deed No. 1765 of 1978 registered before the Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IV,
 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
 CALCUTTA
 Calcutta, the 23rd November 1978

Ref. No. 425/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

275 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 24-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Ajit Baran Daschoudhury and
 2. Sri Shyama Charan Das Choudhuri,
 128A, Southern Avenue, Calcutta-29.
 (Transferor)

(2) 1. Sri Ashim Kumar Chatterjee,
 294, Dum Dum Park, Calcutta-55.
 2. Sm. Alpana Banerjee,
 272/2, Shyamnagar Road, Calcutta-55.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area 5 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. being portion of premises No. 275, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, Calcutta, more particularly as per deed No. 1691 of 1978 registered before the Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

VASKAR SEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV, Calcutta,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 23rd November 1978

Ref. No. 426/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN Income Tax. Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 25-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—436GI/78

(1) 1. Sm. Manju Pal,
96, Ballavbhai Patel Road,
P.O. Titagarh, 24-Pgs.
2. Sri Shyama Charan Das Choudhuri,
128A, Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Shri Kartick Baidya,
Village Mamudpur, P.O. Kundar Ali,
P.S. Bauipur, 24-Parganas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area 5 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. being portion of premises No. 275, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, Calcutta, more particularly as per deed No. 1712 of 1978 registered before the Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 24th November 1978

Ref. No. 427/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
179-B situated at Ramesh Dutta Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 28-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sm. Sunity De, Mukul De, Yayanta De, Partha De,
Smt. Kajal Das, Sm. Krishna Das—all of 179-B,
Ramesh Dutta Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Devi Mital,
W/o Sri Ramesh Ch. Mital,
5, Babulal Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied brick built building containing an area
of 4 cottahs 14 chittacks of land being premises No. 179-B,
Ramesh Dutta Street, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyama Pada Chowdhury, Trustee,
Debendra Nath Chowdhury Estate,
157, B. K. Paul Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sikha Chakraborty,
12, Hara Chandra Mullick Street,
Calcutta.

(Transferee)

(3) M/s. Saha Textiles,
Sri Dharendra Lal Poddar,
Charan Das Textiles,
Sree Ram Krishna Knitting Mills,
M/s. Pilot Hosiery Mills and
M/s. New India Textiles.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KJDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th December 1978

Ref. No. 429/Acq.R-IJI/78-79/Cal.—Whereas, I, VAS-KAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

7 situated at Hara Chandra Mullick Street, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring three cottahs two chittacks and three and half sq. ft. together with a building at 7, Hara Chandra Mullick Street, Calcutta registered under Deed No. 1793 of 1978.

VASKAR SEN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,

Date : 7-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th December 1978

Ref. No. 430/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000. - and bearing No.
7, situated at Hara Chandra Mullick Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-4-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Sunil Chandra Bhowmick,
6/10, Kali Charan Ghosh Road,
Calcutta-50.
2. Shri Sushil Chandra Bhowmik,
38, Lake Temple Road,
Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Smt. Sikha Chakraborty,
12, Hara Chandra Mullick Street,
Calcutta-5.

(Transferee)

(3) Shri Charan Dass Textiles,
Saha Textiles,
Sri Dhurendra Lal Poddar,
Sree Ram Krishna Knitting Mills,
M/s. Pilot Hosiery Mills and
New India Textiles.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269 D of the said Act to the following
person namely :—

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring three cottahs
seven chittucks and thirty five sq. ft. together with a building
at 7, Hara Chandra Mullick Street, Calcutta registered under
Deed No. 2081 of 1978.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.
Date : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Annapurna Chatterjee,
C/o Sri Madan Mohan Mukherjee,
100/1A, Sarpentine Lane, Calcutta-14.

(Transferor)

(2) Smt. Rini Gupta,
W/o Shri Munish Gupta,
P-508, Keyatala Road, Calcutta-29.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th December 1978

Ref. No. 431/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
20 situated at Suren Tagore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 18-4-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half-share of partly two storied and partly three storied dwelling house together with the piece and parcel of land measuring 4 cottahs 7 chittacks 7 sq. ft. comprising premises No. 20, Suran Tagore Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Annapurna Chatterjee,
C/o Sri Madan Mohan Mukherjee,
100/A1, Surpetine Lane, Calcutta-14.

(Transferor)

(2) Shri Pankaj Chaudhury,
of Boring Canal Road,
Patna-1, Bihar.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 12th December 1978

Ref. No. 432/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
20 situated at Suren Tagore Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Alipore on 18-4-1978
for an apparent consideration which is, less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half-share of partly two storied and
partly three storied dwelling house together with the piece
and parcel of land measuring 4 cottahs 7 chittacks 7 sq. ft.
comprising premises No. 20, Suren Tagore Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III,
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th December 1978

Ref. No. AC-49/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 3/1402 and 20, situated at Mouza Harisadi, P.S. Salampur, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sri Jitendra Nath Chatterjee,
2. Sri Gostodhone Chatterjee,
3. Sri Tarun Kumar Chatterjee,
4. Sri Nirmal Chandra Bhattacharjee,
All partners of M/s. Associated Timber Industries
(Transferor)

(2) M/s. Shree Maruti Chemicals Industries Pvt. Ltd.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 13 bighas 10 cottahs 9 chittaks together with buildings and structures thereon being Dag No. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 3/1402 and 20 in Mouza Harisadi P.S. Salampur, District: Burdwan more particularly as per deed No. 2176 dated 29-4-1978.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1978

Ref. No. CHD/135/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Property No. 21-A Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1952) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdeep Singh and Sh. Charanjit Singh sons of Shri (Dr.) Jodh Singh, r/o 194, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi w/o Shri Parma Nand through S.P. of Attorney, Shri Parsina Ram, r/o 367, Mohalla Santokhpura, Jullundur City.

(Transferee)

(3) M/s Avinash Trading Co.,
6, Sector 21-A, Chandigarh.
M/s Arbean Gulf Traders,
6, Sector 21-A, Chandigarh.
Shri Daya Krishan Sehgal,
6, Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 66/2 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1978

Ref. No. CHD/149/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 137, Sector 28-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Major General Lachman Singh Lehal s/o Shri Amar Singh Lehal, r/o Bungalow No. 5 Lodi State, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Gill s/o Sh. Dilbag Singh Gill and Shri Sanjiv Gill s/o Shri Gurdev Singh Gill through Sh. Umrao Singh as Attorney, r/o House No. 111, Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 137, Sector 28-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 185 of May, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—436GI/78

Date : 14-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. CHD/139/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Property No. 33, Sector 18-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila Rekhi w/o Shri Lachhmi Narain Rekhi r/o 10 Lenha Singh Market, Malika Ganj, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Tara Wati w/o Shri Datta Ram Kaushal, r/o H. No. 33, Sector 18 A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 33, Sector 18-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 92/1 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Lav Kumar s/o Late Dr. Mohan Lal Singh,
r/o 235, Sector 18-A, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Pritam Singh and Des Raj sons of
Shri Sunder Singh r/o 3260, Sector 27-D,
Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. CHD/127/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property Booth-cum-Office No. 118, Sector-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) M/s Gopal Mill Store,
Booth-cum-Office No. 118, Sector 28-D,
Chandigarh.
M/s Sharda Janta Model School,
Booth-cum-Office No. 118, Sector 28-D,
Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Booth-cum-office No. 118, Sector 28-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the '...' No. 29 of April, 1978 of the Registering ...).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. CHD/124/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 551, Sector 8-B, Chandigarh on a plot measuring 650 Sq. yards situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri D. C. Bharadwaj, Labour Advisor,
17, Nissen Huts, Faridabad.
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Aggarwal, Advocate and
Mrs. Pushpa Gupta, r/o
House No. 1159, Sector 8-C, Chandigarh.
(Transferee)
- *(3) 1. Shri Vig, 551, Sector 8-B, Chandigarh.
2. Shri Kartar Singh, 551, Sector 8-B, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 551, Sector 8-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 10 of April, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec. 1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Bali Ram,
r/o Dhojan Street, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. NBA/4/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1 land measuring 17 bigha 18 biswas situated at village Duladi, Teh. Nabha situated at V. Duladi Tehsil Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1 & 2 S/Shri Lal Chand & Ved Paikash ss/o Sh. Dwarka Dass, c/o M/s Goyal Cloth House, Sabji Mandi, Nabha.

3 & 4 S/Shri Naurat Ram & Ganpat Rai, ss/o Sh. Hari Ram, c/o M/S Dwarka Dass Hari Ram Bhabrian Bazar, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 18 biswas situated at village Duladi, Tehsil Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 117 of April, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Maharani Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh, r/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal & Co.
23-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

(3) 1. Gajja Singh s/o Hardit Singh,
2. Harbans Singh,
3. Gurbans Singh,
Sukhbans Singh, and
5. Chitwant Singh ss/o Gajja Singh,
residents of Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th December 1978

Ref. No. PTA/4/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land measuring 33 kanals situated at Village Galhori, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 kanals situated in village Galhori Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 231 of April, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 9-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Maharani Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh, r/o Kothi Lal Bagh, Patiala.
(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal & Co.,
23-B, Model Town, Patiala.
(Transferee)

(3) 1. Gajja Singh s/o Hardit Singh,
2. Harbans Singh,
3. Gurbans Singh,
Sukhbans Singh and
5. Chitwant Singh ss/o Gajja Singh,
residents of Village Galhori, Teh. Patiala.
(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th December 1978

Ref. No. PTA/5/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Agricultural land measuring 31 kanals 18 marlas situated value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 kanals 18 marlas situated in Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in Registered deed No. 301 of April, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal son of Shri Wasdev,
r/o 2951 Township, Rajpura, Distt. Patiala,
(Transferor)

(2) M/s. Industrial Cables (India) Limited,
Industrial Area, Rajpura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th December 1978

Ref. No. RAJ/3/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property on a part of plots measuring 1329 Sq. yards bearing Nos. 34 & 40 situated at Industrial Area, Rajpura, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raj Pura in April, 1978

Raj Pura in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 34 & 40, Industrial Area, Rajpura over a part of plots measuring 1329 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 160 of April, 78 of the Registering Officer, Rajpura.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 Dec. 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radhey Sham s/o Shri Bharu Ram,
2839 Township, Rajpura, Distt. Patiala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th December 1978

Ref. No. RAJ/2778-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property bearing No. 34, Industrial Area, Rajpura, over a plot measuring 1228 Sq. yards situated at Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
25—436GI/78

(2) M/s Industrial Cables (India) Limited,
Industrial Area, Rajpura, Distt. Patiala.
(Transferee)

(3) 1. The Senior Superintendent,
Post Office, Patiala Division, Patiala.
2. M/s Rama Packing & Wire Industries (P) Ltd.
34-Indl. Area, Rajpura-140401 (Punjab).
(Person in occupation of the Property)

(4) The Sub-Post Master,
34-Indl. Area, Rajpura-140401.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 34, Industrial Area, Rajpura over a plot measuring 1288 Sq. yards.

(The property mentioned in the Registered Deed No. 159 of April, 1978 of the Registering Officer, Rajpura).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13 Dec. 1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. LDH/345/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Factory Building, 2-C. Textile Colony, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Bimal Chand }
ii. Darshan Lal }
iii. Mohinder Lal Sons of Shri Shadi
iv. Yash Pal } Lal Jain,
v. Subash Chander resident of B.5.1172, Wait Ganj, Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s Rajeev Metal Industries,
3-C. Textile Colony, (through Shri Mohinder Lal
Sayal), Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Building 2-C. Textile Colony Ludhiana with land area of 1059 Sq. yards.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 342 of April, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Barinder Kumar, Bhupinder Lal ss/o
Sh. Bhagwan Dass, t/o Khanna Kafan, Teh. Samrala,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. KNN/25/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 kanal 7 marlas situated at Khanna Kalan, Teh. Samrala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Raksha Wati d/o Ram Bhaj c/o
M/s Rakesh Kumar Rajesh Kumar, Cloth Merchants,
Subhash Bazar, Khanna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 7 marlas situated in Khanna Kalan, Teh. Samrala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 74 of April, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec. 1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Balwant Rai, Manohar Lal ss/o Sh. Bhagwan Dass, r/o Khanna Kalan, Teh. Samrala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Sohan Lal s/o Ramji Dass & Rajesh Kumar s/o Sohan Lal r/o Rakesh Kumar, Rajesh Kumar, Cloth Merchants, Subhash Bazar, Khanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. KNN/26/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 kanal 6 marlas situated at Khanna Kalan, Teh. Samrala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in April, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 6 marlas situated in Khanna Kalan, Teh. Samrala,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 75, of April, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15 Dec. 1978.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. SOL/9/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Three storied house known as 'Kishore Bhawan' situated at village Sapron Teh & Distt. Solan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Solan in June, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Nand Kishore, Krishan Kishore, Chander Kishore and Lilit Kishore s/o Durga Nand r/o V. Ghatti (Sapron) Teh & Distt. Solan through G.A. Shri Durga Nand s/o Dhani Ram, r/o V. Ghatti Teh. & Distt. Solan.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chander Nayal s/o Dewan Gopal Dass Naver, Joint Director Animal Husbandry, Himachal Pradesh (Rtd), Simla.

(Transferee)

* (3) 1. Shri Rakesh Gupta, Clerk, State Bank of Patiala.
2. Sh. Charanji Lal, Mechanic, Jawa Motor, Workshop Chambaghat.
3. Sh. Kaushik Sharma, Clerk Audovisual Office, Solan.
4. Sh. Ashok Kumar Sharma, Clerk BED Training College, Solan.
5. Distt. Saving Officer, Solan in D.C. Office.
6. Shri Jai Kishan, Munshi of Sh. Moudgil, Advocate.
7. Shri Balbir Sharma, Instructor ITI.
8. Sh. S. S. Sani, Dy. Director Agri. College, Solan.
9. Sh. Narain Dutt Sharma, Clerk, S.P. Office, Solan.
10. Sh. Dixit, Draftsman, ITI, Solan.
r/o 'Kishore Bhawan' V. Sapron, Teh & Distt. Solan.

(Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house known as 'Kishore Bhawan' situated at Village Sapron Teh. & Distt. Solan.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 135 of June, 1978 of the Registering Officer, Solan)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th December 1978

Ref. No. SML/61/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house property and land situated at New Lands, Circular Road, Chhota Simla, situated at Chhota Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Simla in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Singh s/o Shri Gambhir Chand, New Lands, Chhota Simla now r/o Auckland Villa-2, Darjeeling (West Bengal).
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Pasticha w/o Shri Manmohan Pasticha r/o New Lands Estate, Circular Road, Chhota Simla.
(Transferee)
- (3) Mrs. Manmohan Pasticha r/o New Lands Estate, Circular Road, Simla.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property and land situated at New Lands Estate, Circular Road, Simla.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 429 of June, 1978 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Singh son of Shri Sham Singh
Resident of Nabha.

(Transferor)

(2) M/s. Himlok Rice & General Mills,
2. Shri Om Parkash son of Shri Baldev Krishan
3. Shri Vinod Kumar son of Shri Muna Lal
4. Smt. Savitri Devi w/o Shri Baldev Krishan
5. Smt. Murti Devi w/o Shri Muna Lal, all partners
of M/s. Himlok Rice & General Mills, Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. NAB/16/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 and measuring 9 kanal 15 marlae Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha situated at Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

15—416GI/78

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9K 15M situated at Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha.

(The Property as mentioned in the registered deed No. 221 of May, 1978 of the registering officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 88 Dec. 1978.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. NAB/16/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 kanal 18 marla, Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha situated at Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh son of Shri Sham Singh resident of Nabha.

(i) Smt. Balwant Kaur
(ii) Smt. Jasmer Kaur
(iii) Smt. Surjit Kaur

daughters of Smt. Lachhman Kaur w/o Sh. Sham Singh r/o Nabha,

(Transferor)

(2) M/s Himlok Rice & General Mills, Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha.
2. Shri Om Parkash son of Shri Baldev Krishan
3. Shri Vinod Kumar son of Shri Muna Lal
4. Smt. Savitri Devi w/o Shri Baldev Krishan
5. Smt. Murti Devi w/o Shri Muna Lal, all partners of M/s Himlok Rice & General Mills, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 k 18 m situated at Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha.

(The property as mentioned in the registered deed No. 267 of May, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 Dec 1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Singh son of Shri Sham Singh
resident of Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMNT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. NBA/20/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 7 kanal 15 marla, Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha situated at Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—436GI/78

(2) M/s Himlok Rice & General Mills,
Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha.
2. Shri Om Parkash son of Shri Baldev Krishan
3. Shri Vinod Kumar son of Shri Muna Lal
4. Smt. Savitri Devi w/o Shri Baldev Krishan
5. Smt. Murti Devi w/o Shri Muna Lal, all partners
of M/s Himlok Rice & General Mills, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Kanal 15 marla situated at Ranjit Nagar, Circular Road, Nabha.

(The property as mentioned in the registering deed No. 268 of May, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 December 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. SNG/85/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 16 bighas 6 biswas 17 biswas situated at Village Akoi Sahib, Teh. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Ambala City Gen. Attorney of Smt. Darshan Kaur w/o S. Satinder Singh, r/o Akoi Sahib, Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Gurbakhsh Singh, Labh Singh, Jarnail Singh, Sher Singh, Kaur Singh, Nachhaar Singh ss/o Raghbir Singh, Sohan Singh, Dev Singh, Labh Singh, Kaur Singh ss/o Bhag Singh, Bhag Singh, Dalbara Singh ss/o Teja Singh, Kaur Singh, Niranjan Singh ss/o Gurbachan Singh, all r/o Bangwali, Kamla Devi w/o Kaur Singh, Kesri Devi w/o Sham Lal of Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 bighas 6 biswas 17 biswas situated at Village Akoi Sahib, Teh. Sangrur.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1005 of June, 1978 of Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 Dec 1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. SNG/84/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 16 Bighas 2 biswas 19 biswasi situated at Village Akoi Sahib, Teh. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Sangrur in June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property **as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by** more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Ambala City Gen. Attorney of Smt. Darshan Kaur w/o S. Satinder Singh, r/o Akoi Sahib, Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Guibakhsh Singh, Labh Singh, Jarnail Singh, Sher Singh, Kaur Singh, Nachhatar Singh ss/o Ragbir Singh, Sohan Singh, Dev Singh, Labh Singh, Kaur Singh ss/o Bhag Singh, Bhag Singh, Dalbara Singh ss/o Teja Singh, Kaur Singh, Niranjan Singh ss/o Gurbachan Singh, all r/o Bangawali, Surinder Kumar s/o Kaur Sain, Amrits Lal s/o Sham Lal of Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 bighas 6 biswas 17 biswasi situated at Village Akoi Sahib, Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 973 of June, 1978 of the Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22 December 1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Hyderabad, the 22nd December 1978

Ref. No. CHD/152/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 3194, Plot No. 8-B, Sector 21-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely :—

(1) Smt. Maya Wanti w/o Late Bawa Ganda Singh Bhalla, resident of H. No. 3194, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Devi w/o Shri Rattan Lal, resident of H. No. 3300, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Shivraj Singh
2. Shri S. D. Peshawar
r/o H. No. 3194, Sector 21-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 3194, Plot No. 8-B, Sector 21-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 205 of May, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. LDH/68/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 54-D, Sarabha Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—416GI/78

(1) Smt. Harminder Kaur Sanghera w/o Shri Gurnam Singh, 2-Barshill Grove Allerton Bradford West, YORKSHIRE (UK) through
Shri Dharam Singh Dayal s/o Shri Basant Singh r/o 25-B, Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh Thind s/o Shivdit Singh Thind 617-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 54-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1990 of August, 1978 of the Registering Officer (U), Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anurik Singh s/o Karam Chand
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

(Transferor)

(2) Shri Harjeet Singh c/o Harjeet & Co,
Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. IDH/U/85/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property Building No. 27-R, Industrial Area 'B', Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDE

Property Building No. 27-R, Industrial Area 'B', Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 505 of May, 1978 of the Registering Officer (U), Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS(1) Mrs. Cecilia Gertrude Marry Hall,
Chapslee, Simla.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 22nd December 1978

Ref. No. SMI./55/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Known as "Caslini Estate" Tara Devi situated at Tara Devi (Simla) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Smt. Parminder Kaur w/o Shri Narinder Singh
2. Shri Narinder Singh s/o Sh. G. S. Atwal,
Caslini Estate, Tara Devi (Simla).

(Transferee)

(3) 1. Mrs. Parminder Kaur
2. Shri Narinder Singh
Caslini Estate, Taradevi (Simla).

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property known as "Caslini Estate" with land area of 32 bigha 10 biswa.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 245 of April, 1978 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22 Dec 1978.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP-1860.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Model Town, Jullundur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sadhu Singh S/o Chando Singh V. & P.O. Paras Ram Pur Tehsil ; Jullundur.
(Transferor)

(2) Bhagwati Parshad I.A.S. S/o Pakhar Ram Near House No. ES-605, Abadpura, Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 2 Kanal 1 Marla near Model Town, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 575 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-1-79,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP-1861.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—436GI/78

(1) Sher Jang Bahudur Ohri S/o Guicharan Dass S.S.P. Patiala Self and G.A. to Satia Wati Ohri, Miss Parveen Ohri, Shashi, Suraj Wohri G.A. to Kedar Nath, Hem Raj, Kewal Krishan, Darshan Kumar, Sandesh Kumar, Kailash Wati and Amrit Piari.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Shiv Charan Singh, 418-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 748 measuring 13 Kanal 109 S.ft., situated at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deel No. 858 of May, 1978 as mention in the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-1-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP-1863.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sher Jang Bahadur Ohri S/o Gurcharan Dass S.S.P. Patiala Self and G.A. to Satia Wati Ohri, Miss Parveen Ohri, Shashi, Suraj Wohri G.A. to Kedar Nath, Hem Raj, Kewal Krishan, Darshan Kumar, Sandesh Kumar, Kailash Wati and Amrit Piari.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Charan Singh Dhillon S/o Balwant Singh, 418-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 plot No. 749 measuring 17 Marla 55½ Sft. situated at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 860 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-1-79.
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP-186/2.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sher Jang Bahadur Ohri S/o Gurcharan Dass S.S.P. Patiala Self and G.A. to Satia Wati Ohri, 2 Miss Purveen Ohri, Shashi, Suraj Wohri G.A. to Kedar Nath, Hem Raj, Kewal Krishan, Darshan Kumar, Sandesh Kumar, Kailash Wati and Amrit Puri.

(Transferor)

(2) Shiv Charan Singh Dhillon S/o Balwant Singh, 41 8-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 plot No. 749 17 Marla 55 $\frac{1}{2}$ Sft. situated at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 859 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP-1864.—Whereas, I B. S. DEHTYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Land at Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Amar Chand S/o Charanji Lal S/o Raghupat Rai, 2. Amaro Ranji w/o Charanji Lal, Darshna Ranji d/o Charanji Lal, Krishna Ranji d/o Charanji Lal, Kakar Pind Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shingara Singh S/o Rattan Singh Kot Khurd.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land situated at Village Khurd as mentioned in the Registration Sale Deed No. 599 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHTYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-79.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th January 1979

Ref. No. AP/11865.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Dolika Sunderpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ujjagar Singh S/o Jewa Singh Village Doli Ke Sunderpur Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Guddiwal Singh & Paul Singh S/o Ujjagar Singh, Vill. Doli Ke Sunderpur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 24 Kanal situated at Doli Ke Sunder Pur Teh. Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1137 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-1-79.

Seal :

FORM ITNS

(1) Amrit Singh S/O Hazara Singh Village Lalian Khurd Teh Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Jagjit Singh, Mukhtar Singh, Massa Singh S/O Milkha Singh S/O Biru R/O Lalian Khurd Teh. Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP-1866.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A3 per Schedule situated at Lalian Khurd, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 31 Kanal 7 Marla situated at Vill. Lalian Khurd Teh. Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 746 of May, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-79.
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Amarjit Singh s/o Sh. Hardial Singh,
G.T. Road, Abadi Amar Kot, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/89.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building No. 4864 situated at G.T. Road, Putlighar, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, in April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) M/s Wood Landers Works,
Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 Share of House property No. 4864 situated at G.T. Road, Putlighar Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 380 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS— -- —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/90.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building No. 4864 situated at G.T. Road, Putlighar, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, in April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amarjit Singh s/o Sh. Hardial Singh,
G.T. Road, Abadi Amar Kot, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Wood Landers Works,
Putlighar, Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at Sl. No. 2 above and tenants(s) if any.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of House property No. 4864 situated at G.T. Road, Putlighar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 404 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/91.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two Sheds No. 102/2 situated at Ram Tirath Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, in April 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s Sawaran Weaving Factory, Ram Tirath Road through Shri Sarvanjit, Chand Parkash s/o Sh. Munshi Ram Partner Ram Tirath Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s Panna Lal Krishan Gopal, Bazar Kathian through Sh. Bhola Nath Partner, Amritsar.
(Transferee)

* (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building two sheds No. 102/2 min Ram Tirath Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 383 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar, City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—436GI/78

Date : 12-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd January 1979

Ref. No. ASR/78-79/106.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Tung Bala Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Naveen Kumar s/o Sh. Ram Parkash Duni Chand Road, Kothi No. 7, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Ravinder Kaur w/o Shri Ranbir Singh, Smt. Inderjit Kaur w/o Sh. Jasbir Singh, Majitha Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1242 sq. yds. situated Tung Bala, Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 559 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-1-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/109.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Area 561 sq. yds. Guru Nanak Wara, Bank of Khasla College, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Rani w/o Som Dev Chand Nihangian, Putlighar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Janta Cooperative House Building Society Ltd., Guru Nanak Wara, Putlighar, Amritsar. (Transferee)
- *(3) As at Sl. No. 2 above and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 561 sq mts. situated between the back of Guru Nanak Wara and back of Khalsa College, Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 418 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-1-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 8th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/110.—Whereas I M. L MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land 561 sq. mts. Guru Nanak Wara near Khasla College, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Smt. Harbans Kaur w/o Lekh Singh, Chah Nihangian P.O. Khalsa College, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Janata Cooperative House Building Society Ltd., Guru Nanak Wara, Near Khasla College, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 561 sq. mts. situated between the Bank of Guru Nanak Wara and back of Khasla College, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 501 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-1-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—(1) Shri Durgeswar Das,
Jhalukbari, Gauhati.

(Transferor)

(2) M/S Eastern Tea Brokers (P) Ltd.
Gauhati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Ref. No. A-192/Gau/78-79/2460-61.—Whereas, I, S. MAJUMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bag No. 214, Patta No. 19, situated at Village Rulminigaon, Mouza Beltela, Gauhati, Dist. Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 5-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha 1 Katha 8 Lecha, situated at Village Rulminigaon Mouza Beltela Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

S. MAJUMDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 7-10-1978

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 16th December 1978

Ref. No. A-200/Gau/78-79/6286-91.—Rhercas I, R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 1171 and K. P. Patta No. 455, situated at Hem Barua Road, Ward No. 19, Fancy Bazar, Gauhati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 18-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shew Bhagwan Kakholia, self and Karta and Representing all co-persons
 - 1. Shri Ram Gopal Kakholia
 - 2. Shri Gauri Sankar Kakholia
 - 3. Shri Bhubaneswar Kakholia
18th Mile Kalimpong,
Darjeeling Dist.
P.O. Kalimpong, West Bengal.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. Bhowridebi Kakholia, Fancy Bazar, Gauhati,
2. Sri Handa Kishore Lohia, Haibangaoon, Nowgong.

(Transferees)

- (3) 1. M/S Saha & Co.
2. M/S Poddar & Co.
3. M/S Kamala Sweets.
4. M/S Bombay Raxin Emporium.
5. M/S Assam Colour Company.
6. M/S Laxmi Silver House.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.8/9 Lacha along with house situated at Hem Barua Road of Fancy Bazar, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 16-12-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 16th December 1978

Ref. No. A-201/Gau/78-79/6296-303.—Whereas J. R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 1171 and K. P. Patta No. 455 situated at Hem Barua Road, Fancy Bazar, Ward No. 19, Gauhati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Sitaram Kakholia
S/O Shri Dhanraj Kakholia
for self and Karta and Representing all co-persons.
1. Shri Ghanshyamdas Kakholia
2. Shri Sudhir Kumar Kakholia
3. Shri Sushil Kumar Kakholia
4. Shri Sunil Kumar Kakholia
5. Shri Subodh Kumar Kakholia
18th Mile from Kalimpong.
Darjeeling Dist.
P.O. Kalimpong, Dt. Darjeeling
West Bengal.
- (Transferor)
- (2) 1. Smt. Bhowridebi Kakholia,
Fancy Bazar, Gauhati.
2. Sri Nanda Kishore Lohia, Heibargun, Nowgong.
(Transferees)
- (3) 1. M/S Saha & Co.
2. M/S Poddar & Co.
3. M/S Kamala Sweets.
4. M/S Bombay Raxin Emporium.
5. M/S Assam Colour Company.
6. M/S Laxmi Silver House.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.8/9 Lacha along with house situated at Hem Barua Road of Fancy Bazar, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 16-12-1978
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 16th December 1978

Ref. No. A-202/Gau/78-79/6308-310.—Whereas, I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 1171 and K.P. Patta No. 455, situated at Hem Barua Road, Ward No. 19, Fancy Bazar, Gauhati;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gauhati on 18-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dhanraj Kakholia S/o Late Surajmal Kakholia Kalimpang, Darjeeling.
(Transferor)
- (2) 1. Bhowridebi Kakholia, W/o Late Rangalal Kakholia,
2. Sri Nanda Kishore Lohia,
Haibargaon,
Nowgong.
(Transferee)
- (3) 1. M/S Saha & Co.
2. M/S Foddar & Co.
3. M/S Kamala Sweets.
4. M/S Bombay Raxin Emporium.
5. M/S Assam Colour Company.
6. M/S Laxmi Silver House.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.8/9 Lacha along with house, situated at Hem Barua Road of Fancy Bazar, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-12-1978

Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 1st January 1979

Ref. No. A-203/Gau/78-79/6422 —Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 311 K.P. Patta No. 25, situated at village Hatigaon Mouza Beltola, Gauhati, Dist. Kamrup (Assam) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 19-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Karuna Barua
2. Sri Jadu Kanta Barua
3. Sri Rajani Kanta Barua
4. Sri Chandra Kanta Barua.

(Transferor)

- (2) Smt. Madhavi Das w/o
Sri Dharmananda Das.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 (three) Bigha situated at Hatigaon Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

R. N. BARA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 16-12-1978
Seal

FORM ITNS

(1) Dr. Sarat Chandra More

(Transferor)

(2) Smt. Sucharita Paul W/o
Sri Suresh Chandra Paul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 4th January 1979

Ref. No. 204/Gau/78-79/6427.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 594, K.P. Patta No. 338, situated at New Town Ulubari, Mouza Ulubari, Gauhati Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 11-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 1(one) Bigha situated at New Town Ulubari Mouza Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 4-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 23rd November 1978

Ref. No. III-289/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1522, Khata No. 631, Touzi No. 5505, Thana No. P.S. (Digha) old Mainpura Digha (old), Presently Patliputra Colony, Patna, situated at Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna in 11th April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dhanraj Pd. S/o
Shri Rameshwari Lal
2. Smt. Anandi Devi W/o Shri Rameshwari Lal,
Resident of Bakerganj, Daldali Road,
P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sheo Prakash Bansal, guardian of Shri Suresh Bansal and Shri Anil Kumar Bansal.
2. Smt. Shashi Bansal W/o Shri Madanlal Bansal.
3. Smt. Nina Bansal W/o Shri Vasudeo Bansal.
4. Smt. Shakuntala Devi Bansal W/o
Shri Baldeo Krishna Bansal,
Resident of "Laxmi Bhawan", Patliputra Colony,
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Homestead land measuring 15 decimals bearing Plot No. 1522, Khata No. 1522, Khata No. 631, Touzi No. 5505, Thana No. 2 P.S. Digha (old) under Patna Municipal Corporation at Mainpura Digha (old), Presently Patliputra Colony, Dist. Patna, described in deed No. 2137, dated 11-4-78 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date :23-11-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR**

BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 23rd November 1978

Ref. No. III-290/Acq/78-79.—Whereas I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1522, Khata No. 631, Touzi No. 5505, Thana No. 2 P.S. (Digha) old, Mainpura Digha (old), Presently Patliputra Colony, Patna, situated at Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Patna on 11-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Rabindra Pd. S/o
Shri Jawaharlal,
2. Smt. Savitri Devi, W/o
Shri Jawaharlal,
Resident of Bakerganj, Daldali Road, P. S.
Hadamkuan, Dist. Patna.

(Transferors)

(2) 1. Shri Sheo Prakash Bansal, guardian of Shri Suresh Bansal and Shri Anil Kumar Bansal
2. Smt. Shashi Bansal W/o
Shri Madanlal Bansal
3. Smt. Nina Bansal W/o
Shri Vasudeo Bansal
4. Smt. Shakuntala Devi Bansal W/o
Shri Baldeo Krishna Bansal,
Resident of "Laxmi Bhawan", Patliputra Colony,
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 15 decimals bearing Plot No. 1522, Khata No. 631, Touzi No. 5505, Thana No. 2 P.S. Digha (old) under Patna Municipal Corporation at Mainpura Digha (old), Presently Patliputra Colony, Dist. Patna, described in deed No. 2138, dated 11-4-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandrika Singh S/o Late Deo Narain Singh resident of Mainpura, P.S. Digha (presently Patliputra Colony), Distt. Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 7th December 1978

Ref. No. III-292/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Touzi No. 5506, Thana No. 2, Khata No. 654 Survey Plot No. 1583 under Patna Municipal Corporation, situated at Mouza Mainpura presently P.S. Patliputra Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(2) Shrimati Sushila Singh w/o Shri Balraw Singh, resident of village Inai (East), P.O. Inai P. S. Rivilganj, Dist. Saran.
2. Smt. Padmavati Singh w/o Shri Yadu Nath Singh, resident of village (P.O.) Mudiari P.S. Maniyar, Dist. Balia (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 7 Kathas 4 Dhur bearing T. No. 5506, Plot No. 1583, Khata No. 654, Cir. No. 246, Thana No. 2, situated at Mouza Mainpura, within Patna Municipal Corporation more fully described in Deed No. 2272 dated 15-4-1978 registered with the Dist. Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sunil Kant Chaudhary S/o
Late Charu Chandra Chandhary of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 26th December 1978

Ref. No. III-293/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 32, C.N. 3 in ward No. 2/12 of Bhagalpur Municipality, situated at Mohalla Mundichak P.S./Dt. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 27-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Kailash Pd. Pacheriwala S/o
Shri Raghubardayal Pacheriwala of Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2976 sq. ft. with horse at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12 described more fully in deed No. 3636 Dt. 27-4-1978 registered with the D.S.R. Bhagalpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 26-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Himani Kant Chaudhary S/o
Late Charan Chandra Chaudhary
of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Pacheriwala,
S/o Shri Shyam Sunder Pacheriwala,
of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna. the 26th December 1978

Ref. No. III-294/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12 of Bhagalpur Municipality, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 28-4-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2667 sq. ft. with house bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur described more fully in deed No. 3638 dt. 28-4-1978 registered with the D.S.R. Bhagalpur.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date : 26-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
PATNA**

Patna, the 26th December 1978

Ref. No. III-295/Acq/78-79.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12 of Bhagalpur Municipality, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

(1) Shri Amni Kant Chaudhary
S/o Late Charu Chandra Chaudhary,
of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shri Proshhottam Kumar Pacheriwala
S/o Shri Shyam Kumar Pacheriwala,
of Mohalla Mundichak, P. S. Kotwali, Dt. Bhagalpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2908 sq. ft. with house bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur described more fully in deed No. 3637, dt. 28-4-1978 registered with the D.S.R. Bhagalpur.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date : 26-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Samir Kant Chaudhary
S/o Late Charu Chandra Chaudhary,
of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shri Braj Kishore Pacheriwala,
Shri Raghubar Dayal Pacheriwala,
of Mohalla Mundichak,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
PATNA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 26th December 1978

Ref. No. III-296/Acq/78-79.—Whereas J. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12 of Bhagalpur Municipality, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhagalpur on 28-4-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land area 3500 sq.ft. with house bearing holding No. 32, Circle No. 3, Ward No. 2/12, situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur described more fully in deed No. 3635, dt. 28-4-1978 registered with the D.S.R. Bhagalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—436GI/78

Date : 26-12-1978

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Ramesh Mahadeo Kachare,
39/22, Karve Road,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Vidyadhar Shripad Bedekar,
64/10, Karve Road,
Pune-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 18th December 1978

Ref. No. CAS/Haveli-II/July 78/383.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub plot No. 3, S. No. 37/2,
situated at Erandawana, Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 20-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub-plot No. 3, Survey No. 37/2, Erandawana, Pune-4.
Area : 5654 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1175 dated 20-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 18-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Mahadeo Kachare,
39/22, Karve Road,
Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Gangadhar Sankhe,
At Maswan, Tal. Paigahar,
Dist. Thane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,

**BHAWKER BHARAN, PLOT NO. 31 GANESH KHIND
ROAD, POONA-411005**

Poona-411005, the 19th December 1978

Rel. No. CA5/Haveli-II/July '78/384.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. sub plot No. 2, S. No. 37/2, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Pune on 20-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Sub plot No. 2, S. No. 37/2, Erandawana, Pune-4.
Area : 6060 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1176 dated 20-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Savitridevi Vishwasrao Panse,
Dr. Radhakrishnan Nagar, Pune-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004**

Poona-411004, the 22nd December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Sept '78/385.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 569(1+3K)

2

situated at Bibavewadi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune in 18-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Chairman,
Rajmata Sahakari Griha Rachana Sanstha Ltd.
280, Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 569 (1+3K) at Bibavewadi.

2

Area : 725 sq. mts. (7250 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered under No. 1517 dated 18-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 22-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Panase A. V.
Dr. Radhakrishnan Nagar, Pune-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004**

Poona-411004, the 22nd December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Sept '78/386.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 569 (1+3K)

2

situated at Bibwewadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Chairman,
Rajmata Low Income Housing Society,
280, Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 569(1+3K) at Bibwewadi.

2
Area : 725 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1518 dated 18-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 22-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Panase D. V.
Dr. Radhakrishnan Nagar,
Pune-9.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,**

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 22nd December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/Sept '78/387.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 569 (1+3K)

2

situated at Bibwewadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Chairman,
Rajmata Low Income Housing Society,
280, Kasba Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 569 (1+3K) at Bibwewadi.

2

Area : 725 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1519 dated 18-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, Poona

Date : 22-12-1978

Scal :

FORM ITNS —

(1) Mrs. Anuradha Arvind Mavlankar,
2210, Mahatma Gandhi Road,
Ratnagiri.

(Transferor)

(2) M/s. Madhura Co-operative Housing Society Ltd.
203, 'Uma' 499, Rasta Peth, Pune-II.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 19th December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/July '78/388.—Whereas I, SMT. P. LALWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of plot No. 5-B/CTS 173/B,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Pune on 20-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the sale deed registered under No. 1173 dated 20-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

Part of plot 5-B/CTS 173/B Pune City.
Area : 593.25 sq. mts.

SMT. P. LALWANI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Shankar Ghaisas,
1127, Shukrawar Peth, Pune.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madhura Co-operative Housing Society Ltd.
203, 'Uma' 499, Rasta Peth,
Punc-11.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 19th December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/July '78/389.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5-A, C.T.S. No. 173A,
situated at Punc
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punc on 18-9-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-A, C.T.S. No. 173A, Sadashiv Peth, Pune.
Area : 512 sq. mts. (5120 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered under No. 1172 dated 18-9-78 in the office of the Sub-Registrar Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Varsha Vishwanath Dabke,
Plot No. 6, Shilpa Co-op. Housing Society,
Ram Maruti Road, Thane.

(Transferee)

(2) Madhura Co-operative Housing Society Ltd.
203, 'Uma' 499, Rasta Peth,
Pune-11.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 19th December 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/July '78/390.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of plot 5-B CTS 173/B, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 20-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—436GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot 5-B, CTS No. 173/B, Sadashiv Peth, Pune-30.
Area : 595.25 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1174 dated 20-7-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 1st January 1979

Ref. No. CA5/Bombay/Junc '78/393.—Whereas I SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Plot & Land No. 2 & 3, situated at Virar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virar, Tal. Vasai, Dist. Thane on 23-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Narayan Khanderao Joshi,
2. Shri Champavati Khanderao Joshi,
26, Bhai Jivanji Lane,
Manek Building, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Jivadanidevi Co-operative Housing Society Ltd.
Agashi Road, Virar (West), Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Non-agricultural plot and land No. 2 & 3 admeasuring 1088 sq. yds. at Virar, Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Property as described in the sale deed registered under No. 261 dated 23-6-78 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-1-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 1st January 1979

Ref. No. CA5/Haveli-II/Oct '78/394.—Whereas I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.P. Scheme No. 1, F.P. No. 472-E, situated at Haveli-II, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 10-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Waman Keraba Dhole
2. Shri Ramchandra Waman Dhole
3. Shri Suryakant Waman Dhole
4. Smt. Sonabai Waman Dhole
5. Shri Ashok Waman Dhole
6. Shri Prakash Waman Dhole,
all residing at 59, Gultekadi,
Pune-411 009.

(Transferor)

- (2) Shri Markendaya Co-operative Housing Society Ltd.
1286, Bhavani Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Division Pune, sub-division, Tal. Haveli, Pune City.
T. P. Scheme No. 3, F.P. No. 472-E,

Area : 2535.75 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2003 dated 10-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-1-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th December 1978

Ref. No. 272/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion 3-6-276/277 Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Noorunnisa Begum, alias Badrunnis Begum, W/o Sri S. Y. Nawab, II. No. 28-4 RT, Barkatpura, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Triveni Bai, D/o late Sri Haridas, H. No. 3-3-838 at Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion "A" of the H. No. 3-6-276 and 277 admeasuring 630 Sq. Yds. situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 1159/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date. 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mudigonda Annapurnamma,
H. No. 3-6-497 at Haridikarbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Visalanadhra Vignana Samithi,
Chandram Building,
Vijayawada-520004.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th December 1978

Ref. No. RAC. No. 273/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-435, situated at Troopbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant area, the site measuring 545 Sq. Yds. house No. 4-1-435 at Troop Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 1477/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th December 1978

Ref. No. RAC. No. 274/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port B/3-6-276/277, Himayatnagar, situated at Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Noorunnisa Begum, alias Badrunnisa Begum, W/o Sri S. Y. Nawab, H. No. 28-4-RT, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri U. Gregory Reddy, S/o Sri Joji Reddy H. No. 3-5-899 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion B of premises No. 3-6-276 and 277 situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 1402/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Noorunnisa Begum, alias
Badrunnisa Begum, W/o
Sri S. Y. Nawab,
H. No. 28-4-RT, Barkatpura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri U. Gregory Reddy, S/o Sri Joji Reddy
H. No. 3-5-899 at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th December 1978

Ref. No. RAC. No. 275/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port B/3-6/27677, situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion B-1 of premises No. 3-6-276 and 277 situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 1508/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. PASUPATHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date: 15-12-1978
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Cochin-682 016, the 15th November 1978

Ref. No. RAC. No. 276/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 135,
situated at S. D. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Swastik Construction Company,
at 111-Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. M. Vidyasagar,
2. M. Jayaram,
3. M. V. Prasanna Kumar,
all residing at 10-2-96 at Third floor Maredpally,
Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 135 in 1st floor in Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 1026/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 15-12-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th December 1978

Ref. No. RAC. No. 277/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-11-252/1, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—436GI/78

(1) M/s Jabbar Real Estate,
H. No. 1-11-252/1 at Begumpet,
Hyderabad.

(Transferee)

(2) Mr. V. G. M. Prasad, S/o
V. Ramesh Chandra Choudry,
H. No. 8-3-898/16/2 at Srinagar, Colony,
Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-11-252/2 at Begumpet, Hyderabad-16 flat No. 12 on the 2nd floor, registered vide Document No. 969/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-12-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th December 1978

Ref. No. RAC. No. 278/78-79.—Whereas I, V. PASUPATHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-4-180, situated at Tabacco Bazar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri R. Radhakrishna,
2. R. Kailash Pati,
3. Sri R. Chandranath,
all residing at H. No. 26 at Kevilworth Peddar Road, Bombay-400026.

(Transferors)

(2) Smt. Gopisetty Sarala,
263 at Barimpatalam,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Mulgi, No. 3-4-180 situated at Tabacco Bazar, Secunderabad, registered vide Document No. 977/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Vishnu W. Shahani,
Next to Kala Bhavan,
Opposite to I.G.P. Office, Saibabad,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Zulakha M. Abdulla,
H. No. 79, C at Ramgopalpet, Secunderabad,
2. Smt. Ghousia Raoof,
H. No. 11-4-169/7 at Bazaughat,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th December 1978

Ref. No. RAC. No. 279/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, in 1-11-251/5,

situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Flat No. 1 on ground floor in House M. No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 1043/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 16-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th December 1978

Ref. No. RAC. No. 280/78-79.—Whereas, I, V. PASUPATHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land in S. No. 91, 93, 95/1 situated at Gaddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Anne Venkatesam,
2. A. Narasimha Rao,
3. Sri A. Subrahmanyam,
all residing at Duggirala, Tenali-Tq.,
Guntur-Dist.

(Transferor)

(2) Life Insurance Corporation Employee's Co-operative House Building Society Ltd., Jeevan Prakash, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 15.880 Sq. Yds. in survey Nos. 92, 93 and 95/1 situated at Gaddimalkapur, Hyderabad, registered vide Document No. 915/78 in the office of the Sub Registrar Khairtabad.

V. PASUPATHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Saroj Kumari Kamra
Wife of Shri Chander Mohan Kamra
Resident of Sriganganagar at present at Dabawali
Mandi, Tehsil Khas, Distt. Sarsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Rameshowerlal and Ramnarain
Sons of Shri Manphoolsingh Jat
Resident of Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq/488.—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 13-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of house (Nohra) bearing No. 12 and is situated at Vivekanand Road near park and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 563 dated 13-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-12-78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/Acq/487.—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 13-4-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saroj Kumari Kamra
Wife of Shri Chander Mohan Kamra
Resident of Sriganganagar at present at Dabawali
Mandi, Tehsil Khas, Distt. Sarsu.

(Transferor)

(2) Shri Jaimal Ram s/o Shri Dattaram and
Shri Bhagiratram S/o Shri Jaimalram, Jat
Govindpura 18GG, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house (Nohra) bearing No. 12 and is situated at Vivekanand Road near park and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 565 dated 25-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/Acq./486.—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 29-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saroj Kumari Kamra
Wife of Shri Chander Mohan Kamra
Resident of Sriganganagar at present at Dabawali
Mandi, Tehsil Khas, Distt. Sarsa.
(Transferor)

(2) S/Shri Dayaram Sahyabram, Ramswroop
Sons of Shri Amarsingh Jat
Govindpura 18GG Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Part of house (Nohra) bearing No. 12 and is situated at Vivekanand Road near park and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 523 dated 29-4-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. 1Ac/Acq/484.—Whereas, I, HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 30-E situated at Uaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Udaipur on 20-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Anil Kumar
S/o Shri Vimaya Singh Singhvi
C/o Singhvi & Sons Bera Bajar, Udaipur
(Transferor)

(2) Shri Bheemsingh Singhvi
S/o Sunderlal
C/o M/s. Sunderlal Singhvi & Sons Bera Bajar, Udaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing No. 30-E and situated New Fathepura Scheme, near Sukhadia Circle, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 1022 dated 20-5-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipu

Date : 2-12-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/Acq/482.—Whereas, I, HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8 & 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
33—436GI/78

(1) M/s. United Motors of Rajasthan,
(Branch office of M/s. Western Indian States
Motors Limited, Jodhpur).

(Transferor)

(2) Shri Onkar Singh LAS Jarta of Onkarsingh HUF
A-385 Civil Lines, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots No. 8 and 9 Gopal Bari, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1488 dated 26-6-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-12-78

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Anil Kumar Singhvi
S/o Shri Vijaya Singh
C/o Singhvi & Sons Bera Bajar, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Sunder Lal Singhvi
C/o Sunderlal Singhvi & Sons, Bera Bazar,
Udaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/Acq/483.—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30(2) situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 22-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land bearing No. 30-E(2) situated at New Fathe-pura Scheme, near Sukhadia Circle Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 1023 dated 22-5-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Date : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Kanhiyalal Bagree,
Bikaner.

(Transferor)

(2) Shri Premchand s/o Shri Parasmal Golia
C/o Measurements Corporation, Girraj, Bldgs.,
3rd Flor, Tokatsay Jivraj Road, Sewari,
Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/Acq/489.—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Bikaner
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 17-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated in Mohalla Bagria, Bikaner and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Bikaner vide registration No. 664 dated 17-6-78.

HARI SHANKAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sureshkumar s/o Dulichand and Sh. Shivshankar s/o Sukhlal Jaisanaria, Sardarsahar, Distt. Churu, (Transferor)

(2) M/s. Naularam Dulichand Dal Mills, Sardarsahar, Distt. Churu, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

4-VIVEKANAND MARG,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/485.—Whereas, I,
HARI SHANKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

W. No. 20 situated at Sardarsahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardarsahar on 28-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land measuring 11256 Dar Gag situated at Ward No. 20 Sardarsahar and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Sardarsahar vide his Book No. 1 dated 28-7-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 2-12-78

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Poonamchand s/o Nathmal, and Smt. Pyaribai, widow of Vardhichand Oswal, Siwana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACP/490.—Whereas, I, HARI SHANKAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Siwana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 16-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Sanjayakumar s/o Ghisul minor through natural guardian Shri Ghisul Oswal Ranka Siwana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land situated opposite Oswal Bhawan Siwana and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Siwana vide Registration No. 148 dated 16-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG. JAIPUR**

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/491.—Whereas, I,

HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Siwana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 17-5-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ghewarchand s/o Moolchand Bhansali resident of Siwana Distt. Barmer, Rajasthan.
(Transferor)
- (2) Shri Rajenderkumar s/o Ghisulal Ranka, Siwana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ghanchiyon Ka Bas opposite Oswal Bhawan, Siwana and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Siwana vide registration No. 151 dated 17-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur..

Dated : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ghewarchand s/o Moolchand Bhansali resident of Siwana Distt. Barmer, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Kumar s/o Mohanlal Ranka of Siwana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/492.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Siwana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 17-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ghanchiyon Ka Bas opposite Oswal Bhawan, Siwana and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Siwana vide registration No. 153 dated 17-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ghewarchand s/o Moolchand Bhansali resident of Siwana Distt. Barmer, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Smt. Shushiladevi wife of Shri Mohanlalji Ranka Siwana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG. JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Rcf. No. IAC/ACQ/493.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Siwana on 17-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ghanchiyon Ka Bas opposite Oswal Bhanwan, Siwana and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Siwana vide registration No. 452 dated 17-5-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ghewarchand s/o Moolchand Bhansali resident of Siwana Distt. Barmer, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar s/o Sh. Ghisulal Ranka resident of Siwana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
4-VIVEKANAND MARG, JAIPUR

Jaipur, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/494.—Whereas, I,
HARI SHANKER,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No situated at Siwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siwana on 17-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ghanchiyon ka Bas opposite Oswal Bhanwan, Siwana and more fully described in the conveyance deed registered by S. B. Siwanan vide registration No. 154, dated 17-5-78.

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

34—436GI/78

Dated : 2-12-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Khushiram s/o Shri Chhajaram Brahman, Chak 3 A Chhoti, Sri Ganganagar,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sita Devi W/o Santuram Arora, Ward No. 23, Purani Abadi, Sri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Saipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/495.—Wheras, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Chak 3 A Chhoti situated at Sri Ganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 16-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

2½ Bighas Agricultural land at chak No. 3A Chhoti and more fully described in the transferred deed registered by Sub Registrar Sri Ganganagar vide registration No. 792 dated 16-5-78.

THE SCHEDULE

CHUNNI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 28-12-78.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Khushi Ram s/o Chhajuram Brahmin, Chak A Chhoti Teh. Sriganganagar.
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand s/o Shri Santoo Ram, Ward No. 23, Purani Abadi, Sriganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/496.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak No. 3A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 11-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

24 Biga Agricultural land at chak No. 3-A Chhoti and more fully described in the transferred deed registered by S. Rs. Sriganganagar vide registered No. 801 dated 11-5-78.

THE SCHEDULE

CHUNNI LAL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 28-12-78.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Lajwanti W/o Khushi Ram Brahman, Resident of Chak 3-A Chhoti, Teh. & Distt. Sri Ganganagar (Transferor)

(2) Shri Omprakash, Ram Kumar sons of Santaram Brahman, Resident of 3-A Chhoti, Sri Ganganagar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/497.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak 3-A Chhoti situated at Sri Ganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 4-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

2½ Bighas Agricultural land at Chak 3-A chhoti and more fully described in the transferred deed registered by Sub Registrar, Sri Ganganagar vide registration No. 791 dated 4-5-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lajwanti w/o Khushiram Brahman, Chak 3-A
Chhoti, Teh. Sri Ganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahavir Pd. S/o Santaram, Chak No. 3-A, 1
(First), Teh. Sriganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/498.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 Chak 3-A Chhoti situated at Sri Ganganagar
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Sri Ganganagar on 16-5-78
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

2½ Bighas Agricultural land at Chak 3-A Chhoti and more
 fully described in the transferred deed registered by Sub Registrar,
 Sri Ganganagar vide registration No. 800 dated
 16-5-78.

CHUNNI LAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269-D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 28-12-78.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tirlok Chand Kotcha Director M/s Umrao & Co., Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Raghuvir Sahai s/o Ganeshilal, Shri Ram Karan s/o Shri Dwarkadass, Sh. Satish Kumar s/o Tara Chand 4. Sh. Shiv Kumar s/o Lachmandass, Sriganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/499.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
being the competent authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sriganganagar on 15-4-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transfer to pay tax under the said Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1 Bigha Agricultural land at chak 1-A Chhoti and more
fully described in the registration deed registered by S. R.
Sriganganagar vide Registration No. 428 dated 15-4-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Tirlok Chand Kotcha Direct of M/s Umrao & Co. Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohan Singh 2. Malkiat Singh s/o Muktiar Singh 3. Darshan Singh & 4. Pritam Singh s/o Sh. Pokhar Singh Jat Sikh r/o Sriganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/500.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 4-4-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 Bigha Agricultural land covered into residential plots at chak 1-A Chhoti Sriganga Nagar and more fully described in the transfer deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 401 dated 4-4-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tirlok Chand Kotcha Director of M/S Umrao & Co., (P)(L) Sriganganagar.
(Transferor)

(2) Smt. Ajaib Kaur w/o Shri Baldeo Singh Jat Sikh, Sriganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/501.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 10-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

4 Bigha Agricultural land converted into residential plots at Chak 1-A Chhoti and more fully described in the transfer deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 461 dated 10-4-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tirkchand Kotecha Director M/s Umrao & Co, Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwati Kumar s/o Birbal Gupta r/o Sriganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/502.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 5-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

89' x 55' agricultural land converted into residential plot at chak 1-A Chhoti, Distt. Sriganganagar & more fully described in the transferred deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1123 dated 5-6-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—436GT/78

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tirlok Chand Kotecha Director of M/s Umrao & Co., Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(2) M/s. Rajasthan Bottling Co., Sriganganagar Through Sh. Prakash Chand s/o Mathuradass Agarwal, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/503.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 4-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

7 Bishwa Agricultural land converted into residential plot at chak 1-A Chhoti and more fully described in the transferred deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 712 dated 4-5-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Tirlok Chand Kotecha Director M/s Umrao & Co. (P) (L) Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/504.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak 1-A Chotti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

52ft. x 280ft. residential plot at chak 1-A Chotti Tch. & Distt. Sriganganagar and more fully described in the transferred deed registered by S. R. Sriganganagar vide No. 1029 dated 20-6-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 28-12-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Tirlok Chand Kotekh, Director, M/s Umrao & Co. (P) (I.), Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/505.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chak 1-A Chotti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 22-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Mahesh Kumar s/o Birbal Gupta, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

89ft. x 55ft. residential plot at chak 1-A chotti, Sriganganagar, and more fully described in the transferred deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 1052 dt. 22-6-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tirlok Chand Kotcha, Director, M/s Umrao & Co., Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Roshanlal & 2. Dev Karan s/o Sh. Loona Ram Birahmin, Chak 11-Q, Sriganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/506.—Whereas, I,
CHUNNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sriganganagar on 20-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

52 ft. x 280 ft. Agricultural land converted into residential plots at chak No. 1-A Chhoti, Ganganagar and more fully described in the transferred deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 1104 dated 20-6-78.

CHUNNI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Tirlok Chand Kotecha, Director, M/s Umrao & Co., Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Om Prakash 2. Durga Pd. 3. Laxmi Narain Sons of Ram Kumar, Miyawali Teh. & Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/507.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak 1-A Chhoti situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 26-6-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

521ft. x 280ft. residential plot at Chak No. 1-A Chhoti, Sriganganagar & more fully described in the transferred deed registered by S. R. Sriganganagar vide No. 1046 dated 26-6-78.

SUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ranasati Construction & Enterprises P. Ltd., through Managing Director Shri Hemchand s/o Shri Trimbak Pandit, r/o 30, Adarsh Nagar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal s/o Shri Nathulal Jain, r/o 6, Gulab Park, Mahesh Nagar, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 17th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1180/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52/5/A, South Tukoganj, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th November 1978

Ref. No. 1ACIACQ/BPL/1181/78/79.—Whereas, I,
B. L. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-4-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rana Sati Construction & Enterprises Pvt. Ltd., through the Managing Director, Shri Hemchand Pandit, 30, Adarsh Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) (i) Vimalchand s/o Madhavlal Sethi; (ii) Suresh Kumar s/o Vimalchand Sethi; (iii) Nareshkumar s/o Vimalchand Sethi; & (iv) Pradeepkumar s/o Vimalchand Sethi, all r/o 31, Itwaria Bazar, Indore.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52/5 Dvn. B. Kanchand Bagh Road, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gokuldas Muchhal s/o
Shri Kanhaiyalalji Muchhal,
r/o 274, Jawahar Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

(2) Shri Abbas Bhai s/o Kadar Bhai Bohra,
r/o 61, Bohra Bazar,
Indore.

(Transferee)

Bhopal, the 17th November 1978

Ref. No. RAC/ACQ/BPL/1182/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (Part) House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Eastern portion of H. No. 274, constructed on block No. 91, Jawahar Marg, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

36—436GT/78

Date : 17-11-1978
Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Anilkumar, s/o
Shri Krishnarao Gowde, r/o
11/5, South Tukoganj,
Indore.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Jamunabai w/o
Shri Premshankar Pandey; &
(ii) Shri Premshankar Pandey s/o
Shri Shiv Balak Pandey,
both r/o 28, Chotta Sarafa,
Indore.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSION OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1183/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(Part) House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of H. No. 129, Jawahar Marg, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. N. K. Gupta s/o late Shri Hemraj,
r/o Shimla Road, Bhopal,
through Gen. Power of Attorney
Shri Virender Kumar s/o late Hemraj,
r/o Shimla Road, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE PNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1184/78-79.—Whereas I, B. L.
RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said' Act), have reason to believe that
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House, situated at Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Bhopal on 18-4-1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

House No. 170, constructed on Plot Nos. 48/1 and 50/1
at Idgah Hills, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 17-11-1978

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Omprakash Bansal s/o
Shri Gulabchandji Bansal, r/o
Army Bazaar,
Kampoo Road, City Lashkar.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi, w/o
Shri Ghanshyamdasji Vaishya,
r/o Roshnighar Road, Inderganj,
City Lashkar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1185/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 5-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Municipal House No. 753, Wd. No. 25, situated at High Court Road, Inderganj, Lashkar, Gwalior.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satishchandra, s/o
Shri Ghisoolalji Saboo, r/o
20/7, New Palasia,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hemantkumar, s/o
Shri Chandmalji Bhandari, r/o
18/3, Snehalataganj,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1186/78-79.—Whereas I, B. L. RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 10-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 62/5, situated at Manoramaganj, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 29-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Tarabai, w/o
Seth Jorawarmal Daga,
Sadar Bazar,
Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Samandas, s/o
Dilamal Sindhi,
r/o Katora Talab,
Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1187/78-79.—Whereas I, B. L. RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nazul Plot, Block No. 14, Old Plot Nos. 6/1 & 7/1
(New Nos. 6/22 & 7/22) at Civil Lines, Raipur.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 29-11-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 29th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1188/78-79.—Whereas I, B. L. RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, situated at Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 26-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anilkumar Daga (Minor)
s/o Seth Jorawarmal Daga,
r/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Kumar;
2. Shri Kishorekumar,
both sons of Samandas Sindhi,
r/o Katora Talab, Raipur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

Nazul Plot, Block No. 14, Old Plot Nos. 6/1, 7/1 (New No. 6/23 & 7/23) at Civil Line, Raipur.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date: 29-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1189/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No Plot, situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 11-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Holaram,
s/o Shri Vasumal,
r/o 200, Nayapura No. 1,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Radheshyam,
s/o Shri Girdharilal,
r/o 134, Snehnagar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11, at Professor Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 29-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Krishnabai,
2. Smt. Kamlabai,
both wives of Shri Lalchandji.
r/o Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mahavirsingh Jain s/o
Shri Kiranmalji, r/o
1/1, Chatripura,
Indore.

(Transferee)

(3) Tenants. (Person(s) in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78179/1190. Whereas L. B. I. RAO,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House, situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 3-4-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 9/1, Chandrabhaga, Jinni Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

37—436GI/78

Date : 30-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chatrulal s/o
Shri Kishandas,
r/o, 169, Palshikar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Khan Chand s/o
Shri Sadhuram Chinnani;
2. Smt. Jethibai w/o
Shri Sadhuram Chinnani,
both r/o 169, Palshikar Colony,
Indore.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1191/78-79.—Whereas I, B. L. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

House, situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Indore on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storeyed house, Municipal No. 169, situated at
Palshikar Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-11-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal, s/o
Shri Kanhaiyalal,
r/o Madhav Nagar, Kamla Nehru Marg,
Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Kailashsingh, s/o Ramprasad Chauhan,
employed in Bank of India, Khachrod,
r/o Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1192/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House, situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 10-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal H, No. 6/392/2, New No. 17, situated at Kamla Nehru Marg, Madhav Nagar, Ujjain.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-11-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Gopaldas Vallabhdas Saraf,
r/o Pratappura Nagar,
Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram, s/o Shri Onkar Choudhary,
r/o Mouza Ichhapur,
Teh. Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1193/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Mouza Ichhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur on 3-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said' Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 5.36 acres of new Kh. No. 558 with one well and motor pump of 5 H.P. at Mouza Ichhapur, Tehsil Burhanpur.—More fully described in form No. 37G.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date, 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shantilal, s/o Motilal Jain,
r/o Rajpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman, s/o Vitthal Mahajan,
r/o Vaghoda Bujrug,
Teh. Rawer (Maharashtra).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 30th November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 5.50 acres of new Khasra No. 29, at village Shahpur, Teh. Burhanpur.—More fully described in form No. 37G.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commission of income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prakashchand, s/o
Shri Balchandji Jain, Luhadia,
r/o 13, B. Builders Colony,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jamnalal Hukamchand H.U.F.
through Karta Jamnalal s/o Hukamchand Jain,
r/o 32, Bharat Marg Indore.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1195/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 28-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 21A, at Nemi Nagar Jain Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 1-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajaram s/o Munnalalji Bhami,
r/o Gram Shivnî, Teh. and District Indore.
(Transferee)

(2) 1. Shri Devisingh;
2. Shri Shiviram; and
3. Shri Laxminarayan s/o Khumanji caste Khati,
r/o Gram Janakpur, Teh. and Dist. Indore.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st December 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /1195/78-79.—Whereas, I. B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vil. Bariya Hatt, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 29-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Agricultural land at village Bariya Hatt, Teh. & Dist. Indore, bearing Survey Nos. 292, 293, 294, 310-Rukba 10.980 Hectres—i.e. 27.35 Acres with Pucca well and motor pump thereon.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-12-1978
Seal

FORM ITNS(1) Shri Shantilal s/o Motilal Jain,
r/o Rajpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1197/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Village Shahpur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur on 24-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Prakash s/o Laxman Mahajan,
r/o Vaghoda Bujrug, Tehsil Rawer (Maharashtra)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 5 acres of New Khasra No. 29 at Village Shahpur, Tehsil Burhanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 1-12-1978
Seal

FORM ITNS—(1) (1) Shri Chandrabhan Ayaldas,
r/o Radha Nagar, Indore;(2) Shri Govinddas Ratanlal,
r/o Sadhu Nagar, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shivlai Teckchandji Kandhari,
r/o 124, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—**

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1198/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing;

No. House-Part situated at Indore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Eastern portion of House on Plot No. 124, Palsikar Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
38—436GI/78

Date : 1-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ambalal s/o Ramnarayanji Jajoo,
r/o H. No. 82, St. No. 2, Moti Tabela-1, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mathurajal s/o Manilalji Jain,
r/o H. No. 14/1, North Raj Mohalla, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1199/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Municipal H. No. 82, situated in Street No. 2, at Moti Tabela-1, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandkishore s/o Shri Balmukundji Nayak,
r/o South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1200/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-4-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Shri Santoshsingh s/o Gajmal,
2. Shri Dilip Singh s/o Santoshsinghji; and
3. Shri Prakramsingh s/o Santoshinghji
r/o Junapitha Main Road, H. No. 55, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Municipal H. No. 20, constructed on Plot No. 31, at Ganesh Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jamnalal S/o Hukumchand Jain,
r/o 32, Nalia Bakhali, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Badrilal S/o Jalamchandji Porwal,
r/o Shakkar Bazar, Main Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1201/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Three storied house bearing Municipal H. No. 32, situated at Nalia Bakhali (Bharat Marg), Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-12-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1202/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House-Part situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Manohar Lal;
2. Shri Kamalnarayan, both sons of
Shri Kashiramji Soni,
r/o Gram Harsola, Teh. Mhow.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailash s/o Gopaldasji,
2. Shri Gopaldas s/o Ramnarayanji Mahajan,
r/o 9, Narsingh Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East portion of H. No. 9, situated at Narsingh Bazar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pukhrajbai Mehta,
r/o Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Shri Santokh Singh Amarsingh Ajmani,
r/o Nepa Nagar, Dist. Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/1203/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 6-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot in Victory Estate, Residency Area, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1978
Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Ladubai wd/o Shri Chhitaji Kulmi,
r/o Manawar, Teh. Manawar, Dist. Dhar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1204/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Gram Khadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Manawar on 4-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) S/Shri Babu & Tikam, both sons of Shri Damaji, Caste Sirvi, r/o Gram Manawar, Teh. Manawar, Dist. Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Gram Khedi, Tehsil Manawar, measuring 6.429 Hectres—bearing Khasra Nos. 4/2, 7, 8/1, 6/4, 8/3 and 8/4.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Santosh Kumar s/o Shri Hemchandji,
r/o 24/2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Mohd. Nawab s/o Shri Fakir Mohd,
2. Smt. Kherunissa w/o Shri Mohd. Nawab;
3. Shri Mohd. Shakur s/o Shri Fakir Mohd, all
r/o 92, Ranipura Main Rd, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1205/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-4-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. H. No. 2, constructed on Plot No. 1, situated at Manoramaganj, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Tanubha Mukerji wd/o late Shri M. K. Mukerji r/o Modiwada, Cantt. Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2769D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1206/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bari Omti, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 24-5-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Bashreen Bi w/o Shri Sheikh Ibrahim;
2. Shri M. Salim
3. Shri M. Kalim;
4. Shri M. (not clear in Form No. 37-G)
(No. 3 and 4 minors sons of Shri Sheikh Ibrahim); all r/o Bari Omti, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Nos. 827 to 827 '3, block No. 92, constructed on Plot No. 69, situated at Bari Omti, Jabalpur.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

39—436GI/78

Date : 2-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. H. Rao s/o Shri M. Narsing Rao
r/o E-4/36, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Khare s/o Shri H. C. I. Khare
r/o 34/6 South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 17-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. F-4/36, Capital Project, Arera Colony, Bhopal.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Chandra s/o Shri Hiralal Kurmi,
r/o Gram Khileri, Tah. Badnawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash s/o Shri Balaram Kujmi,
r/o Gram Dasai, Tah. Badnawar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Gram Khileri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badnawar on 28-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Rakba 5.463 Hakters with one well, Motor Pump and one storied house situated at Gram Khileri Tah. Badnawar.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babu Lal Jain s/o Shri Prem Raj Jain
r/o Gangamai Santar Nagar, Morar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramvilash Agarwal s/o Shri Ram Lal Agarwal
r/o Baradari Gandhi Road, Morar (Gwalior).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Morar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 26-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Municipal House No. 1/1 (New) Ward No. 10 situated at Jhansi Loop Road, Morar, Gwalior.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-12-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Krishna Bai Phalke wd/o late Shri Anand Rao Phalke r/o Krishna Mandir Phalke ka Bazar Lashkar, Gwalior.
 (Transferor)

(2) Gwalior Mahila Mandal, Gwalior.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th December 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL 78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 11-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land area 7120 Sq. ft. with 5 rooms and open baranda situated at Phalke Bazar, Lashkar, Gwalior.

B. L. RAO
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-12-1978
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Rainbow Steels Ltd., Meerut Road, Muzaffarnagar.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Arihant Steel and Alloys Ltd., Meerut Road, Muzaffarnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 12th January 1979

Ref. No. 336-A/MNagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that ~~the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing~~ No. As per schedule situated at ~~as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 6-5-78,~~ for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 4 biswas and 14 biswansi together with building, G.E.C. Electric Arc Furnace and Allied machineries.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1979
Seal :